फातिमा फ़ैज़

मृत चुड़ैल

वैलेन्टिना सान्ज़ बुक 1 -

Table of Contents

शीर्षक पेज
कॉपीराइट
अंतर्वस्तु
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
लेखक के बारे में

मृत चुड़ैल

वैलेंटिना सैन्ज़

पुस्तक **1**

फातिमा फ़ैज़

कॉपीराइट © 2025 फातिमा फ़ायेज़ द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित।
इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से, जिसमें सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है, सिवाय पुस्तक समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों के उपयोग के।
कवर डिज़ाइन: कवर अफेयर्स (लू हार्पर को श्रद्धांजलि)

अंतर्वस्तु

अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
लेखक के बारे में

अध्याय एक

मैं एल बोर्न के एक कोने में एक टेढ़ी-मेढ़ी सीढ़ी के नीचे दुबकी हुई थी, बस कुछ ही पलों में एक मृत चुड़ैल बनने से बची थी।

वह दुष्ट सुरक्षा कवच ततैया के छत्ते की तरह ज़ोर से भिनभिना रहा था। मेरे हाथ स्थिर थे, मैं उस कवच पर एक चिन्ह बना रहा था और मेरी जादुई शक्ति उस कवच के अस्थिर घटकों की पहचान करने के लिए तेज़ी से काम कर रही थी। पसीने की एक बूँद मेरे माथे से लुढ़ककर मेरी आँखों में चली गई। मैंने पलकें झपकाकर उसे पोंछ दिया। बस थोड़ा ही बाकी था। मैंने अपने होंठ दबा लिए ताकि मेरे मुँह से निकलने वाली गाली को रोक सकूँ, क्योंकि मुझे उस कवच के निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री का एहसास हो गया था।

“मैंने उसे छुआ तक नहीं,” मेरी क्लाइंट ने तीसरी बार कहा। “मैं कसम खाती हूँ, वैलेंटिना। एक मिनट पहले वह दरवाजे की रखवाली कर रहा था, अगले ही पल वह ऐसे चटकने लगा जैसे मुझे काटना चाहता हो।”

मेरी मुवक्किल, श्रीमती गिलमोर, एक तेज नजर वाली वेयरवोल्फ थीं, जिनमें ट्रैकिंग की अद्भुत क्षमता थी लेकिन जादू में कोई निपुणता नहीं थी। वह मेरे ऊपर खड़ी थीं। उनकी बिल्ली, फ्लफी, खिड़की की चौखट से म्याऊं कर रही थी।

“इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है,” मैंने बुदबुदाते हुए अपनी उंगलियों को तेज़ी से हवा में निरस्त करने वाले मंत्र बनाते हुए कहा। सुरक्षा कवच नीले रंग में चमक उठा, एक शक्तिशाली प्रतिक्रिया की चेतावनी देते हुए, फिर बुझ गया। बस। चमक फीकी पड़ गई। एक हल्की जादुई प्रतिक्रिया मुझ पर छा गई। दूसरे विकल्प से कहीं बेहतर। खतरा टल गया था। मैंने राहत की सांस ली। “तुमने कुछ नहीं किया। एक खराब पुर्जे की वजह से यह ओवरलोड हो गया था। तुम्हें यह सुरक्षा कवच कहाँ से मिला?”

श्रीमती गिलमोर ने शर्मिंदगी का भाव दिखाते हुए कहा, "पेट्रो की औषधियाँ। मुझे पता है कि आपने मुझे सुरक्षा कवच दिए थे, लेकिन मैं यह जोखिम नहीं उठा सकती थी कि वे काम न करें। आप जानती हैं कि दूसरे वेयरवुल्फ मेरे जैसे अकेले रहने वालों के बारे में क्या सोचते हैं। हम चुनौतियों के लिए आसान लक्ष्य होते हैं।"

मैंने उस अप्रत्यक्ष अपमान को नज़रअंदाज़ कर दिया। जब लोग भयभीत होते हैं, तो वे हताश होते हैं। मैं हताश लोगों के प्रति द्वेष रखने की आदत नहीं रखता था, क्योंकि मैं भी उन्हीं जैसी स्थिति में था।

फ्लफी ने खिड़की की चौखट से फिर से जोर से म्याऊं किया। मैंने ऊपर देखा।

“बेचारी को थोड़ी ताज़ी हवा चाहिए,” श्रीमती गिलमोर थोड़ा लड़खड़ाते हुए दरवाजे की ओर बढ़ीं। “मेरी तबीयत भी इस समय ठीक नहीं है।”

“यह वार्ड का उल्टा असर होगा। एक मिनट के लिए बैठ जाओ, अपना सिर घुटनों के बीच रखो। दरवाजा खोलने से पहले मुझे अपने वार्ड रीसेट करने के लिए एक मिनट का समय दो। मुझे इस

पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें निष्क्रिय करना पड़ा।" मैं सक्रियण चिह्न उकेरने के लिए घुटनों के बल बैठ गया। इससे पहले कि मैं शुरू कर पाता, मैंने दरवाजा खुलने की आवाज सुनी। मैंने ऊपर देखा और चेल्सी को सामने के दरवाजे से ऐसे भागते हुए देखा जैसे उसकी पूंछ में आग लगी हो। सफेद फर का एक धुंधला सा शरीर संकरे चौक के पार एक टेढ़े-मेढ़े पुराने पेड़ पर चढ़ गया।

मैंने आह भरी, अपनी जींस से धूल झाड़ी और उठ खड़ी हुई। "गिरने से पहले कृपया मेरे निर्देशों का पालन करें।" श्रीमती गिलमोर ने सिर हिलाया और दरवाजे के पास झुक गईं, सिर आगे झुकाकर गहरी साँसें लेने लगीं। वार्ड के विरोध का कुछ लोगों पर यही असर होता है, चाहे वह कितना भी हल्का क्यों न हो।

मैं दौड़कर पेड़ के पास गया। मैंने श्रीमती गिलमोर को पुकारा, "वहीं रुको।"

मैं किसी उत्तोलन मंत्र का प्रयोग कर सकता था, लेकिन उस सुरक्षात्मक तंत्र के प्रभाव से हवा में पहले से ही धातु जैसी भनभनाहट फैल चुकी थी। बिल्ली को और डराने का कोई फायदा नहीं था। मैं आधा ऊपर चढ़ा और उस शाखा को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया जहाँ चेल्सी ने ऐसे फुफकारा जैसे मैंने उसके पूर्वजों का अपमान किया हो।

तभी मुझे अपने पीछे से एक गहरी गुर्राहट सुनाई दी।

“तुमने मेरी चाची के साथ क्या किया?”

मैंने जैसे ही अपना सिर घुमाया, तभी मुझे मांसपेशियों और जींस पहने एक व्यक्ति की धुंधली सी आकृति मेरी ओर दौड़ती हुई दिखाई दी। एक गुस्सैल युवक पेड़ की ओर ऐसे झपटा जैसे मैं किसी का अपहरण कर रही हूँ। मैं चीख पड़ी, घास पर गिर पड़ी और लुढ़कने लगी। वह भी मेरे पीछे आया और झपटते हुए अपना रूप बदल लिया। वह पूरी तरह से भेड़िया तो नहीं था, लेकिन उसकी उंगलियों से पंजे और नुकीले दांत निकले हुए थे।

“पीछे हटो!” मैंने गुस्से से कहा और अपनी बेल्ट से गुलेल और एक सुरक्षा पत्थर निकाला।

उसने मुझ पर हमला किया। मैं झुक गया, निशाना साधा और गोली चला दी।

सुरक्षा पत्थर हवा में ही चटक गया, जिससे पाले से बनी सुरक्षा ऊर्जा का एक विस्फोट हुआ जो उसकी छाती पर लगा और उसे एक मूर्ति की तरह वहीं जकड़ लिया।

उसने पलकें झपकाईं। कांप उठा। उसे एहसास हुआ कि वह हिल नहीं सकता। उसने मेरे जादू से मुक्त होने की कोशिश में अपना शरीर हिलाया, लेकिन नाकाम रहा। मैंने इस तरह की स्थितियों में तुरंत इस्तेमाल के लिए ये खास सुरक्षा कवच छोटे आकार में बनाए थे। ये कंचों के आकार के थे और मुझे अपने लक्ष्य पर निशाना लगाने के लिए सिर्फ अपनी भरोसेमंद गुलेल की ज़रूरत थी। गुस्सैल रूपांतरित प्राणी बोल तो सकता था, लेकिन जब तक सुरक्षा कवच का असर खत्म नहीं हो जाता या मैं उसे निष्क्रिय नहीं कर देता, तब तक वह हिल नहीं पाएगा।

"क्या बकवास है?"

श्रीमती गिलमोर हांफते हुए दौड़कर आईं। “काइल! तुम क्या कर रहे हो?”

“आंटी?” उसने कर्कश आवाज में कहा।

“वो मेरी वार्डर है!” श्रीमती गिलमोर ने गुस्से से उसकी ओर देखते हुए कहा। “वो मेरी मदद कर

रही थी। फ्लफी पेड़ से टकरा गई। तुमने लगभग उस पर हमला कर दिया था!”
“मैं—वह—वह दिख रही थी—”
"जैसे मैं किसी बिल्ली को बचा रहा था?" मैंने रूखेपन से कहा, अपनी गुलेल को वापस अपनी बेल्ट में रखते हुए और अपनी हथेलियों से धूल झाड़ते हुए।
उसका चेहरा शर्म से लाल हो गया और उसने ज़मीन की ओर घूरकर देखा। "तुम कुछ कह सकते थे।"
"मुझे नोंच-नोंचकर मार डालने के बाद?"
“मैं तुम्हें नहीं मारता,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। उसने फिर से अपना शरीर हिलाया और खुद को छुड़ाने की कोशिश की। फ्लफी पेड़ से नीचे उतर आया था और काइल के पैर से रगड़ रहा था।
श्रीमती गिलमोर ने अपने भतीजे को घूरकर देखा। “तुम्हें शर्म आनी चाहिए कि तुमने किसी पर इस तरह हमला किया। तुम्हें इससे बेहतर पता होना चाहिए था, तुम्हें उससे माफी मांगनी चाहिए।”
काइल ने कुछ बुदबुदाया जो शायद एक बुदबुदाहट जैसा लग रहा था। "लो, अब मुझे जाने दो।"
मुझे ऐसा नहीं लगता। जब तक मैं अपने वार्डों को सक्रिय करना समाप्त नहीं कर देता, तब तक तुम वहीं रहोगे।
“क्या? नहीं! उसे बताओ!” उसने अपनी चाची को आदेश दिया। “उसे मुझे रिहा करने के लिए कहो!”
श्रीमती गिलमोर ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "नहीं, मुझे लगता है वैलेंटिना सही कह रही है। जब तक वह अपना काम पूरा करती है, तब तक आप इस बात पर विचार कर सकते हैं कि आप इस स्थिति को बेहतर तरीके से कैसे संभाल सकते थे।"
इसीलिए मिसेज़ गिलमोर मेरी पसंदीदा ग्राहकों में से एक थीं। इसके लिए मैं उन्हें एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच मुफ्त में दे देती थी। झगड़ती चाची और भतीजे और म्याऊं करती बिल्ली से दूर जाकर मैं अपना काम पूरा करने लगी। रात भर का रोमांच तो काफी था, लेकिन अभी खत्म नहीं हुआ था। मैंने आह भरी। मुझे पेड्रो की औषधि की दुकान पर रुककर पता लगाना होगा कि कौन नकली सुरक्षा कवच बेच रहा है, इससे पहले कि किसी को चोट लगे।
लेकिन उससे पहले मुझे एक और ग्राहक से मिलना था।

छिपकर रहने का पहला नियम यह है कि एक ही जगह पर दोबारा कभी न लौटें। लेकिन अगर आपको जीविका कमानी हो तो ऐसा करना मुश्किल था।

मेरी जेब में रखा हथियार मेरे कोट की लाइनिंग को जला रहा था, और क्लाइंट ने ज़िद की थी कि हम आमने-सामने मिलें। और वो भी बार ओटिस में! मैं यहाँ लगभग नियमित रूप से आता था, क्योंकि मैं जो काम करता था, उसके लिए तो आना ही पड़ता था। मुझे हैरानी इस बात की थी कि यहाँ मिलने का सुझाव मेरे क्लाइंट का था। जैसे ही मैंने दरवाज़े से अंदर कदम रखा, मेरे रोंगटे खड़े हो गए। हर बार जब मैं इस जगह पर कदम रखता था, तो मेरी यही प्रतिक्रिया होती थी। दशकों से धुएं और खून से लथपथ गहरे रंग की लकड़ी की दीवारें कमरे को घेरे हुए थीं। ऊँची पीठ वाले बूथों में पिशाच आराम कर रहे थे, उनकी नुकीली दाँतों वाली मुस्कान सुनहरी रोशनी में मुश्किल से दिखाई दे रही थी। पीछे की तरफ दो आकार बदलने वाले पासे का खेल खेल रहे थे, उनकी धीमी गुर्राहट लकड़ी पर हड्डियों की खटखटाहट के बीच गूंज रही थी। मैंने अभी तक अपने क्लाइंट को नहीं देखा था, लेकिन मुझे कुछ गड़बड़ नज़र आ रही थी, जाने-पहचाने चेहरे जो बहुत सख्त दिख रहे थे और आँखें जो बहुत देर तक टिकी हुई थीं।

बार्सिलोना में ऐसी कई जगहें हैं जहाँ अलौकिक शक्तियाँ इंसानों का रूप धारण करके रहती हैं, लेकिन बार ओटिस ने कभी ऐसा नहीं किया। यह एक तटस्थ स्थान था, जिसका हमारी दुनिया में सीधा सा मतलब था कि कोई भी बिना उचित कारण के आपको नहीं मारेगा। या कम से कम, सार्वजनिक रूप से तो नहीं।

मैंने अपना सिर नीचे झुकाए रखा और अपनी इंद्रियों को खुला रखा, बार में ऐसे घूम रहा था जैसे मैं यहीं का हूँ। लेकिन मैं नहीं था। न यहाँ, न ही हाल ही में कहीं और। मेरे बगल में सुरक्षा कवच से हल्की सी गूंज सुनाई दे रही थी—रक्त जादू, सूक्ष्म और सुरुचिपूर्ण। इसे किसी कमरे को ठीक तैंतीस सेकंड के लिए सील करने के लिए बनाया गया था। चोरी करने, भागने या मारने के लिए बस इतना ही समय, आपके इरादों पर निर्भर करता है। मेरे इरादे साफ थे। लगभग।

“वैलेंटिना सैन्ज़।”

उस आवाज़ ने मुझे एकदम चौंका दिया। नाम ने नहीं, वैलेंटिना तो वो नाम था जो मैंने तीन साल पहले चुनाव लड़ने के दौरान उधार लिया था, बल्कि लहजे ने चौंका दिया। व्यंग्यपूर्ण, विनोदपूर्ण और स्त्रीत्व से भरपूर। जानी-पहचानी।

मैंने मुड़कर जबरदस्ती मुस्कुराते हुए कहा, "एम्मा। तुम्हें यहाँ देखकर अच्छा लगा।"

एम्मा डेंच एक ऐसी चुड़ैल थी जो आपको छुरा घोंपते हुए भी मुस्कुराती थी। सुरुचिपूर्ण, चतुर और खतरनाक। उसने पर्यटकों और अनुभवहीन युवा चुड़ैलों को नकली जादुई ताबीज़ बेचकर खूब पैसा कमाया था। और अब, उसकी आँखों की तेज़ी से यही लगता था कि वह फिर से गुप्त रूप से काम कर रही थी। मेरी मुलाकात उससे तब हुई थी जब मैं अपने जादुई ताबीज़ों के लिए सामग्री जुटाने के लिए पहली बार बार्सिलोना आई थी। वह समय-समय पर मेरे कुछ ग्राहकों को

अपने यहाँ लाकर अपना मनोरंजन करती थी। यहाँ दो साल रहने के बावजूद भी मैं समुदाय में एक बाहरी व्यक्ति ही मानी जाती थी, हर एक बिक्री का नुकसान मेरे लिए आर्थिक रूप से बहुत बड़ा झटका था। मैं अभी तक इतनी बचत नहीं कर पाई थी कि किसी दूसरे शहर में जा सकूँ, इसलिए मुझे आने वाले समय में बार्सिलोना में ही रहना पड़ा।

वह अपनी बारस्टूल से उठी और मेरे पास ऐसे आई जैसे हम पुराने दोस्त हों। "लगता है तुम अभी भी रक्त जादू से खेल रहे हो।"

और आप अब भी यह दिखावा कर रहे हैं कि आपकी नकली ढालें लोगों को नहीं मार रही हैं।

उसकी मुस्कान थोड़ी फीकी पड़ गई। "तुम्हारे जैसे लोगों को पत्थर नहीं फेंकने चाहिए। कहीं कोई तुम्हारे कांच के घर की बारीकी से जांच न कर ले।"

“सावधान रहो,” मैंने धीरे से कहा और पास जाकर बोला। “कांच से चोट लग सकती है।”

“क्या यह धमकी है?” उसने उपहास उड़ाते हुए कहा। “तुम हमेशा से खुद को हम सब से बेहतर समझते आए हो। सिर्फ इसलिए कि तुम्हारे वार्ड ज़्यादा आलीशान हैं, इसका मतलब यह नहीं कि वे ज़्यादा सुरक्षित हैं।”

"मेरे प्रशिक्षण कार्यक्रम उलटे नहीं पड़ते और किसी सुनसान गली में खुद का बचाव करने की कोशिश कर रही किशोरी की जान नहीं ले लेते।"

एम्मा की आंखें सिकुड़ गईं। "वह मेरा नहीं था।"

“नहीं? क्योंकि यह बिल्कुल आपके हस्ताक्षर जैसा लग रहा था। घटिया, अधूरा रून बाइंडिंग। घटिया सामग्री। क्या आप अब भी इनकी जाँच करते हैं?”

वह आगे बढ़ी, यहाँ तक कि हमारे बीच कुछ ही इंच का फासला रह गया। उसके परफ्यूम में ऋषि और कुछ धातु जैसी महक थी। "तुम मेरी रखवाली करने वाली नहीं हो, वैलेंटिना। तुम्हें लगता है कि इस शहर में छिपने से तुम्हें वापस आकर मुझे उपदेश देने का अधिकार मिल जाता है?"

मुझे लगता है कि मानसिक रूप से अस्थिर बच्चों को बेचना किसी की जान लेने का अच्छा तरीका है। और मैं नहीं चाहता कि तुम्हारी इस गड़बड़ी का पता मुझ तक पहुंचे।

“तुम्हें लगता है कि तुम मुझसे बेहतर हो?” एम्मा गुर्राई। “तुम भूल गए कि मुझे पता है कि तुम अपनी ही गलतियों से भाग रहे हो। मुझे आश्चर्य है कि तुमने कौन सा दोषपूर्ण वार्ड बनाया है?”

मैं अकड़ गया। "यहाँ से चली जाओ, एम्मा।"

हम सबका ध्यान खींच रहे थे। कुछ आकार बदलने वाले जीव हमें देखने के लिए अपना खेल रोक बैठे थे। दुबला-पतला, दूधिया आँखों वाला पिशाच बारटेंडर बार के नीचे हाथ डालकर कुछ निकालने लगा, जो वह ऐसे मौकों के लिए वहाँ रखता था। मैं यह जानना नहीं चाहता था कि वह क्या था।

एम्मा ने चारों ओर देखा, उसे माहौल में बदलाव का आभास हो गया था। वह थोड़ा झुकी और धीमी आवाज़ में बोली, "ध्यान रखना, वैलेंटिना। तुम उतनी अदृश्य नहीं हो जितना तुम सोचती हो।"

फिर वह चली गई, भीड़ में घुलमिल गई।

मैंने धीरे से सांस छोड़ी। मैं बूथ पर गई और बैठ गई, अपने ग्राहक के आने का इंतज़ार करने

लगी। एम्मा को ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उसके आरोप कितने सही थे। मैंने माथे पर शिकन डाली और सोचने लगी कि क्या पैसे न होने के बावजूद कहीं और जाने का समय आ गया है। मैं कहीं और से नई शुरुआत कर सकती थी, जैसे मैंने तीन साल पहले बार्सिलोना में की थी। एम्मा की मुझ पर नज़र रखने की आदत से मैं घबरा रही थी। वह बेवजह ही मेरा ध्यान अपनी ओर खींच रही थी। मैं अपने विकल्पों पर विचार करती रही, तभी मेरा ग्राहक आ गया, एक संकीर्ण आँखों वाला रूपान्तर, जिसने महंगे जूते पहने थे और जिसमें बिल्कुल भी धैर्य नहीं था। वह उन बहुत अमीर, बहुत ऊबे हुए रूपान्तरों में से एक था जो पुरानी शराब की तरह जादुई छोटी-छोटी चीज़ें इकट्ठा करते थे। यह साफ़ था कि वह बार ओटिस में रहना अपने आप को शान-शौकत से कमतर समझता था। मैंने एक पल के लिए सोचा कि उसने यह जगह क्यों चुनी। हमने शिष्टाचारवश बातें कीं और बिना किसी झंझट के वार्ड में प्रवेश कर लिया। उसने कीमत के बारे में एक सवाल भी नहीं किया।

जैसे ही मैं जाने के लिए मुड़ा, वैम्पायर बारटेंडर की नज़र मुझ पर पड़ी। उसने कर्कश स्वर में कहा, "एक बात बता दूं, कोई तुम्हारे बारे में पूछ रहा है। कोई आम आदमी नहीं है।"

मेरी उंगलियां मेरी कमर पर बंधी गुलेल पर लिपट गईं। "कौन?"

उसने भावहीन मुस्कान दी। "गठबंधन के एजेंट। वे एक घंटे पहले यहाँ थे।"

यही वो पल था जब मुझे शहर छोड़ देना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय, मैं उस बार से बाहर निकली तो मेरी जान को खतरा था, और मुझे इसका एहसास भी नहीं था। मेरा दिमाग तेजी से सोचने लगा कि एलायंस के एजेंट मेरे बारे में क्यों पूछ रहे हैं। सुपरनैचुरल प्रोटेक्टर्स का एलायंस, जिसे ASP भी कहते हैं, एक ऐसा संगठन था जो अलौकिक समुदाय पर नज़र रखता था और हमें इंसानों से छिपाकर रखता था। उनके मेरे बारे में पूछने का कोई कारण नहीं था, मैंने कोई अपराध नहीं किया था। मुझे किसी का ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहिए था। मैंने अपने होंठ दबा लिए। शायद अब समय आ गया था कि मैं सब कुछ छोड़कर भाग जाऊं, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। मैंने अपना सिर हिलाया। जो लोग मेरा पीछा कर रहे हैं, वे कभी भी आधिकारिक तरीकों का सहारा नहीं लेंगे। वे नहीं चाहेंगे कि उनके अपराध उजागर हों। मेरे जैसी चुड़ैलों को ट्रैक करने के उनके अपने तरीके थे। मैं भाग्यशाली रही कि इतने समय तक छिपी रही, लेकिन शायद मैं ज़रूरत से ज़्यादा सोच रही थी। मेरे गायब होने से निश्चित रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित होगा।

बाहर, गर्मी की उमस से हवा भारी थी। टिमटिमाते नियॉन भेड़िये के चिन्ह के नीचे फुटपाथ पर मैं रुक गया, मेरी अंतरात्मा बेचैन हो उठी। कुछ तो गड़बड़ थी। एल रावल के इस हिस्से के हिसाब से सड़क कुछ ज़्यादा ही शांत थी।

मैंने अपना हाथ कोट की जेब में डाला, मेरी उंगलियां मेरे पास रखे सुरक्षा पत्थरों के संग्रह से टकराईं, तभी मुझे एक सुरक्षात्मक मंत्र के निशान महसूस हुए। वह मंत्र हल्का और तीव्र गति से स्पंदित हो रहा था।

सड़क के उस पार एक आकृति खड़ी थी, जो टूटे हुए स्ट्रीट लैंप की छाया में आधी छिपी हुई थी। दुबली-पतली। सिर पर हुड। देख रही थी।

मैं बेफिक्र होकर चलता रहा। बाईं ओर मुड़कर गली में चला गया। बेकरी के पास से गुजरते ही मैं घूमा और अंधेरे में गायब हो गया।

इसके बाद आकृति दिखाई दी।

जब वे गली के मुहाने पर पहुँचे, तो मैंने सक्रियण शब्द फुसफुसाया। मेरा सुरक्षा कवच हमारे बीच कांच के एक टुकड़े की तरह हल्का सा चमक उठा।

“चलो,” मैंने धीरे से कहा। “देखते हैं तुम कौन हो।”

वह आकृति हिचकिचाई, फिर आगे बढ़ी—स्ट्रीटलाइट की रोशनी में।

युवा। लगभग बीस के आसपास। पीला-सा। पिशाच नहीं, उसकी आँखें बिल्कुल इंसानों जैसी थीं। लेकिन उसके कोट पर हल्की चांदी की कढ़ाई थी जिसे मैंने एलायंस के निचले स्तर के फील्ड एजेंटों के कोट पर देखा था।

मैंने उसका चेहरा याद कर लिया था। वह यहाँ शराब पीने नहीं आया था।

उसने एक बार चारों ओर देखा, फिर अंधेरे में गायब हो गया।

मैं वहां दस मिनट और रुका रहा, दिल की धड़कनें गिनता रहा। अपनी। शहर की। दूर से आती आंधी की गूंज।

फिर मैं मुड़ा और चला गया। मैंने उन सभी कारणों को नजरअंदाज करने की कोशिश की जिनकी वजह से मुझे अपना सामान उठाकर शहर से भागना पड़ा।

अध्याय तीन

पेड्रो की दवाइयों की दुकान से गुलाब की खुशबू, सड़ी हुई समुद्री शैवाल और हल्की-सी धातु जैसी गंध आ रही थी—जैसे किसी पुराने सिक्के से खुरचा हुआ खून। बार्सिलोना की सबसे बदबूदार दुकानों में से यह एक तो नहीं थी, लेकिन शीर्ष तीन में शामिल होने की होड़ में ज़रूर थी। फिर भी मुझे पेड्रो पसंद था। वह समय पर भुगतान करता था और सवाल नहीं पूछता था। आमतौर पर।

आज मुझे लगा कि काश उसने कुछ सवाल पूछे होते।

गंदी खिड़कियों से छनकर आती सूरज की रोशनी पानी की बूंदों की तरह अंदर आ रही थी, जो नीची लकड़ी की छत पर टंगी कांच की शीशियों और ताबीज़ों की मालाओं पर पड़ रही थी। जगह हमेशा से ज़्यादा अस्त-व्यस्त लग रही थी, मानो कोई जादुई बवंडर आया हो और सब कुछ गलती से वर्णमाला क्रम में उलट-पुलट कर दिया हो। पेड्रो ने कई साल पहले अपनी दुकान शुरू की थी, जहाँ वह अपने हाथों से बने जादुई काढ़े बेचता था और बाद में उसने ताबीज़, सुरक्षा कवच और अन्य जादुई औज़ार जैसी चीज़ें बेचना भी शुरू कर दिया। बदबू के बावजूद, उसके पास ग्राहकों की कभी कमी नहीं होती थी। मैंने कुछ साल पहले उसे अपने हाथों से बने सुरक्षा कवच देना शुरू किया था और वह उन्हें उन सभी दुकानों से ज़्यादा तेज़ी से बेच लेता था जिनके साथ मैंने काम किया था।

मैं अभी-अभी एक विशेष रूप से तैयार किए गए पेरीमीटर वार्ड को सौंपने के लिए अंदर कदम ही रखा था कि तभी मुझे वह अत्यधिक मीठी आवाज सुनाई दी जिससे मेरे दांत दुखने लगे।

“एम्मा डेंच।” बेशक, मुझे लगातार दो दिन उन्हें देखने का दुर्भाग्य मिला।

वह काउंटर के पास खड़ी थी, अपने नकली चमड़े की जादू की किताब पर करीने से हाथ जोड़े, और पेड्रो को अपने नए 'किफायती सुरक्षा ताबीज' के संग्रह को बेचने के लिए मना रही थी। पेड्रो की भौहें हमेशा की तरह अनिश्चित रूप से फड़क रही थीं, जब उसे कुछ गड़बड़ लगती थी लेकिन वह समझ नहीं पाता था कि क्या गड़बड़ है।

मैंने इतनी ज़ोर से कहा, "एम्मा, अब दिन दहाड़े कचरा बेच रही हो?"

वह मेरी ओर मुड़ी, उसके चेहरे पर एक चौड़ी, बनावटी मुस्कान थी। "वैलेंटीना। तुमसे इतनी जल्दी दोबारा मिलकर मुझे कितनी खुशी हुई। अभी भी गलियों में काम कर रही हो और दिखावा कर रही हो कि तुम सबसे बेहतर हो?"

“कोई दिखावा नहीं। बस बेहतर।”

सजावटी सामान के रैक देख रहे कुछ ग्राहकों ने मेरी तरफ देखा। उनमें से एक, पुराने ज़माने की टी-शर्ट पहने एक उतावले से दिखने वाले जादूगर ने धीमी सी सीटी बजाई। पेड्रो ने मुझे घबराहट भरी नज़र से देखा लेकिन बीच में टोका नहीं। समझदार आदमी!

मैं तीन कदमों में फर्श पार करके रेशमी कपड़े पर रखे एम्मा के एक चमकीले ताबीज को छूकर देखने लगा। ताबीज हल्की लाल रोशनी से जगमगा उठा, जो अनियमित और असमान थी। "इसमें

कुछ गड़बड़ है। अगर कोई इसे चोरी के दौरान इस्तेमाल करे, तो यह घुसपैठिए को नहीं रोकेगा। इससे उनकी रसोई में आग लग जाएगी और शायद उनके बैठक कक्ष में भी।"

एम्मा की मुस्कान फीकी थी। "हर आकर्षण में जोखिम होता है। लोग यह जानते हैं।"

“जब आप उन्हें चेतावनी नहीं देंगे तब नहीं,” मैंने कड़े शब्दों में जवाब दिया।

“वेलेंटीना, इतना गुस्सा होने की ज़रूरत नहीं है। हम सब यहाँ दोस्त हैं। मुझे यकीन है कि एम्मा मुझे खराब दवाइयाँ नहीं बेचेगी,” पेड्रो ने बीच में टोकते हुए माहौल को शांत करने की कोशिश की। उसने वेलेंटीना की ओर मुड़कर कहा, “है ना एम्मा? ये तो सिर्फ़ नमूने हैं, है ना?”

“बिल्कुल,” उसने कहा। उसने उसके हाथ पर हाथ रखा। “मैं तुम्हें कभी भी बेकार हो चुके मरीज़ों को बेचकर अपने रिश्ते को खतरे में नहीं डालूंगी।”

पेड्रो का सीना फूल गया, वह एम्मा के नखरे में आ गया। एम्मा मुस्कुराई।

“सच में? कल ही तो मुझे श्रीमती गिलमोर के घर को उड़ाने से रोकने के लिए एक सुरक्षा कवच को निष्क्रिय करना पड़ा था। यह सुरक्षा कवच इसी दुकान से बेचा गया था। अचानक मुझे लगता है कि मैं जानता हूँ कि यह कवच किसने सप्लाई किया था।”

“अरे नहीं, वैलेंटिना, तुम इस तरह के आरोप नहीं लगा सकतीं। तुम्हें नहीं पता कि वो वार्ड मेरी दुकान से बेचा गया था। मैंने श्रीमती गिलमोर को महीनों से नहीं देखा है। सालों से!” पेड्रो की नज़रें चारों ओर घूम रही थीं, मानो ग्राहकों के सामने स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा हो।

मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी और एम्मा को घूरते हुए कहा, "तुम नासमझ लोगों को टूटे-फूटे सामान बेच रहे हो। अगर ऐसा करते रहे तो किसी की जान जाएगी। या इससे भी बुरा, कोई तुम्हें इसके लिए मार डालेगा।"

पीछे के कोने से आहें गूंज उठीं, जिससे मेरा ध्यान उस ओर गया। नीले बालों वाली एक युवती ने अपने हाथ में पकड़ा ताबीज़ गिरा दिया। वह टाइल वाले फर्श पर गिरा और लुढ़ककर एक शेल्फ के नीचे चला गया। दो अन्य चुड़ैलें मुझे घूरने लगीं। छड़ी पकड़े एक महिला ने भौंहें चढ़ाईं। फटे-पुराने लबादे में एक दुबला-पतला आदमी माथे पर शिकन लिए आगे बढ़ा। “वह अपनी पूरी कोशिश कर रही है। हम सब तुम्हारे बनाए ताबीज़ नहीं खरीद सकते, तुम्हें पता है। हममें से कुछ को जो मिलता है, उसी से संतोष करना पड़ता है।”

मैंने उसकी ओर पलटवार किया। “वह तुम्हें कोई रियायत नहीं दे रही है। वह जादुई कागज़ में लिपटा हुआ झांसा बेच रही है। वह ताबीज़ जो तुमने पकड़ रखा है? वह तुम्हारी सुरक्षा रेखा तोड़कर तुम्हारे घर को जला सकता था।”

उसका चेहरा लाल हो गया और उसने अपने हाथ में मौजूद ताबीज को ऐसे देखा जैसे उसमें अभी-अभी नुकीले दांत उग आए हों।

“मैंने इस महीने बहुत सारे दोषपूर्ण वार्डों की मरम्मत की है। मैंने उन वार्डों से खून साफ किया है जहाँ किसी की जान बचाई जा सकती थी। अगर आपको लगता है कि यह सिर्फ कीमत का मामला है, तो आप गलत समझ रहे हैं।”

एम्मा ने अपनी आवाज़ इतनी ऊंची की कि उसकी बात सुनी जा सके। "लोगों को विकल्प मिलने चाहिए।"

मैंने गुस्से से कहा, "वे सुरक्षा के हकदार हैं, भ्रम के नहीं।"
पेड्रो ने गला साफ करते हुए हाथ ऊपर उठाए। "देवियों, शायद हम..."
“इससे दूर रहो, पेड्रो,” हमने एक साथ कहा। उसने अपने हाथ नीचे कर लिए।
एम्मा ने अत्यंत शांत भाव से अपना सामान समेटा और अपने कपड़ों को मखमली बक्से में कीमती रत्नों की तरह समेट लिया। "हम फिर मिलेंगे, वैलेंटिना। और अगली बार, यह इतना सार्वजनिक नहीं होगा।"
मैंने हाथ मोड़ते हुए कहा, "मुझे इसी की उम्मीद है।"
जैसे ही वह बाहर निकली, दरवाजे की घंटी बजी, और उसके पीछे तनाव ऐसे घुल गया जैसे इत्र की खुशबू।
मैंने उसकी ओर मुड़कर पूछा, "क्या श्रीमती गिलमोर के सुरक्षा वार्ड में रखा गया व्यक्ति उन्हीं में से एक था?"
“हां,” पेड्रो ने आह भरी।
"क्या आप वाकई में उसका और घटिया सामान खरीदने वाले हैं?"
“नहीं, मुझे नहीं लगता, खासकर तब जब आपने सभी ग्राहकों के सामने उस पर इतने जोर से आरोप लगाए हों।” पेड्रो ने कहा।
मैंने आंखें सिकोड़ लीं। “यह अनैतिक है। ग्राहकों के प्रति आपकी जिम्मेदारी है।”
“मुझे अपने परिवार का पेट पालने की भी ज़िम्मेदारी निभानी है,” पेड्रो ने नरमी से कहा। “अब कस्टम वार्ड मुझे दे दो और चलो तुम्हें पैसे देकर यहाँ से निकाल देते हैं, इससे पहले कि मैं और ग्राहक खो दूँ।”

दिन की मेरी दूसरी डिलीवरी मुझे शहर के उस पार ले गई, जहाँ गॉथिक क्वार्टर की विशाल पत्थर की इमारतें थीं और प्लाज़ा नोवा के पीछे रोमन दीवारों के पास का शांत और रहस्यमय इलाका था। सूरज क्षितिज के नीचे डूब चुका था, जिससे प्लाज़ा पर सुनहरी किरणें पड़ रही थीं और गलियाँ हल्के बैंगनी रंग के धुंध में डूबी हुई थीं।
डोरियन का टाउनहाउस पेड्रो की दुकान से बिलकुल अलग था। हर सतह चमक रही थी। हवा में बरगामोट और पुराने चमड़े की हल्की सी खुशबू फैली हुई थी, जो मेरे गले में अटक गई थी।
वह अपने दफ्तर में संगमरमर की चिमनी के पास बैठे इंतज़ार कर रहे थे, उनके हाथ में एक गिलास में कुछ ऐसा था जो बहुत गाढ़ा और लाल था, शराब जैसा नहीं लग रहा था। उन्होंने गहरे रंग का सूट पहना हुआ था, जिसकी कीमत शायद मेरे पूरे कपड़ों के सेट से भी ज़्यादा थी, और ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी फैशन शो से उतरे हों। उनकी उम्र इतनी थी कि दिन के उजाले को सहन कर सकें, भले ही दिन का उजाला न सह सकें। खिड़कियों पर शटर लगे थे और भारी पर्दे खींचे हुए थे ताकि गलती से भी कोई अंदर न आ सके।
“वैलेंटिना,” उसने सहजता से कहा। “हमेशा की तरह समय की पाबंद।”
“जैसा कि आपका भुगतान था। वह परिधि सुरक्षा कवच जिसकी आपने मांग की थी,” मैंने सादे भूरे कागज में लिपटे हुए रनस्टोन को सौंपते हुए कहा।

उन्होंने श्रद्धापूर्वक सिर हिलाते हुए उसे स्वीकार किया और उसे अपनी उंगलियों के बीच ऐसे घुमाया जैसे वह कोई पवित्र वस्तु हो। “इससे हमारे दहलीज पर शांति बनी रहेगी। घर आजकल...काफी लोकप्रिय हो गया है।”

“अमर लोगों का फैन क्लब?” मैंने चुटकी ली।

डोरियन ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, "कुछ ऐसा ही। हाउस कोरविनी आपके काम से प्रभावित हुए हैं। वे आपके साथ एक औपचारिक संबंध स्थापित करना चाहते हैं।"

मैंने इनकार करते हुए अपना सर हिलाया।"

उनकी मुस्कान फीकी पड़ गई। "यह तो बहुत जल्दी हो गया।"

“मैं राजनीति में दखल नहीं देता। और मैं पिशाचों की परिषदों के लिए काम नहीं करता।” हालाँकि मेरे कई पिशाच ग्राहक थे, मैंने किसी भी आधिकारिक काम से बचने की कोशिश की। किसी भी पिशाच वंश के साथ आधिकारिक तौर पर काम करने का मतलब था कि मैं तुरंत किसी न किसी वंश से जुड़ जाता। पिशाच समुदाय में मेरी तटस्थता भंग हो जाती। पिशाचों से मुझे पहले ही बहुत परेशानियाँ थीं। मुझे और परेशानियाँ नहीं चाहिए थीं।

“यह राजनीति नहीं होगी। बस...सुरक्षा का काम होगा। परामर्श। कभी-कभार किसी विशेष वार्ड में जाना होगा।”

मैंने उसकी आँखों में देखा। "मैं बहुत खुश हूँ। फिर भी नहीं।"

उसने अपना सिर झुकाया। “तुमने दुश्मन बना लिए हैं, वैलेंटिना। हमारे साथ जुड़ने से तुम्हें एक तरह की...सुरक्षा मिलेगी।”

“मुझे पता है आपके इंसुलेशन का कितना खर्चा आता है।” मैंने पहले भी इसका खामियाजा भुगता है। अब कभी नहीं।

हमारे बीच काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। उसने एक बार सिर हिलाया, फिर उस वस्तु को एक छोटे से काले पत्थर के डिब्बे में रख दिया।

“हम आपका नाम रिकॉर्ड में दर्ज रखेंगे। एहतियात के तौर पर।”

"नहीं।"

उसके जवाब देने से पहले ही मैं वहां से चला गया।

जब मैं गोथिक क्वार्टर के किनारे पहुँचा, तब तक गोधूलि बेला पूरी तरह से आसमान में छा चुकी थी। सड़क की बत्तियाँ एक-एक करके जलने लगीं, जिससे पत्थरों पर सुनहरी रोशनी की छटा बिखरने लगी। हवा में भुने हुए शाहबलूत और समुद्र की महक फैली हुई थी।

मैं पूर्व दिशा की ओर चल रहा था, पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच से रास्ता बनाते हुए, तभी मुझे कदमों की एक ऐसी लय सुनाई दी जो वहां की नहीं थी। न जल्दबाजी वाली, न धीमी। बस... कुछ अलग सी।

पहले तो मैंने इसे नजरअंदाज कर दिया। कोई भी हो सकता था।

लेकिन जब मैं एक सुनसान गली में मुड़ा, तो वह एहसास दूर नहीं हुआ। मेरे गर्दन के बाल खड़े हो गए, और मेरी कमीज़ के नीचे लटकी हुई वार्ड की अंगूठी एक बार हल्की सी, चेतावनी भरी

आवाज़ में धड़की।
मैं कैरर डेल बिस्बे के पास एक अंधेरी गली में घुस गया और इंतजार करने लगा।
दस सेकंड बाद, भीड़ में से एक आदमी निकला। छोटे काले बाल, पीली त्वचा और एक ऐसा कोट जो उस गर्म शाम के लिए बहुत भारी था। उसके कदम बहुत सधे हुए थे। उसकी आँखें गली में ऐसे घूम रही थीं मानो उसे उम्मीद हो कि मैं गायब हो जाऊँगी।
उसने मुझे नहीं देखा। अभी तक तो नहीं।
मैंने अपनी सांस रोक ली।
वह गली के मुहाने पर रुका। उसने बाईं ओर देखा, फिर दाईं ओर। फिर वह आगे चलने लगा।
मैंने एक और पूरा मिनट इंतजार किया, शहर की लय को सुनते हुए। मेरे दिल की धड़कन। दूर से आती ट्राम की भनभनाहट। पास के एक कैफे से आती हंसी की आवाज।
जब मैं आखिरकार रोशनी में वापस आया, तो सड़क खाली थी।
लेकिन वार्ड पेंडेंट अभी भी मेरी छाती पर धड़क रहा था।
मेरा पीछा किया जा रहा था। फिर से।

चौथा अध्याय

मिगुएल की दुकान एक ड्राई क्लीनर और एक शापित प्राचीन वस्तुओं की दुकान के बीच में स्थित थी, जिसकी पहचान केवल एक टिमटिमाते हुए बोर्ड से होती थी जिसकी गूंज अंदर की बातचीत से भी तेज थी। यह उन लोगों के लिए एक मोहल्ले की जगह थी जो कहीं और फिट नहीं होते थे, यहाँ से गुजरने वाले पिशाच, ऐसे आकार बदलने वाले जीव जिन्होंने किसी समूह के प्रति निष्ठा नहीं दिखाई थी, भागती हुई जादूगरनियाँ और एक बेहद थकी हुई रक्षक-निर्माता जो अपने अतीत से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रही थी।

मैंने दरवाजा धकेल कर अंदर प्रवेश किया और तुरंत ही लहसुन, नींबू और किसी कैरेमल जैसी जानी-पहचानी खुशबू ने मेरा स्वागत किया, जिससे मेरे पेट में गुड़गुड़ाहट होने लगी। रोशनी धीमी थी, संगीत हल्का और जैज़ जैसा था, और ग्राहक इतने अजीब थे कि माहौल सहज लग रहा था। मेरे अंदर कदम रखते ही केके ने मुझे देख लिया।

“हे, रेड,” उसने बार के पीछे से हाथ हिलाते हुए पुकारा। उसकी काली चोटियाँ मुकुट की तरह बंधी थीं और उसका सुनहरा आईलाइनर किसी चिंगारी की तरह चमक रहा था। उसने बिना देखे ही गिलास में कोई चमकीला पेय डाला। “रात अच्छी नहीं गुज़री?”

मैं स्टूल पर धराशायी हो गया। "मैंने एक धोखेबाज पर चिल्लाया, एक वैम्पायर की नौकरी ठुकरा दी, और गॉथिक क्वार्टर के आधे रास्ते तक मेरा पीछा किया गया।"

"तो एक सामान्य मंगलवार।"

मुझे लगने लगा है कि बार्सिलोना मुझे जान से मारना चाहता है।

"प्रियतम," केके ने मुझे एक गिलास देते हुए कहा, "बार्सिलोना सबको मारना चाहता है। इसीलिए यहाँ के पेय इतने स्ट्रॉन्ग हैं।"

मैंने एक गहरी घूंट ली और उस गर्माहट को अपने सीने में फैलने दिया। केके उन कुछ लोगों में से एक थी जो मेरे जादू से घबराती नहीं थी और न ही बहुत ज्यादा पूछताछ करती थी। शायद इसीलिए मैंने उसे अभी तक दूर नहीं भगाया था।

मैंने पूछा, "क्या तुम्हें कुछ पता चला? वार्ड में अचानक हुई बढ़ोतरी या किसी तरह की प्रतिक्रिया के बारे में? कोई घटिया और अस्थिर सामान बेच रहा है, और उसका असर दिख रहा है।"

“ओह हनी,” केके ने झुककर कहा, उसकी आँखों में चमक थी। “तुम्हें पता है, मैं सब सुन लेती हूँ। लोग अस्थिर वार्डों के बारे में फुसफुसाते हैं, मोंटजुइक के पास बिजली के अचानक बढ़ने की बातें करते हैं, यहाँ तक कि परिषद द्वारा नश्वर राजनीति में दखल देने की अफवाहें भी। और सुनो —किसी ने कहा कि पिछले हफ्ते ग्रासिया के एक क्लब के बाहर एक चुड़ैल अनुष्ठान के दौरान आग की चपेट में आ गई।”

मैं चौंक गया। "कोई नाम पता है?"

“वे किसी को भी स्वीकार नहीं करते। बस कानाफूसी होती है। इस कस्बे की यही खासियत है। दीवारें बोलती नहीं हैं, लेकिन परछाइयाँ किसी अंत्येष्टि में बैठी बूढ़ी चाचियों की तरह गपशप

करती हैं।"

मैं अनजाने में ही मुस्कुरा दी। मैं पीछे झुक गई, बार की खनकती आवाज़ और हल्की फुसफुसाहट को अपने ऊपर हावी होने दिया। ऐसे ही पल मुझे यह भुला देते थे कि मैं हर चीज़ से भाग रही थी, कि सालों से मेरा कोई सच्चा दोस्त नहीं था क्योंकि भरोसा करने का मतलब था पर्दाफाश होना। और पर्दाफाश होने का मतलब था मौत।

केके ने बार पर दो बार टैप किया। "अगर तुम उसी के बारे में बात कर रहे हो जिसके बारे में मैं सोच रही हूँ, तो तुम्हें शायद पता होना चाहिए कि वह आज रात यहाँ है।"

मेरा पेट बैठ गया। "कौन?"

"एम्मा डेंच। कोने वाला बूथ। वीआईपी ट्रीटमेंट।"

बिल्कुल।

मैंने अपने पेय में आह भरी। "मैं इस औरत से बच नहीं सकता।"

केके हंस पड़ी। "शायद वह तुम्हारी कर्मिक जुड़वां है।"

"अगर वो मेरी जुड़वा बहन है, तो हममें से किसी एक को शैतानों ने गोद लिया है।" मैंने आह भरी और खड़ी हो गई। "मैं अपनी हमेशा वाली जगह पर रहूंगी। मुझे थोड़ा आराम करने दीजिए, फिर मैं दिखावा करूंगी कि मैं सामाजिक हूं।"

"अपने आप को बाहर करना।"

मैं मेजों के बीच से रास्ता बनाते हुए उस बूथ की ओर बढ़ा, जहाँ मैं हमेशा जाता था - पीछे की दीवार के बाईं ओर, आग से निकलने वाले निकास द्वार के पास। अनुमान के मुताबिक, लेकिन उचित ठहराया जा सकता है। एक ऐसी आदत जिसे मुझे छोड़ देना चाहिए था, लेकिन कभी छोड़ नहीं पाया।

लेकिन इस बार, वहां पहले से ही कोई मौजूद था।

एम्मा डेंच।

पहले तो मुझे लगा कि वह सो रही है। सिर थोड़ा एक तरफ झुका हुआ था, हाथ गोद में मुड़े हुए थे, और उसकी मखमली जादू की किताब उसके बिना छुए पेय के बगल में रखी थी। उसके बाल इतने सलीके से संवारे हुए थे कि किसी आराम से लेटे हुए व्यक्ति के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं था।

मेरी रीढ़ की हड्डी में एक ठंडी सी सिहरन दौड़ गई।

मैं उसके करीब गया। उसकी छाती में कोई हलचल नहीं हुई।

"एम्मा?" मैंने कहा।

कोई जबाव नहीं।

मैं धीरे-धीरे मेज के चारों ओर घूमी, हर कदम के साथ मेरा डर और गहराता जा रहा था। उसके होंठ हल्के से खुले थे, नाक से खून की एक हल्की सी लकीर बह रही थी। उसकी आँखें मुझे घूर रही थीं, चौड़ी और बेजान।

"एम्मा," मैंने फिर फुसफुसाते हुए कहा, इस बार और भी धीमी आवाज़ में... ऐसा नहीं हो सकता। एम्मा मरी नहीं थी।

मेरे पीछे एक परछाई हिली। केके की आवाज ने सन्नाटा तोड़ दिया।
“अरे नहीं,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “क्या वह...?”
मैंने एक बार सिर हिलाया। "हाँ।"
केके मुड़ी और गायब हो गई। मेरे दिमाग में तरह-तरह के विचार उमड़ रहे थे। मैंने एम्मा और उसके आसपास की हर चीज़ को ध्यान से देखा, इस बात का पूरा ध्यान रखते हुए कि मैं उसके पास न जाऊं और न ही किसी चीज़ को छूऊं। यह साफ़ था कि मौत स्वाभाविक नहीं थी। मेरे पीछे से किसी ने पुकारा, "एम्मा!" और कुछ ज़मीन पर गिर पड़ा। मैं मुड़ी तो देखा कि ज़मीन पर एक छड़ी पड़ी है, और एक महिला सदमे से आँखें फाड़कर अपना हाथ मुँह पर रखे खड़ी है।
“तुमने क्या किया? तुमने उसे मार डाला!” उसने द्वेष से भरी आँखों से मुझ पर आरोप लगाया।
“ये मैं नहीं थी,” मैंने कहा। घबराहट मेरे पूरे शरीर में दौड़ गई। मेरे पास इसे साबित करने का कोई तरीका नहीं था।
"बेशक उसने ऐसा नहीं किया," केके ने झल्लाते हुए कहा और मेरी तरफ वापस आ गई।
मैंने उसे कृतज्ञता भरी नज़र से देखा। मैं कुछ मिनटों के लिए उससे दूर चला गया था। उसके पास इसे साबित करने का कोई तरीका नहीं था। मेरी चिंता बढ़ गई।
अगले पांच मिनट धुंधले से बीत गए। मैं तब तक खड़ा रहा जब तक एलायंस के एजेंट नहीं आ गए।
वे परछाइयों की तरह चलते थे, चिकने सूट, चांदी के पिन, ऐसी आंखें जो पलकें भी कम झपकाती थीं। उन्होंने कमरे को मंत्रों और ठंडे तिरस्कार से भर दिया।
उनमें से एक ने पूछा, "नाम?"
मैंने अनायास ही कहा, "वैलेंटिना सैन्ज़।"
उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "आज सुबह आपको मृतक के साथ बहस करते हुए देखा गया था।"
“हाँ। वह खतरनाक जादू बेच रही थी।” मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्हें इतनी जल्दी कैसे पता चल गया। उन्हें जल्द ही पता चल जाएगा कि मैं सच कह रही थी।
हम इस बात को ध्यान में रखेंगे।
एक अन्य एजेंट ने एक क्रिस्टल को छुआ। “उस पर निशान लगा हुआ है। रूनिक अवशेष दो अन्य अस्थिर स्थलों पर पाए गए सुरक्षा चिह्नों से मेल खाते हैं।”
मैंने तर्क दिया, "यह असंभव है।"
मेरे वाक्य पूरा होने से पहले ही हथकड़ी मेरे हाथों में थी। जादुई रूप से नमी सोखने वाली, ठंडी लोहे की परत वाली।
"जादुई उपकरणों से छेड़छाड़, बिना लाइसेंस के वार्ड की बिक्री और हत्या के संदेह में आपके खिलाफ जांच चल रही है।"
केके आगे बढ़ी। “उसने ऐसा नहीं किया! वैल हत्यारा नहीं है!”
“मैडम, कृपया पीछे ही रहें।”
वे मुझे दरवाजे की ओर खींच ले गए।
जैसे ही मैंने दहलीज पार की, मैंने एक बार पीछे मुड़कर देखा। केके अभी भी देख रही थी।

उसका चेहरा भयभीत था, हाथ मुट्ठी की तरह उसके बगल में कसे हुए थे।
मैंने कुछ नहीं कहा।
मैं क्या कह सकता हूँ?
मैंने एम्मा डेंच को नहीं मारा था।
लेकिन जो वार्ड मैं बनाता था, शायद उनमें कुछ खास बात हो सकती थी।
और वह स्थिति लगभग बदतर थी।

अध्याय पाँच

एलायंस किसी आलीशान इमारत या भव्य महल से अपना काम नहीं चलाता था। नहीं, बार्सिलोना में उनका मुख्यालय एक गुप्त इमारत में स्थित था। इमारत पर ऐसे जादुई आवरण थे जो उनके कर्मचारियों से भी पुराने थे। वह स्थान शक्ति और गोपनीयता से भरा हुआ था। यह वह जगह थी जिससे मैं हर कीमत पर बचता रहा था और अब मुझे हथकड़ी पहनाकर वहाँ ले जाया जा रहा था।

पत्थर की दीवारों वाला पूछताछ कक्ष ज़रूरत से ज़्यादा ठंडा था, मानो जानबूझकर असहज किया जा रहा हो। उसमें नमक और ऋषि की हल्की सी खुशबू थी, और ऊपर की बत्तियाँ ऐसे टिमटिमा रही थीं मानो वे तय कर रही हों कि मुझसे भी पूछताछ करनी है या नहीं। ठंडी लोहे की हथकड़ियों से मेरी कलाइयाँ खुजली कर रही थीं, और जादू को दबाने वाला क्षेत्र मेरी त्वचा पर एक दूसरे, बेमेल शरीर की तरह दबाव डाल रहा था। इसने सब कुछ शांत कर दिया था, मेरे सुरक्षा कवच, मेरी इंद्रियाँ, यहाँ तक कि वह छोटी सी सहज प्रवृत्ति भी जो आमतौर पर तब सुनाई देती थी जब मुझसे झूठ बोला जा रहा होता था।

मेरे सामने स्लेटी-धूसर रंग के सूट और तार के फ्रेम वाले चश्मे पहने एक एजेंट बैठा था। गहरी आँखें, छोटे-छोटे बाल, उसके पूरे शरीर पर एक भी बाल बिखरा हुआ नहीं था। उसका व्यक्तित्व पूरी तरह नियंत्रित था, लेकिन मैं उसकी आभा को अपनी ओर ऐसे छू रही थी जैसे कोई धारदार हथियार मेरी कमजोरी को परख रहा हो। वह व्यवस्थित, सटीक और फालतू की बातों में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं रखता था।

उसके बगल में एक कहीं अधिक खतरनाक व्यक्ति खड़ा था।

पहले से कम उम्र का, ज़्यादा तेज़, और थोड़ा अस्त-व्यस्त। उसके गहरे भूरे बाल इतने लंबे थे कि कॉलर पर हल्के से मुड़ रहे थे। उसकी जैकेट खुली लटकी थी, टाई ढीली थी, कमीज़ कोहनियों तक मोड़ा हुआ था, मानो उसे किसी ज़्यादा दिलचस्प काम से खींचकर लाया गया हो और वह इससे नाराज़ हो। वह दीवार से ऐसे टिका हुआ था जैसे वह उसी की हो, बाहें क्रॉस किए हुए और चेहरे पर कोई भाव नहीं था।

पहले एजेंट ने मेज पर एक फाइल रखी। “वैलेंटिना सैन्ज़। चुड़ैल। कस्टम वार्ड्स में माहिर। एलायंस के साथ कोई औपचारिक पंजीकरण नहीं। किसी ज्ञात कोवेन्ट से संबद्धता नहीं। कोई सत्यापित वंश नहीं।”

मैंने कंधे उचका दिए। "यह सब सही है। मैं फ्रीलांस काम करता हूँ।"

उसने फाइल पर टैप किया। “हमने आपके दस्तावेज़ों को पाँच क्रॉस-रेफरेंस सिस्टम से जांचा। छह साल पहले तक आपकी पहचान का कोई सत्यापित आधार नहीं है।”

मैंने अपने चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दिया। "आग में मेरा सब कुछ जलकर राख हो गया।"

"सुविधाजनक।"

“दर्दनाक,” मैंने सुधार किया। मैं झूठ नहीं बोल रही थी। अपने अतीत से भागना और एक नई

पहचान बनाना वाकई दर्दनाक था। पिछले तीन सालों से मैं इस डर में जी रही थी कि कोई मुझे ढूंढ लेगा और वापस खींच लाएगा।
दूसरे एजेंट ने हंसी और उपहास के बीच की एक हल्की सी आवाज निकाली। "तुम अच्छे हो।"
उसके साथी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। "तुमने इस स्तर पर वार्डक्राफ्ट कहाँ से सीखा?"
मैंने नजरें मिलाए रखते हुए कहा, "अभ्यास करो।"
"यह कोई जवाब नहीं है।"
"आपको बस यही एक मिलेगा।"
दूसरे एजेंट ने आखिरकार फिर से बोलना शुरू किया, उसकी आवाज़ खुरदरी और मखमली थी। "जानते हो, अगर मुझे हर उस चुड़ैल के लिए क्रेडिट मिलता जो खुद को स्व-शिक्षित होने का दावा करती है, तो मैं मेजरका में आराम से रिटायर हो सकता था।"
“ईर्ष्या?” मैंने पूछा।
उसने अपना सिर झुकाया और किसी रहस्य को छुपाने वाले भेड़िये की तरह मुस्कुराया। "जिज्ञासापूर्ण।"
पहले एजेंट ने झुंझलाहट भरे लहजे में अपनी बात जारी रखी। "मृतक के पास मिले सुरक्षा कवच पिछले महीने हुई दो अन्य जादुई घटनाओं में मौजूद एक निशान से मेल खाते हैं।"
मैं आगे झुक गया, आँखें सिकोड़ते हुए। "तो आपके सबूत बताते हैं कि मैं इतना लापरवाह हूँ कि अपराध स्थल पर अपनी ही जादुई उंगलियों के निशान का इस्तेमाल कर सकता हूँ, और इतना कुशल हूँ कि ऐसा करते समय आपके ज्योतिषियों को भी धोखा दे सकता हूँ?"
दूसरे एजेंट ने धीरे से हंसते हुए कहा, "उसकी बात में दम है।"
पहले वाले ने उसे घूरकर देखा। "एजेंट डेंच—"
डेन्च। बिल्कुल।
“क्या वह एम्मा से संबंधित है?” मैंने पूछा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "चचेरी बहन। मुझे वो पसंद नहीं थी। चिंता मत करो, मैंने खुद को जांच से अलग कर लिया है।"
पहले एजेंट ने अपनी नाक के ऊपरी हिस्से को दबाया। "तुम यहाँ हो ही क्यों?"
“निरीक्षण करने के लिए,” डेंच ने मासूमियत से कहा। फिर उन्होंने मेरी तरफ देखा। “और शायद उस महिला के बारे में कुछ अंदाज़ा लगा सकूँ जिसके बारे में हर कोई कानाफूसी कर रहा है।”
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या आपको वो मिल गया जिसके लिए आप आए थे?"
उनकी मुस्कान धीरे-धीरे और सधी हुई सी हो गई। "अभी नहीं। लेकिन मुझे इसमें दिलचस्पी है।"
हमारे बीच एक पल का अंतराल बीता, कुछ तनावपूर्ण और अप्रत्याशित सा। मुझे अपनी धड़कन में बदलाव महसूस हुआ, अचानक मुझे उसमें दिलचस्पी होने लगी, जिससे मुझे झुंझलाहट हुई।
पहले एजेंट ने गला साफ किया। "हमें यह मज़ाक पसंद नहीं आया, सुश्री सैन्ज़। यह गंभीर मामला है।"
मैंने पीछे झुकते हुए कहा, "मैं भी यही सोच रहा हूँ। खोजते रहो। शायद तुम्हें कुछ असली चीज़ मिल जाए, बजाय इसके कि तुम धुएँ और भ्रम में समय बर्बाद करो।"

डेन्च मुझे ऐसे देख रहा था जैसे वह धुएं के पार देख रहा हो। और शायद वह देख भी रहा था।
दो घंटे बाद उन्होंने मुझे छोड़ दिया। इसलिए नहीं कि उन्हें मुझ पर विश्वास था, बल्कि इसलिए कि वे मुझे हिरासत में नहीं रख सकते थे। कोई आरोप नहीं, कोई वारंट नहीं। बस शक की बदबू मेरे कोट से चिपकी हुई थी।
सादे कपड़ों में एक एजेंट इमारत से बाहर निकलते ही मेरे पीछे-पीछे आया और पांच ब्लॉक तक मेरा पीछा करता रहा, फिर मेट्रो बदलते समय मैं उससे बच निकला। बिलकुल अनाड़ी!
फिर भी, बेचैनी बनी रही। उनकी नज़र में होना सिर्फ़ असहज ही नहीं, बल्कि खतरनाक भी था। एलायंस को आपकी ज़िंदगी बर्बाद करने के लिए किसी दृढ़ विश्वास की ज़रूरत नहीं थी। बस एक फुसफुसाहट भरी अफवाह, जो सही लोगों तक पहुँच जाए, काफ़ी थी।
मुझे नींद से ज़्यादा जवाबों की ज़रूरत थी, इसलिए मैं मिगुएल के घर की ओर वापस चल पड़ा। हत्या बहुत जल्दी और बहुत ही साफ़ तरीके से हुई थी। और मैं इस भावना को अपने दिमाग से निकाल नहीं पा रहा था कि एम्मा की मौत सिर्फ़ बुरी जादूगरी के बारे में नहीं थी, बल्कि एक संदेश देने के बारे में थी।
जब मैं बार लौटा, तब तक उसे जादुई सुरक्षा कवच और टेप से घेर लिया गया था, जो चांदनी में लाल रंग से चमक रहा था। भीड़ कम हो गई थी, लेकिन आसपास कई अलौकिक शक्तियां मौजूद थीं। मैं घेरा तोड़ते हुए इमारत के पीछे वाली गली में घुस गया, जहाँ सामान आता-जाता था। सुरक्षा मंत्र साधारण थे, शायद एलायंस द्वारा जारी किए गए थे, जिन्हें कनिष्ठ एजेंटों ने लगाया था, जिन्होंने मेरे जैसे अनुभवी व्यक्ति के यहाँ आने की उम्मीद नहीं की थी।
मैंने कुछ बुनियादी मंत्र पढ़े और रसोई में प्रवेश किया। मैं सावधानी से आगे बढ़ा, और उस बूथ की ओर वापस गया जहाँ एम्मा बैठी थी। उसका शरीर तो गायब था, लेकिन मृत्यु का साया धुएँ की तरह उस जगह पर छाया हुआ था। मैं मेज के पास झुककर बैठ गया, मेरी उंगलियाँ ज़मीन को छू रही थीं।
तभी मैंने इसे देखा।
मुश्किल से दिखाई देने वाला, फर्श की पट्टियों के बीच बस एक हल्का सा झुलसा हुआ निशान, उस जगह की लकड़ी पर बना हुआ जहाँ उसकी कुर्सी रखी थी। एक प्रतीक चिन्ह।
पुराना। जटिल। छुपाने के लिए बनाया गया।
मैंने जादुई प्रभाव को बढ़ाने के लिए एक मंत्र बुदबुदाया। रेखाएँ मंद बैंगनी रंग में चमक उठीं, सर्पिल की तरह अंदर की ओर मुड़ती हुई, और उनके चारों ओर ऐसी अस्पष्ट लिपि लिखी हुई थी जिसे मैं पहचान नहीं सका।
यह निश्चित रूप से एम्मा का काम नहीं है।
और यह मेरा भी नहीं था।
मैं धीरे-धीरे खड़ा हुआ, दिल ज़ोर से धड़क रहा था। जिसने भी यह किया था, वह इसे लापरवाही से की गई सुरक्षा व्यवस्था जैसा दिखाना चाहता था। लेकिन यह... यह तो एकदम सटीक था।
और इससे सबसे बुरा सवाल खड़ा हो गया, आखिर कौन एम्मा को मरा हुआ देखना चाहेगा?
हाँ, वो लालची थी। लापरवाह भी। एक झूठी जिसने अपने आकर्षण को मखमली आवरण में

लपेटकर सत्ता को मिठाई की तरह बेचा, लेकिन वो मूर्ख नहीं थी। एम्मा जानती थी कि किससे पंगा नहीं लेना चाहिए, और वो कभी किसी को नाराज़ नहीं करती थी जब तक कि वो रिश्वत या धूर्तता से अपना पक्ष वापस न ले ले। इसका मतलब था कि यह कोई व्यापारिक झगड़ा नहीं था जो बिगड़ गया। ये व्यक्तिगत मामला था।

हो सकता है कि उसके किसी ग्राहक ने आखिरकार उसके किसी दोषपूर्ण शिष्य की कीमत चुका दी हो और उसने भी वैसा ही करने का फैसला किया हो। या हो सकता है कि उसने गलत खरीदार को बेच दिया हो, जिसे वह समझती थी कि वह संभाल सकती है लेकिन संभाल नहीं पाई। कोई ऐसा व्यक्ति जो न केवल उसे हटाना चाहता था, बल्कि उसकी जगह कोई संदेश भी छोड़ना चाहता था।

फिर, यह पिशाच भी हो सकते थे। राजनीतिक किस्म के पिशाच। वे जिन्हें शोर पसंद नहीं था, खासकर उन चुड़ैलों से जो मान्यता प्राप्त या वफादार नहीं थीं।

लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा परेशान कर रही थी, वह यह विचार था कि यह प्रतीक चिन्ह, जिस तरह से इसे इतनी गहराई में छिपाया गया था कि यह किसी की नजर में न आए, केवल एलेना को चुप कराने के बारे में नहीं था।

यह मेरे खिलाफ उंगली उठाने जैसा था।

शायद एक चेतावनी। या फिर एक परिचय पत्र।

दोनों ही स्थिति में, मुझे फंसाने के लिए किसी ने काफी मशक्कत की थी।

और मैं सीधे उनके खेल में शामिल हो गया था।

अध्याय छह

मैं घर नहीं गया। मैं उस एकमात्र जगह पर गया जहाँ मुझे पता था कि पिशाच मुझे देख रहे होंगे। हाउस कोरविनी की बार्सिलोना स्थित जागीर एक आलीशान हवेली से कहीं अधिक एक पुनर्निर्मित महल जैसी थी। यह शहर के ऊपर एक मुकुट की तरह विराजमान थी, प्राचीन पत्थरों को आधुनिक आकर्षणों से सजाया गया था। हवा में खून और चमेली की महक फैली हुई थी। गार्गोयल्स हर हलचल पर नज़र रखते थे। इससे मैं थोड़ा संशय में पड़ गया। सब जानते थे कि गार्गोयल्स सबसे बड़े गपशप करने वाले होते हैं। मुझे नहीं लगता था कि हाउस कोरविनी चाहेगा कि उनके व्यवसाय या आगंतुकों के बारे में कोई बात करे। मैंने मन ही मन सोचा कि क्या गार्गोयल्स गोपनीयता समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। मैं सावधानी से द्वार की ओर बढ़ा।

मैंने अभी-अभी मुख्य रास्ते पर कदम रखा ही था कि मेरे सामने दो पिशाच रक्षक प्रकट हो गए। उनके सूट काले थे, उनकी आँखें लाल घेरे वाली थीं। एक ने सूंघा और मुँह बनाया। "चुड़ैल।"

“क्लॉड को बता देना कि मैं यहाँ हूँ।” जहाँ तक मुझे पता था, क्लॉड कोरविनी सदन के प्रमुख थे। अगर कोई प्रस्ताव आता, तो मैं सीधे उन्हीं से बात करता, किसी और से नहीं।

"आखिरकार," उनके पीछे से एक धीमी आवाज़ आई। क्लाउड खुद मेहराब के नीचे, बाहें मोड़े खड़ा था। "तुम हमारे प्रस्ताव को टालते रहे। मुझे पता था कि तुम्हें अक्ल आ जाएगी।"

वह वैसा नहीं था जैसा मैंने सोचा था। वह अब तक मिले सबसे लंबे पिशाचों में से एक था। उसकी गहरी आँखें मानो मेरे मन की बात पढ़ लेती थीं। पिशाचों की घूरती निगाहों से ही शायद मन पढ़ने की अफवाहें शुरू हुई होंगी। उनकी निगाहें मानो आपको भेदकर देख लेती थीं।

मैंने कहा, "मैं आपकी बात सुनने को तैयार हूं।"

वह मुड़ा और बड़े दरवाजों की ओर चल पड़ा। मैं उसके पीछे-पीछे अंदर गया। बैठक का कमरा चौड़ा था और बड़े-बड़े गद्देदार सोफे से भरा हुआ था। हल्की रोशनी, हर तरफ मखमली सा सामान, और हवा में इतिहास और अनकही धमकियों की गूंज थी। क्लाउड ने अपने लिए एक ड्रिंक डाली—स्वाभाविक रूप से कोई लाल पेय—और मुझे बैठने का इशारा किया। मैं नहीं बैठा। वह एक आर्मचेयर पर पीछे की ओर झुककर बैठ गया और अपनी गहरी आँखों से मुझे घूरने लगा।

“हम आपको सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयार हैं,” उन्होंने अपने गिलास में तरल को घुमाते हुए कहा। “बदले में एक विशेष सुरक्षा कवच। जो कि...अत्यंत दुर्लभ है।”

मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं। "'सुरक्षा' को परिभाषित करें।"

“हमारे संसाधन। कानूनी सहायता। गठबंधन की जांच में हस्तक्षेप। कुछ... आश्वासन। आप हाउस कोरविनी की सुरक्षा में होंगे।”

मैं किसी का भीख मांगने वाला नहीं हूँ। हालाँकि, मुझे ऐसा करने का मन ज़रूर हुआ। अगर मुझ पर हत्या का आरोप लगता, तो कानूनी सहायता काम आ सकती थी।

“आप भी ऐसा नहीं करेंगे। यह मूल्य का आदान-प्रदान है।”

और वार्ड?
वह धीरे से मुस्कुराया। "आत्मा को बांधने वाला।"
मुझे रीढ़ की हड्डी में सिहरन सी दौड़ती हुई महसूस हुई। बेशक, ऐसा ही था। "नहीं।"
“तुमने शर्तें नहीं सुनी हैं।” उसके चेहरे पर दबी हुई हंसी झलक रही थी।
मुझे इसकी जरूरत नहीं है। मैं इन्हें नहीं बनाता।
"तुमने पहले भी एक बनाया है।"
मैंने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "और मैंने इसे नष्ट कर दिया।"
“हां,” उसने अपने पेय का एक घूंट लेते हुए कहा। “लेकिन इससे पहले कि कोई इसे काम करते हुए देख ले। कोई बहुत प्रभावशाली व्यक्ति।”
मेरे दिमाग में तरह-तरह के विचार दौड़ रहे थे। आत्मा को बांधने वाले मंत्रों को प्रतिबंधित करने का एक कारण था। ये स्थायी और अभेद्य होते हैं। इनका उद्देश्य किसी आत्मा को किसी पात्र में कैद करना या किसी अलौकिक प्राणी को किसी वस्तु या शरीर से बांधना होता है। ये एक खतरनाक जादू था जो दुर्लभ था और कई कारणों से निषिद्ध था।
मैंने कहा, "तुम्हें लगता है कि मैं इतना बेताब हो जाऊंगा कि मान जाऊं?"
"अभी तक तुम पर हताशा हावी नहीं हुई है," क्लाउड ने सहजता से कहा। "लेकिन यह जल्द ही होने वाली है।"
मैं कमरे में धीरे-धीरे चक्कर लगा रही थी, मेरे बूट मखमली कालीन पर चुपचाप चल रहे थे। मेरे मन का एक हिस्सा इस बात पर विचार कर रहा था, भागने का रास्ता, मेरे पीछे पड़े गठबंधन से बचाव का ज़रिया। शक्ति और सुरक्षा का वादा, अगर मैं अपनी आत्मा का एक छोटा सा हिस्सा किसी और को सौंप दूं। इससे भी बुरे प्रस्ताव मुझे मिल चुके थे।
लेकिन मेरे भीतर का शेष भाग, वह हिस्सा जिसे अभी भी याद था कि किसी आत्मा को कैद में बंद करते हुए चीखते हुए देखना कैसा लगता है, उसने उस विचार को दबा दिया और उसे आग लगा दी।
मैंने उसकी ओर मुड़कर कहा, "मुझे बरी कर दिया जाएगा। मैं सिर्फ इसलिए आपके घराने से अपना नियंत्रण नहीं छीनने वाली कि गठबंधन घबरा रहा है। मैं एम्मा नहीं हूँ।"
“नहीं,” क्लॉड ने अपना गिलास नीचे रखते हुए कहा। “लेकिन उसके प्रभावशाली दोस्त थे। उसकी प्रतिष्ठा थी। उसका प्रभाव था। और फिर भी वह मर चुकी है।”
इससे मुझे सोचने पर मजबूर होना पड़ा। इसलिए नहीं कि वह गलत था, बल्कि इसलिए कि वह सही था।
“उसे खुद की रक्षा करना नहीं आता था,” मैंने धीरे से कहा। उसके ज़्यादातर मरीज़ निकम्मे थे। ऐसा नहीं था कि उसे ज्ञान नहीं था। यह तो सरासर अहंकार और लापरवाही थी। यह हमारे समय की एक झलक भी थी, कि अमीर और ताकतवर लोग मामूली काम करके भी बच निकलते हैं और उसके लिए उन्हें बेहिसाब पैसा मिलता है। ऊपर की ओर बढ़ते हुए नाकामयाबी का सिलसिला। शायद यह सिर्फ हमारे समय की समस्या नहीं थी। शायद दुनिया हमेशा से ऐसी ही रही है। अमीर लोग हर तरह से बच निकलते हैं, जबकि गरीब लोग इसके परिणाम भुगतते हैं।

“उसे लगा कि उसने ऐसा किया है,” उसने जवाब दिया। “जब तक किसी ने इसके विपरीत साबित नहीं कर दिया।”

हम एक-दूसरे को देखते रहे। कोई शब्द नहीं। बस दो लोगों के बीच तीखी, अपरिहार्य चुप्पी छाई रही, जो दोनों ही जानते थे कि दुनिया कैसे चलती है।

मैं तुरंत मुड़ा और बोला, "हमारा काम खत्म हो गया है।"

"तुमने शर्तें नहीं सुनी हैं," क्लाउड अपनी सीट से उठ खड़ा हुआ।

“बिल्कुल नहीं। अगर आप अपने दुश्मनों या पालतू जानवरों को काबू में करना चाहते हैं, तो अपनी खुद की तरकीब से करें। मैं आपके लिए लगाम बनाने वाला नहीं हूँ।”

उसने कोई बहस नहीं की। वह बस अपनी उन भारी, बूढ़ी आँखों से मुझे देखता रहा, मानो उसे पता हो कि मैं वापस आऊँगा।

मैं उसी रास्ते से बाहर निकला जिससे हम आए थे, गलियारों में अकेला ही आगे बढ़ता रहा। संगमरमर के हॉल में मैंने अभी दस कदम भी नहीं बढ़ाए थे कि एक पिशाच अंधेरे से निकला और लगभग मेरे कंधे को छूते हुए निकल गया। वह मेरी ही लंबाई का था, दुबला-पतला, साधारण से कपड़े पहने हुए। उस पर कोई हाउस का चिन्ह नहीं था। लेकिन मैंने उसका चेहरा पहचान लिया। गलियारा अचानक संकरा लगने लगा।

मैंने कहा, "तुम्हें तो मरा हुआ होना चाहिए था।"

वह मुस्कुराया। "और आपको वैलेंटिना नहीं होना चाहिए था। जब मैंने आपको उन दरवाजों से इठलाते हुए आते देखा तो मेरी हैरानी का ठिकाना नहीं रहा।"

मैं हिला तक नहीं। "तुम क्या चाहते हो?"

वह पीछे हट गया, हाथों को नकली आत्मसमर्पण के भाव से ऊपर उठाते हुए। "बस एक याद दिलाना चाहता हूँ। सभी भूत दफन नहीं रहते। और सभी एहसान भुलाए नहीं जाते।"

फिर वह गायब हो गया, और अपने पीछे हवा में और भी ठंडक छोड़ गया।

मैं वहां एक मिनट तक खड़ा रहा, मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था।

मेरा अतीत आखिरकार मेरे सामने आ ही गया था।

मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या उसने मेरी असली पहचान कोर्विनि परिवार के किसी सदस्य को बताई थी। धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि उसने ऐसा बिल्कुल नहीं किया होगा। अगर उसने बताया होता, तो मैं अब तक जीवित नहीं होती। मैं मर चुकी होती। वे मुझसे बदला लेना चाहते।

अध्याय सात

जब शहर की टाइलों से बनी छतों पर सुबह की किरणें फैलीं, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था, लेकिन सोना नामुमकिन था। मुझे तरोताज़ा होने की ज़रूरत थी, कुछ घंटों के लिए यह दिखावा करने की ज़रूरत थी कि ज़िंदगी ने मुझे किसी जाल में नहीं फंसाया है।

तो मैंने कुछ सामान्य सा काम किया। या करने की कोशिश की।

संत एंटोनी का बाज़ार सुबह होते-होते गुलज़ार हो चुका था। सूरज की रोशनी धारीदार शामियानों से छनकर पुरानी मर्कट की चमकदार लोहे की इमारत को गर्माहट दे रही थी। गरमागरम चुरोस से भरी गाड़ियों से भाप उठ रही थी, और केसर, भुनी हुई मिर्च और ताज़ी रोटी की खुशबू हवा में एक सुखद एहसास की तरह घुल रही थी। लेकिन जैतून और गरमागरम टमाटर के पैन की खुशबू के बीच, कुछ कड़वाहट बाकी थी—मैं।

मैंने अपनी हुड को आगे खींचा और भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ा। मोज़ेक टाइलों से बनी ज़मीन मेरे बूटों के नीचे खटक रही थी। स्थानीय लोग तेज़ी से कैटलन भाषा में मोलभाव कर रहे थे, पर्यटक खुद को वहीं का दिखाने की कोशिश कर रहे थे, और जादुई ग्राहक, आकर्षण और ग्लैमर के पीछे छिपे हुए, बिना किसी की नज़र में आए आपस में घुलमिल रहे थे। यह बाज़ार एक चौराहा था, उन गिने-चुने तटस्थ स्थानों में से एक। इसी वजह से यह पवित्र था। और खतरनाक भी।

मैं पुराने पत्थर के मेहराब के पास पीछे की ओर एक स्टॉल के पास पहुँचा, जहाँ सीढ़ीदार अलमारियों पर सूखे जड़ी-बूटियों से भरे जार एकदम सलीके से रखे हुए थे। यह जॉर्ज और लॉरी का था, जो सेवानिवृत्त जादूगर थे और अभी भी वर्जित मिट्टी में छत पर बने बगीचों में शहर के आधे जादुई पौधों को उगाते थे।

लॉरी ने ऊपर देखा और मुंह सिकोड़ लिया। "वैलेंटिना।"

जॉर्ज काउंटर के पीछे सीधा खड़ा हो गया। "आज यहां आने की हिम्मत करके आपने वाकई बहादुरी दिखाई है।"

मैंने अपनी जेब से एक मुड़ी हुई सूची निकाली और उसे काउंटर पर रख दिया। "मुझे ब्लैक थिसल, आयरनरूट और समरफायर की दो चुटकी चाहिए। कोई विकल्प नहीं।"

लॉरी हिली नहीं। "तुम्हें पता है लोग बातें कर रहे हैं।"

मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "लोग हमेशा बातें करते रहते हैं।"

“यह अलग है,” जॉर्ज ने नरमी से कहा। “तुम्हें एम्मा के साथ देखा गया था। पेड्रो के पोशन्स में बहस करते हुए। ज़ोर-ज़ोर से। फिर उसकी मौत हो जाती है।”

मैं भड़क उठा। "मैंने उसे नहीं मारा।"

“कोई ये नहीं कह रहा कि तुमने ऐसा किया,” जॉर्ज ने नरमी भरी नज़रों से जवाब दिया। “लेकिन तुम जानते हो कि इस शहर में बातें कैसे फैलती हैं। दोपहर के खाने तक एक फुसफुसाहट भी सच बन जाती है।”

मैंने पीछे मुड़कर देखा। वाकई, दो स्टॉल छोड़कर, दो युवा चुड़ैलें मुझे देख रही थीं। जब मेरी नज़रें उनसे मिलीं, तो वे तुरंत नज़रें हटा लीं, एक ने कुछ फुसफुसाया और दूसरी सचमुच सहम गई।
फिर, मानो किस्मत ने घाव पर नमक छिड़कने का फैसला कर लिया हो, एक अधेड़ उम्र की महिला मेरे बगल वाले स्टॉल पर आकर खड़ी हो गई। उसके हाथ पिसी हुई नागफनी के जार पर टिके थे, और वह लॉरी से कुछ पूछने के लिए मुड़ी, तभी उसकी नज़र मेरा चेहरा पर पड़ी।
उसके चेहरे के भाव बदल गए। पहचान। घबराहट।
वह एक कदम पीछे हट गई। "तुम वही हो। वही जिसने—"
मैंने सपाट स्वर में कहा, "मैंने एम्मा डेंच की हत्या नहीं की।"
उसने अपना सिर हिलाया और इतनी तेजी से पीछे हट गई कि मैं वाक्य पूरा भी नहीं कर पाया, वह भीड़ में ऐसे गायब हो गई जैसे मैंने उसके वंश को शाप दे दिया हो।
मुझे उन निगाहों का एहसास हुआ। सिर्फ जिज्ञासा ही नहीं, डर भी।
इसका मुझ पर जितना असर हुआ, उससे कहीं ज्यादा गहरा असर हुआ।
मैं कोई नाज़ुक इंसान नहीं थी। मैंने अपना जीवन टूटे हुए टुकड़ों से बनाया था, अपनी आज़ादी को कवच, झूठ और हिम्मत से जोड़ा था। लेकिन ये सब? जिस जगह मुझे सामान्य महसूस होता था, वहीं मुझे राक्षस की तरह देखा जाना? इसने मेरे अंदर कुछ तोड़ दिया।
मैंने अपनी मुट्ठियाँ भींच लीं, जबड़े को इतना कसकर दबाया कि दर्द होने लगा।
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "यह महज़ गपशप नहीं है। इससे ध्यान आकर्षित हो सकता है। और ऐसा ध्यान जो मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता।"
“हमें पता है,” जॉर्ज ने कांटेदार पौधे और उसकी जड़ को भूरे कागज में सरकाते हुए कहा। “लेकिन हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। कुछ ग्राहक पहले ही पूछ रहे हैं कि क्या हम ‘अपने आपूर्तिकर्ता संबंधों का पुनर्मूल्यांकन’ करेंगे।” उन्होंने यह बात हवा में उद्धरण चिह्नों के साथ और घृणा भरे भाव से कही। “लेकिन कुछ ग्राहक पूरी तरह से संबंध तोड़ सकते हैं। जल्द ही।”
लॉरी ने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, “तुम्हें पता है, एम्मा ने पहले भी गड़बड़ की थी। वह सिर्फ़ लापरवाह ही नहीं थी, बल्कि घमंडी भी थी। पिछले साल उसने एक पिशाच प्रेमी को प्रेम मंत्र बेचे थे, जो जुनूनी हो गया था। उसे मारना पड़ा। और पोबल-सेक के गोदाम में लगी आग याद है?”
मैंने धीरे से सिर हिलाया। "उसने दावा किया कि यह तोड़फोड़ थी।"
“हो सकता था,” जॉर्ज ने कहा। “लेकिन उसने दुश्मन बना लिए। ऐसे दुश्मन जो चेतावनी नहीं भेजते, सिर्फ मौत भेजते हैं।”
“तो फिर सारा दोष मुझ पर क्यों मढ़ रहे हो?” मैंने उनसे ज़्यादा हवा से पूछा। “मेरा नाम इसमें घसीटने से क्या फायदा?”
लॉरी ने मेरी आँखों में देखा। "क्योंकि तुमने उससे लड़ाई की। क्योंकि वह तुमसे नफरत करती थी। क्योंकि शायद कोई सोचता है कि तुम एक आसान कहानी हो।"
मैंने मुश्किल से अपनी सांस रोकी। मेरे हाथ कागज में लिपटी जड़ी-बूटियों पर जकड़ गए, मेरे कंधों में तनाव अंदर आने के समय से कहीं अधिक बढ़ गया था।

मैंने कहा, "मैंने एक खास वजह से राजनीति से दूरी बनाए रखी। मैं बस काम करना चाहता हूं, शांत रहना चाहता हूं, मुझे अकेला छोड़ दिया जाए।"

“अब ऐसे काम नहीं चलता,” लॉरी ने कहा। “इतने सार्वजनिक हत्याकांड में तो बिल्कुल नहीं। जब पुलिस बल जांच-पड़ताल कर रहा हो तब तो और भी मुश्किल हो जाती है। आप जानते ही हैं कि अगर उन्हें जल्द ही कोई संदिग्ध नहीं मिला तो वे क्या करेंगे।”

मैंने किया। वे एक आविष्कार कर लेंगे।

एक पल के लिए मैं बस वहीं खड़ा रहा, हर चीज के भार को अपने ऊपर हावी होने दिया—एलायंस एजेंटों की ठंडी निगाहें, एक ऐसे नाम की भूतिया फुसफुसाहट जिसे मैंने सालों से नहीं सुना था, पिशाच और उनके कपटपूर्ण सौदे, और अब जिस तरह से मेरी दुनिया मेरे चारों ओर एक फंदे की तरह सिकुड़ रही थी।

मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "मैंने सोचा था कि अगर मैं चुपचाप बैठा रहूँ तो मामला शांत हो जाएगा।"

लॉरी ने काउंटर के उस पार हाथ बढ़ाकर मेरा हाथ छुआ। “तुम इससे छिप नहीं सकते। तुम्हें पता लगाना होगा कि असल में यह किसने किया है। इससे पहले कि वे तुम्हें दोषी मान लें।”

शहर मेरे चारों ओर गूंज रहा था, आवाज़ें, गाड़ियों की खड़खड़ाहट, दूर से आती ट्राम की घंटियों की आवाज़। रंग बहुत चटख थे, गंध बहुत तेज़ थी, और एक पल के लिए मुझे लगा जैसे मैं खुद को दूर से देख रही हूँ, एक परछाई जो औरत होने का नाटक कर रही है। मैं ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहती थी। मैं नहीं चाहती थी कि कोई मुझे बहुत करीब से देखे। यही नियम था। पवित्र नियम। छोटी रहो, चुप रहो, अदृश्य रहो। मैंने जन्मदिन, दोस्ती, असली नाम—हर वो चीज़ छोड़ दी थी जो मुझे उस लड़की से जोड़ सकती थी जो मैं कभी थी।

और फिर भी, मैं यहीं था। बाज़ार में एक फुसफुसाया हुआ नाम। एक ऐसा चेहरा जिससे लोग मुंह फेर लेते थे।

लेकिन मैं पहले से ही केंद्र में था।

और अगर मैंने इस हत्या का रहस्य नहीं सुलझाया, तो मैं यहाँ से जिंदा नहीं बच पाऊंगा।

अध्याय आठ

बाजार से दो ब्लॉक दूर जाने से पहले ही मुसीबत ने मुझे फिर से घेर लिया।
वह एक न्यूज़स्टैंड के पास एक लैम्पपोस्ट से टेक लगाकर खड़ी थी, हाथ बांधे हुए, मानो घंटों से इंतज़ार कर रही हो। हालांकि डेज़ी को जानते हुए, शायद वह अभी-अभी आई थी और ऐसा दिखावा कर रही थी। उसके काले जूते घिसे हुए थे, जैकेट उससे भी ज़्यादा घिसी हुई थी, और एक कान के पीछे रखी लौंग वाली सिगरेट तो कब की बुझ चुकी थी। लेकिन उसकी आँखें? हमेशा की तरह तेज़ थीं।
"अरे वाह, बड़े झंझट वाले!" उसने मुस्कुराते हुए कहा। "क्या तुम एक हफ्ते में पूरे शहर को कितनी बार नाराज़ कर सकते हो, इसका रिकॉर्ड बनाना चाहते हो?"
"अभी मेरा मूड नहीं है, डेज़ी।"
“अच्छा। फिर तो आप यह दिखावा करने में समय बर्बाद नहीं करेंगे कि आपने इसे नियंत्रण में कर लिया है।”
वह मेरे बगल में इस तरह चलने लगी जैसे हम दो दोस्त टहलने निकले हों, न कि एक बदनामी झेल चुकी चुड़ैल और एक अलौकिक घटनाओं की जांच करने वाला व्यक्ति जो तबाही के कगार पर चल रहे हों।
“एम्मा की मौत? यह एक मकड़ी का जाल है। आप इसके केंद्र में फंस गए हैं, और गठबंधन ही सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।”
मैंने उसे तिरछी नजर से देखा। "क्या तुमने इस लाइन की रिहर्सल की थी?"
"अगर तुम इसी तरह मुश्किल खड़ी करते रहे तो मेरे पास बोलने के लिए पूरा एकालाप है।"
मैंने नाक से सांस छोड़ी, आधी हंसी के साथ, आधी झुंझलाहट के साथ। "डेज़ी, तुम क्या चाहती हो?"
“मदद करने के लिए। और सिर्फ अपने नेक दिल की वजह से नहीं।”
मुझे ऐसा नहीं लगता।
वह मुस्कुराई। “मान लो कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति का एहसान चुकाना है जो तुम्हें जिंदा रखना चाहता है। अगर एलायंस तुम्हें पकड़ लेता है, तो मेरा एहसान बिगड़ जाएगा। और मुझे ऐसी स्थिति बिल्कुल पसंद नहीं।”
मेरे कदम धीमे हो गए। "आपका रहस्यमय मददगार कौन है?"
डेज़ी ने आँख मारी। "गुप्त जानकारी। फिलहाल के लिए।"
मैं चुपचाप चलता रहा, सीने में तनाव उमड़ रहा था। डेज़ी पूरी तरह भरोसेमंद तो नहीं थी, लेकिन बिना वजह मदद करने वाली भी नहीं थी। यही बात उसे खतरनाक बनाती थी, लेकिन शायद काम की भी।
“तुम्हें बैकअप की ज़रूरत है,” उसने फिर कहा। “चाहे तुम्हें पसंद हो या न हो।”
मुझे यह पसंद नहीं है।

“मुझे ऐसा ही लगा।”
हम चिमनियों और सैटेलाइट डिशों के बीच छिपे एक रूफटॉप कैफे में पहुँचे, जिसे डेज़ी 'सुरक्षित' कहती थी क्योंकि उसने इसे किसी शक्की ड्रैगन के खजाने से भी ज़्यादा सुरक्षा कवच से सजाया था। हर मेज पर एक सूक्ष्म जादू था, लोहे की रेलिंग पर उकेरी गई सुरक्षा रेखाएँ फूलों के डिज़ाइन में छिपी हुई थीं। हवा नीचे के रेस्टोरेंट से भुने हुए लहसुन की हल्की खुशबू और उसकी अतिरंजित सुरक्षा व्यवस्था से निकलने वाली ओज़ोन की हल्की सी महक लेकर आ रही थी।
उसने एक नाटकीय आह भरते हुए कुर्सी पर बैठ गई, मानो वह कई दिनों से चैन से नहीं बैठी हो। उसके बूटों की आवाज कुर्सी के किनारे से टकराई।
“तो,” उसने अंगड़ाई लेते हुए कहा, “क्या तुम मुझे मदद करने दोगे, या तुम जिद्दी बनकर मरने की योजना बना रहे हो?”
मैं उसके सामने हाथ बांधकर बैठ गया। "मुझे कोई साथी नहीं चाहिए।"
“वाह। मुझे भी नहीं। लेकिन मुझे अंत्येष्टि से नफरत है। बहुत सारे भाषण होते हैं और शराब कम होती है।”
मैंने अनजाने में ही नाक सिकोड़ ली। "तुम मेरी मदद क्यों कर रहे हो?"
“उस रहस्यमय मदद के अलावा?” डेज़ी आगे झुकी। “मान लीजिए कि मैं कुछ सुरागों का पीछा कर रही हूँ। एम्मा ने कुछ लोगों को नाराज़ किया है। खतरनाक लोगों को। उनमें से कुछ ने शायद मुझे पहले काम पर रखा होगा। अगर कोई बाहर जाकर सारे सबूत मिटाने की कोशिश कर रहा है, तो मैं उस सूची में शामिल नहीं होना चाहती। आपकी मदद करने से मुझे भी मदद मिलेगी।”
बस यही था। व्यावहारिकता के आवरण में लिपटा हुआ संदेह। यह बात मैं समझ सकता था। फिर भी, कोई तो था जो मुझे ज़िंदा रखना चाहता था। इतना कि उसने डेज़ी को भेजा। इतना कि वह इसमें शामिल हो गया। क्यों? एजेंट डेंच की टेढ़ी मुस्कान मेरे दिमाग में कौंध गई। जिस तरह से उसने मुझे देखा था। उत्सुक। दिलचस्पी से। मानो उसे कुछ ऐसा पता हो जो किसी और को नहीं पता। क्या यह वही हो सकता है? क्या डेज़ी की अचानक दिलचस्पी का कारण वही हो सकता है? नहीं। यह बेतुका था। वह एलायंस का सदस्य था। अगर उसे किसी चीज़ में दिलचस्पी थी, तो वह थी फायदा उठाना, वफादारी नहीं। लेकिन सवाल बना रहा। कौन मेरी मदद करना चाहेगा, और क्यों? मुझे अजनबियों की दया पर भरोसा नहीं था। मदद की हमेशा कोई न कोई कीमत होती है।
"तुम चुप हो," डेज़ी ने आंखें सिकोड़ते हुए कहा।
"बस यह जानने की उत्सुकता है कि आपका कठपुतली नचाने वाला कौन है।"
वह हंस पड़ी। "क्या आप जानना नहीं चाहेंगे?"
“क्या आप मुझे बताना नहीं चाहेंगे?” मैंने पलटकर पूछा।
उसकी मुस्कान पल भर के लिए फीकी पड़ गई, बस इतना ही कि लगे कि वह इस बारे में सोच रही है। फिर उसने कंधे उचका दिए। "अभी नहीं। बस इतना समझ लीजिए कि उन्हें लगता है कि आपकी ज़िंदगी में अभी और भी कहानियां बाकी हैं।"
यह बात जानने से भी कहीं ज़्यादा डरावनी थी। मैं ना कहना चाहती थी। मैं दरवाज़ा ज़ोर से बंद

करके उसे चले जाने को कहना चाहती थी। लेकिन बाज़ार ने मुझे पहले ही सच्चाई दिखा दी थी। मेरे पास छिपने की कोई जगह नहीं बची थी। मैं आगे झुकी, कोहनियाँ मेज़ पर टिका दीं। "क्या तुमने कभी किसी पर भरोसा किया है और बाद में पछताया है?"

डेज़ी ने धीरे से सिर हिलाया। "हाँ। एक बार। और मैं बाल-बाल बच गई थी। लेकिन मुझे यह भी पता है कि तूफान में अकेले जाने से बिजली गिरने का खतरा रहता है।"

“बहुत खूब। तो अब यही है मौसम का पूर्वानुमान?”

वह मुस्कुराई। "सिर्फ वही हिस्सा जिसमें मैं छाता लेकर आती हूँ।"

खुद पर काबू न रखते हुए, मैं हंस पड़ी। छोटी, धीमी, लेकिन सच्ची हंसी। "मुझे खुद भी नहीं पता कि मैं क्या ढूंढ रही हूं," मैंने स्वीकार किया। "एम्मा के दुश्मन थे। ग्राहक थे। प्रेमी थे। उसने एक मदमस्त रूप बदलने वाले प्राणी से भी ज़्यादा मुसीबतें खड़ी कीं। लेकिन किसी ने ऐसा दिखाया जैसे मैं ही हूं।"

“फिर हम ग्राहकों का पता लगाते हैं। उसके आखिरी सौदों पर नज़र रखते हैं। देखते हैं कि कौन उससे इतनी नफरत करता था कि उसकी हत्या कर दी और कौन इतना चालाक था कि तुम्हें फंसाने की कोशिश की। अगर वे इतने मूर्ख हैं कि सोचते हैं कि हम पलटवार नहीं करेंगे, तो और भी बढ़िया।”

मैंने एक पल के लिए डेज़ी को देखा। उसने भी बिना पलक झपकाए मेरी ओर देखा।

“ठीक है,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “हम साथ मिलकर काम करते हैं। अस्थायी तौर पर।”

डेज़ी मुस्कुराई और एक काल्पनिक गिलास उठाया। "अस्थायी सहयोग, आपसी संशय और हत्या न होने की साझा इच्छा के लिए।"

उसने धीमी, अधिक गंभीर आवाज़ में कहा, "और शायद इसमें इतना अकेला न होना।"

जैसे-जैसे शाम ढलने लगी, डेज़ी मुझे मेरे अपार्टमेंट तक वापस ले गई, जो उसकी और मेरी उथल-पुथल के बीच एक तटस्थ स्थान था। हमारे बीच की चुप्पी असहज नहीं थी। बस भारीपन था।

"तुम्हें पता होना चाहिए," उसने अचानक गंभीर होकर कहा, "ओवेन तुम्हारे बारे में पूछ रहा था।"

मेरी धड़कन तेज़ हो गई। "कौन सा ओवेन?" मुझे सच में उम्मीद थी कि यह वह ओवेन नहीं होगा जिसके बारे में मैं सोच रही थी। उसे तो यहाँ आस-पास भी नहीं होना चाहिए था।

डेज़ी ने मुझे गौर से देखा। “तुम जानती हो, मैं किस ओवेन की बात कर रही हूँ? वो छानबीन कर रहा है। अभी आधिकारिक तौर पर नहीं, लेकिन एलायंस अपना पक्ष मजबूत कर रहा है। वे सही मौके का इंतज़ार कर रहे हैं। या गलत मौके का। यह इस बात पर निर्भर करता है कि तुम इसे कैसे देखती हो।”

मैंने बड़ी मुश्किल से अपनी बात कही। “उसे तो चले जाना चाहिए था। उसका तबादला लिस्बन हो जाना चाहिए था।”

“वह वापस आ गया है। और उसे ऐसी चुड़ैलें पसंद नहीं हैं जिनके रिकॉर्ड गायब हों और जिनकी शक्तियों में अचानक और रहस्यमय तरीके से वृद्धि होती हो।”

मैंने छतों की ओर देखा, जहाँ आखिरी रोशनी में लाल टाइलें चमक रही थीं। "अगर ओवेन मेरी

असलियत जानने की कोशिश करने लगे तो..."
“वो करेगा,” डेज़ी ने कहा। “इसलिए बेहतर होगा कि हम हत्यारे को उससे पहले ढूंढ लें, इससे पहले कि वो तुम्हें ढूंढ ले।”
मैं हिचकिचाया। "आप इस बात को लेकर बहुत शांत हैं कि मैं वह नहीं हूं जो मैं होने का दावा करता हूं।"
डेज़ी ने कंधे उचकाते हुए कहा, “तुम्हें लगता है कि तुम अकेले हो जो किसी और के नाम से घूम रहे हो? आधे शहर के पास राज़ हैं। मुझे इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि तुमने पहले क्या किया था। मुझे इस बात से फ़र्क पड़ता है कि तुम अब क्या कर रहे हो। और अभी तुम किसी बड़ी मुसीबत में फँसे हो, और मैं नहीं चाहती कि यह मुसीबत मुझे भी अपने जाल में फंसा ले।”
मैंने एक पल के लिए उसे गौर से देखा। कोई आलोचना नहीं। कोई जिज्ञासा नहीं। बस वही असंयमित दृढ़ संकल्प। वह शायद लापरवाह थी, लेकिन क्रूर नहीं थी।
फिलहाल इतना ही काफी था।
“ठीक है,” मैंने धीरे से कहा। “चलो उस कमीने को ढूंढते हैं जिसने मुझे फंसाया है।”

अध्याय नौ

एम्मा का सुरक्षा स्टूडियो एल रावल में एक गिरवी की दुकान के ऊपर स्थित था, एक ऐसी इमारत जो दो आग, पिशाचों के बीच क्षेत्र पर कब्जे की लड़ाई और शायद बारूद के आविष्कार से भी बची रही थी। बाहरी हिस्सा इतना मैला था कि वीरान लगता था, लेकिन अगर आपको पता होता कि क्या देखना है, तो गंदगी के पीछे सच्चाई झलकती थी, खिड़कियों के कोनों में खुदे हुए छोटे-छोटे सुरक्षा चिह्न, आम लोगों को दिखाई नहीं देते थे लेकिन मुझे स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे।
जैसे ही हम पास पहुँचे, डेज़ी ने बुदबुदाते हुए कहा, "इस जगह में किसी शापित शराबखाने जैसा आकर्षण है।" हम मजबूत दरवाजे के सामने रुक गए। उसके चारों ओर एक सुरक्षात्मक घेरा ऐसे गूंज रहा था मानो किसी जादुई मच्छरदानी में लिपटा हो।
"क्या तुम्हें लगता है कि उसने स्वागत के लिए कोई चटाई बिछाई थी?" डेज़ी ने पूछा, और पहले से ही नुकीले किनारों वाले एक ताबीज को छू रही थी।
"अगर उसने ऐसा किया, तो शायद यह हमारी भौहें उखाड़ने के लिए रचा गया जादू है।"
ताला खुलने में पांच मिनट का केंद्रित जादू और डेज़ी द्वारा दो शाप देने के बाद आखिरकार अनिच्छा से क्लिक की आवाज आई।
अंदर का हाल मेरी याद से भी बदतर था। जली हुई ऋषि की तेज़ गंध हवा में फैली हुई थी, जो पचौली और किसी अजीब सी... अचार जैसी गंध से बेमेल थी। कमरा अव्यवस्थित सुंदरता और जादुई चीज़ों के ढेर का एक बेतरतीब मिश्रण था। झुलसे हुए आवरण वाली मंत्र-पुस्तकों के ढेर अलमारियों पर सूखे नाइटशेड से भरे क्रिस्टलीय कटोरे के बगल में डगमगा रहे थे। एक हवा में तैरती चाय की केतली छत से धीरे से टकरा रही थी, मानो वह वर्षों पहले अपना उद्देश्य भूल गई हो।
“अरे बाप रे,” डेज़ी ने फुसफुसाते हुए कहा। “वह या तो एक प्रतिभाशाली थी या फिर बड़प्पन के भ्रम में डूबी एक नौसिखिए।”
"दोनों।"
उसने मंत्रों से खुदे हुए एक चबूतरे पर रखे हुए एक चमकते हुए गोले की ओर हाथ बढ़ाया।
"नहीं-"
बहुत देर हो चुकी थी। गोला लड़खड़ाया, फुफकारा और बैंगनी धुएं का एक गुबार उगला जिसकी गंध दालचीनी और निराशा जैसी थी।
डेज़ी ने खांसते हुए हवा में हाथ फेरा। "ठीक है, ठीक है! सबक सीख लिया।"
मैंने अपनी जलती हुई आँखों को पोंछते हुए कहा, "किसी भी चमकदार चीज़ को मत छुओ। स्टूडियो के बुनियादी शिष्टाचार यही हैं।"
"क्या व्यंग्य आपकी दुनिया में जादू का एक घटक है, या आपके पास यह अतिरिक्त है?"
अव्यवस्था के भ्रम के पीछे, हमें असली काम मिला। ताले के चिह्नों से सजी एक छिपी हुई दराज में वार्ड के ब्लूप्रिंट और ग्राहकों की रसीदों का खजाना मिला, जिनमें से कुछ असली थीं, और कुछ

स्पष्ट रूप से जाली थीं। लेकिन जिस चीज़ ने मुझे स्तब्ध कर दिया, वह लाल चमड़े के पन्ने में रखे चिह्नों का एक बंडल था।

मैंने उन्हें फैलाते हुए कहा, "ये उसके नहीं हैं। इनकी बंधन संरचना देखो, इसमें पूर्वी शैली की परतें हैं और उसमें परियों की आकृतियाँ हैं। बिना प्रशिक्षण के वह इनमें से कोई भी नहीं बना सकती।"

डेज़ी थोड़ा आगे झुकी, उसका चेहरा तनावग्रस्त हो गया। “अलग-अलग जादुई निशान। मैंने कम से कम चार गिने हैं। और यह वाला? यह उत्तरी ड्यूडिक है। यह प्रतिबंधित काम है। महाद्वीप के आधे हिस्से में अवैध है।”

मुझे अचानक एक झटके में सच्चाई का एहसास हुआ। "वह अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए दलाली कर रही थी। अपनी संलिप्तता छिपाने के लिए जाली हस्ताक्षर बना रही थी। काले बाजार में ऐसे मंत्र बेच रही थी जो वैध मंत्रोच्चारण करने वालों से आए हुए लगते थे—शायद राजनीतिक मंत्रोच्चारण करने वालों से भी।"

“अगर यह बात लीक हो गई,” डेज़ी ने धीमी आवाज़ में कहा, “तो यहाँ से एडिनबर्ग तक के हर जादुई दूतावास में अफरा-तफरी मच जाएगी। इससे आधा दर्जन राजनयिक घटनाएँ हो सकती हैं। शायद इससे भी बुरा हो सकता है।”

"एम्मा लापरवाह थी, लेकिन यह? यह तो मखमल में लिपटा हुआ युद्ध है।"

डेज़ी ने ढेर में से नकली प्रतीकों का एक समूह निकाला, जिनमें से प्रत्येक को अलग-अलग जादुई सुगंधों का अनुकरण करने के लिए कोडित किया गया था। एक प्रतीक उसकी हथेली में हल्का सा स्पंदित हुआ। "यह अकेला ही एक खजाने के बराबर है। या फिर मौत का फरमान।"

हमने आपस में अपने अनुभव साझा किए। कई जादू-टोनों में नकल के निशान थे, धुंधली गूँज जो किसी और के जादू की नकल करने के लिए बनाई गई थी। यह देखकर मेरा पेट गुड़गुड़ाने लगा। मुझे एहसास हुआ, "वह लोगों को फंसा रही थी। ऐसे ताबीज बेच रही थी जो दूसरी चुड़ैलों को फंसा देते थे।"

डेज़ी ने सीटी बजाई। “उसके दुश्मन इसलिए थे क्योंकि वह खुद दुश्मन बना रही थी। यही शहर के आधे लोगों के लिए मकसद हो सकता है।” उसने डेस्क का अस्तर खोला और मोम और खून के धागे से सील किया हुआ एक काला लिफाफा निकाला। जैसे ही उसने उसे छुआ, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं।

मैंने पूछा, "यह क्या है?"

डेज़ी ने उसे मेरी पहुँच से थोड़ा दूर रखा। "चलिए इसे मेरे नियोक्ता के लिए एक सुराग मान लेते हैं।"

मेरे होंठ कस गए। "क्या आप कुछ बताना चाहेंगे?"

“मैं करूँगी। अगर इससे हम दोनों को फायदा हो।” उसने उसे अपनी जैकेट में रख लिया। “भरोसा, याद है ना?”

मैंने ऐसा नहीं किया, लेकिन मैंने इसे जाने दिया। फिलहाल के लिए।

हम पीछे के निकास की ओर बढ़ ही रहे थे कि तभी हवा में एक कर्कश आवाज आई, बहुत साफ, बहुत तीखी। जैसे बिजली गिरने ही वाली हो।

मैंने फुफकारते हुए डेज़ी की बांह पकड़ ली, "हिलो मत।"
हवा में झिलमिलाहट हुई, और फिर चिन्ह प्रकट हुए, जो लकड़ी के फर्श पर फैले हुए वृत्तों में हल्की रोशनी बिखेर रहे थे। एक सुरक्षा घेरा। सूक्ष्म। जटिल। घातक। एम्मा की शैली नहीं। बहुत परिष्कृत। बहुत औपचारिक।
मैंने कहा, "निगरानी का जादू। गठबंधन स्तर का। यह कोई साधारण जादू नहीं है।"
डेज़ी की आँखें सिकुड़ गईं। "तो क्या हम किसी सरकारी एजेंसी द्वारा बिछाए गए जादुई चूहेदानी में फँसे हुए हैं?"
“अगर यह हमें रजिस्टर कर लेता है, तो यह सब कुछ रिकॉर्ड कर लेगा, चेहरा, आभा, हस्ताक्षर। इससे भी बुरा, यह हमें उनके ट्रैकिंग सिस्टम में चिह्नित कर सकता है। पूरे शहर में हमारी निगरानी की जाएगी। हम जहां भी जाएंगे, जो भी छुएंगे, सब पर नजर रखी जाएगी।”
डेज़ी ने बड़ी मुश्किल से अपनी बात कही। "ठीक है। हाँ। यह बुरा होगा।"
"बुरे से भी बदतर। सब खत्म हो जाएगा। अगर एलायंस को मेरे हस्ताक्षर जालसाजी के सबूत के साथ यहाँ पकड़ लिया गया, तो खेल खत्म। मुझे किसी ऐसी हवालात में गायब कर दिया जाएगा जहाँ कोई मेरा नाम फिर कभी नहीं लेगा।"
हम दोनों स्थिर खड़े थे, साँसें धीमी चल रही थीं। जादू हमारे चारों ओर कुंडलित तार की तरह गूंज रहा था।
“क्या आप हमें बाहर निकाल सकते हैं?” उसने पूछा।
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। अभी नहीं। मैंने पास के चिन्ह की सीमाओं को अपनी आँखों से देखा, उसकी परतों को याद कर लिया। उच्च स्तरीय निगरानी और प्रतिक्रियाशील सुरक्षा कवच का मिश्रण। कोई प्रेशर प्लेट नहीं, बल्कि रहस्यमय प्रतिध्वनि। मतलब, जादू की एक गलत तरंग इसे सक्रिय कर देगी। मैंने एक प्रति-सुरक्षा मंत्र फुसफुसाया, उंगलियों से हवा में हल्की चमकती आकृतियाँ बनाईं। ग्रिड प्रतिक्रिया में झिलमिला उठा।
मैंने कहा, "एक गोली।" "जब मैं कहूँ 'जाओ', हम तुरंत भागेंगे। तेज़ी से।"
“बस तुम्हारे साथ एक और रात बिताई,” डेज़ी ने बुदबुदाते हुए कहा। “जादुई गुप्त पुलिस द्वारा लगभग पकड़े जाने से बेहतर दोस्ती का और कोई सबूत नहीं।”
मैंने डेज़ी को चेतावनी देते हुए कहा, "डेज़ी।"
मुझे पता है। चुप रहो और भागो। तैयार हो जाओ।
"जाना।"
जैसे ही प्रतीक चिन्ह जीवंत हुए, हम अवरोध को तोड़कर आगे बढ़ गए। हमारे पीछे, ताबीज प्रकाश और ध्वनि के विस्फोट के साथ फट पड़ा, इतना तीव्र कि ईंटें हिल गईं, इतना चमकदार कि देखने वाले किसी भी व्यक्ति की आंखें चौंधिया गईं।
हम नहीं रुके। तब तक नहीं रुके जब तक हम दो गलियाँ पार नहीं कर गए, दिल ज़ोर से धड़क रहे थे, फेफड़े जल रहे थे।
डेज़ी आगे की ओर झुकी, घुटनों पर हाथ रखे हांफते हुए बोली, "तुम्हें वाकई पता है कि किसी लड़की को अच्छा समय कैसे देना है।"

मैं नहीं हंसा। “वह वार्ड सिर्फ एक जाल नहीं था। वह एक चेतावनी थी।”
उसने मेरी तरफ देखा, उसके चेहरे से हंसी गायब हो गई।
“कोई इस जगह पर नजर रख रहा है। और अब उन्हें पता चल गया है कि हम भी उन पर नजर रख रहे हैं।”

भोर होते ही दस्तक हुई, धीमी और सधी हुई, मानो कोई फुसफुसाहट हो जो बेचैन कर दे। यह ऐसी आवाज़ थी जो आपको जगाती नहीं, बल्कि आपके ध्यान देने का इंतज़ार करती थी। मेरी खिड़की के बाहर शहर पर अब भी सुबह की नीली धुंध छाई हुई थी, सड़कें पहले हुई बारिश से गीली थीं। जैसे ही मैं दरवाजे के पास पहुँचा, फर्श पर धूसर और सुनहरी रोशनी फैल गई, मेरी उंगलियाँ फ्रेम में सिले हुए छिपे हुए सुरक्षा घेरे के किनारे को छू गईं।

मुझे पहले से ही पता था कि वह कौन है।

जब मैंने दरवाज़ा खोला, तो वहाँ खड़ा आदमी किसी ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म का पात्र लग रहा था, जो कभी रंगीन नहीं हो पाई। उसका कोट इतनी बारीकी से सिला हुआ था मानो उसकी हड्डियों पर ही सिला गया हो, और उसकी त्वचा पॉलिश किए हुए संगमरमर की तरह चिकनी और चमकदार थी। उसका हर अंग तीखा था - गाल की हड्डियाँ, हाव-भाव, व्यक्तित्व। ऐसा लग रहा था मानो वह कोर्विनि परिवार का कोई प्रतिनिधि हो, जिसका मतलब था कि उसने मुझे आधिकारिक तौर पर पहचान लिया था।

“मिस सैन्ज़,” उन्होंने झुककर इतना हल्का सा अभिवादन किया मानो मैं इसके लायक नहीं थी। “मैं हाउस कोरविनी की ओर से एक संदेश लेकर आया हूँ।”

“बेशक तुम करते हो,” मैंने दरवाजे के चौखट पर झुकते हुए बुदबुदाया। “अमर अभिजात वर्ग की ओर से परोक्ष धमकियों से बेहतर सुबह की शुभकामनाएँ और क्या हो सकती हैं।”

उसने पलक भी नहीं झपकाई। "क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?"

आपको आमंत्रित नहीं किया गया है।

उनके चेहरे पर जरा भी भावविभोर नहीं हुआ। “तो मैं संक्षेप में ही बोलूंगा। मेरे आकाओं ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिन रास्तों पर आप चलना शुरू कर रहे हैं, वे... अस्थिर हैं।”

मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं। "यह तो धमकी जैसा लग रहा है।"

उन्होंने बस कंधे उचका दिए। “जो है सो है। सदन को पता चल गया है,” उन्होंने आगे कहा, “कि एम्मा डेंच के ग्राहकों में पाए जाने वाले कुछ नामों में आपकी रुचि है।”

मेरे पेट में एक अजीब सी जकड़न सी हो गई, मानो किसी अंधेरी और प्राचीन चीज़ ने मेरी त्वचा को छू लिया हो। गलियारा और भी ठंडा लग रहा था, दरवाजे से आती रोशनी बहुत तेज थी।

मैंने पूछा, "कौन से नाम?"

उसने तुरंत जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, वह थोड़ा किनारे हट गया, बस इतना कि सुबह की धूप उसके कॉलर पर लगे छोटे से चांदी के क्लिप पर चमक सके, जिस पर नुकीले दांतों वाले अर्धचंद्र के भीतर एक आंख की आकृति बनी हुई थी। यह एक ऐसा प्रतीक चिन्ह था जो केवल उन लोगों के लिए आरक्षित था जिन्हें गुप्त रखने का जिम्मा सौंपा गया था।

उनकी मुस्कान विनम्रतापूर्ण थी। ज़रूरत से ज़्यादा विनम्रतापूर्ण। "यह बताना सही नहीं होगा। लेकिन इतना कहना ही काफी है कि एम्मा ऐसे कारोबार में शामिल थी जिसमें उसे दखल देने का

कोई अधिकार नहीं था। और उसके कुछ ग्राहक तो याद भी नहीं रहना चाहते।"
मैंने अपनी बाहों को और कसकर मोड़ लिया, मानो मैं शांत होने का दिखावा कर रही थी, जबकि मैं अंदर से शांत नहीं थी। "मुझे लगता है, उन ग्राहकों के दांत नुकीले हैं और उनके वकील भी महंगे हैं।"
“कुछ के पंजे होते हैं,” उसने रेशम जैसी कोमल आवाज़ में कहा। “कुछ स्याही चलाते हैं। और कुछ? कुछ तो कभी उंगलियों के निशान छोड़ते ही नहीं।” वह आधा कदम आगे बढ़ा, इतना करीब कि मैं उसकी त्वचा के नीचे नसों का पतला जाल देख सकूँ, उसके खड़े रहने का अस्वाभाविक स्थिरपन—जैसे कि गति एक विकल्प हो, कोई ज़रूरत नहीं।
“आपने पहले ही माहौल गरमा दिया है, मिस सैन्ज़। हलचल तो होनी ही है। लेकिन अगर आप ऐसा करती रहीं, तो लहरें उठेंगी। और जब वे आएंगी, तो वे सिर्फ आपके दरवाजे से टकराकर टूट नहीं जाएंगी। वे आपको डुबो देंगी।”
उसकी आवाज़ धीमी और ठंडी हो गई। "अगर तुम ज़्यादा ज़ोर डालोगे, तो न सिर्फ़ राज़ उजागर करोगे, बल्कि दुश्मन भी बना लोगे। प्राचीन दुश्मन। ऐसे दुश्मन जिनसे गठबंधन तुम्हारी रक्षा नहीं कर सकता।"
“तो उनसे कहो कि वे सीधे मुझसे बात करें,” मैंने गुस्से से कहा। “मैं इतनी आसानी से डरती नहीं हूँ।”
उन्होंने मुझे ध्यान से देखा। “लेकिन आप मोलभाव तो करते ही हैं। इसलिए यह दिखावा करने में समय बर्बाद न करें कि आप कोई दूसरा रास्ता पसंद नहीं करेंगे।”
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। मेरी चुप्पी ही काफी थी। वह सही था, मुझे और दुश्मन नहीं चाहिए थे। मुझे युद्ध नहीं चाहिए था। मुझे समय चाहिए था, जगह चाहिए थी, इस समस्या को सुलझाने का मौका चाहिए था इससे पहले कि यह मुझे पूरी तरह से तोड़ दे। उसने अपने कोट में हाथ डाला और एक छोटा सा मखमली थैला निकाला, और उसे सावधानी से मेरे दरवाजे पर रख दिया, मानो किसी वेदी के सामने कोई भेंट रख रहा हो।
उन्होंने कहा, "चौबीस घंटे का मौन। बदले में, आपको अपने सवाल नहीं पूछने हैं। कोई साक्षात्कार नहीं, कोई जासूसी नहीं, कोई छानबीन नहीं।"
“और उसके बाद?” मैंने धीमी आवाज़ में पूछा।
“शायद एक परिचय। अगर तुम अभी भी सांस ले रहे हो तो।” उसने यह बात इतनी सहजता से कही, मानो इससे कोई फर्क ही न पड़ता हो। शायद सच में फर्क नहीं पड़ता था। उसके लिए मैं एक परिवर्तनशील पात्र था, दिलचस्प, शायद उपयोगी, लेकिन अंततः जिसे बदला जा सकता था।
मैंने थैली को घूर कर देखा। पिशाच कभी कुछ मुफ्त में नहीं देते। हमेशा एक हिसाब-किताब होता था, हमेशा खून से बारीक अक्षरों में कुछ लिखा होता था। लेकिन चौबीस घंटे का समय सब कुछ तय कर सकता था। यह डेज़ी को चेतावनी देने के लिए, जो कुछ भी हमें मिला था उसमें से सबसे खतरनाक चीज़ को छुपाने के लिए, यह पता लगाने के लिए काफी हो सकता था कि क्या गठबंधन पहले से ही आगे बढ़ रहा है या कोई और। मैंने थैली उठाई। यह दिखने में जितनी भारी

लग रही थी, उससे कहीं ज़्यादा भारी थी, एक सुरक्षात्मक कवच से हल्की-हल्की स्पंदन कर रही थी, जिसे खोलने की हिम्मत मैं अभी नहीं कर पा रहा था।

“ठीक है,” मैंने आखिरकार कहा। “लेकिन अगर वे फिर भी मेरे पीछे पड़ गए तो?”

दूत की आँखें बर्फ में आग लगने जैसी चमक उठीं। "तो मैं तुम्हारा कर्ज पूरी तरह चुका हुआ मानूंगा।"

वह मुड़ा और चला गया, उसके कदमों की आहट इतनी धीमी थी कि मानो सुनाई ही न दे रही हो, और वह सुबह की हल्की होती धुंध में गायब हो गया।

मैंने दरवाजा बंद किया और उससे पीठ टिकाकर खड़ी हो गई, मेरी सांसें चुनौती और भय के बीच कहीं अटकी हुई थीं। मुझे पिशाचों पर भरोसा नहीं था। मुझे उनके प्रस्तावों, उनकी चेतावनियों या उनके संतुलन के विचार पर भरोसा नहीं था। लेकिन मुझे परिणामों पर भरोसा था। और अगर जो मैंने शुरू किया था उसे पूरा करने के लिए लंबे समय तक जीवित रहने की यही कीमत थी, तो मैं इसे चुका दूंगी। सावधानी से।

जब आप रहस्यों की खोज में निकले थे, तब ग्रासिया का नज़ारा कुछ अलग ही था। दिन के समय, यह चमकीली टाइलों और घुमावदार गलियों से भरा होता था, बच्चे चौकों में फुटबॉल खेलते हुए दौड़ते थे, और विक्रेता भुनी हुई सार्डिन और गर्म तेल की गंध के बीच चिल्लाते रहते थे। लेकिन इस आकर्षण के पीछे एक दूसरा ग्रासिया भी छिपा था, वह ग्रासिया जहाँ जंग लगी छतें और तहखाने में बने क्लब थे, जहाँ खून और दाँतों से सौदे किए जाते थे।

हम वहां तपस खाने नहीं गए थे। डेज़ी को एम्मा के लॉगबुक में से एक सुराग मिला था, जिसमें डिलीवरी का एक कोडित रिकॉर्ड था जो एक ऐसे नाम से जुड़ा था जिसे हम दोनों पहचानते थे: इस जिले का एक दलाल जो शिफ्टर गिरोहों के ज़रिए जादुई सामानों की हेराफेरी करने के लिए बदनाम था। अगर एम्मा ने चोरी किए गए ताबीज़ों को इधर-उधर किया था, और हमें अब लगने लगा था कि उसने ऐसा किया है, तो यह कड़ी का अगला हिस्सा था।

इससे भी बढ़कर, इस दलाल के संबंध जादुई मंत्रों के जालसाजों से थे, जो किसी और के हस्ताक्षर जैसे दिखने वाले जादुई हस्ताक्षर बना सकते थे। अगर एम्मा ऐसे सुरक्षा कवच बेच रही थी जो दूसरी चुड़ैलों, शायद मुझ तक भी, की ओर इशारा करते थे, तो हमें स्रोत का पता लगाना ज़रूरी था। मैंने सादे कपड़े पहने थे और चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए एक ऐसा मेकअप किया था जिससे लोग बस एक नज़र हटा लें। मेरे बगल में, डेज़ी ऐसी लग रही थी जैसे वह यहीं की हो, सिर पर हुड, बूट पहने हुए, उसकी आँखों में एक चमक थी जो कह रही थी कि मुसीबत ने उसे पहले ही आज़माया है और हार गई है।

जिस गैंग से हम मिलने गए थे, वो एक ऐसे गैराज से काम करता था जो भित्तिचित्रों से सजे बाज़ार के पीछे छिपा हुआ था। ऐसी जगह जहाँ मोटर ऑयल की गंध, फर, पसीने और किसी पुरानी चीज़ की महक को दबा देती थी। हम दो पहरेदारों के पास से गुज़रे, एक मोपेड पर आराम कर रहा था, दूसरा साइकिल की चेन ठीक करने का नाटक कर रहा था। दोनों ने हमें एक ही तिरछी नज़र से देखा।

गैराज के अंदर शोर कम हो गया, उसकी जगह एक भारी बेसलाइन की गूंज सुनाई देने लगी जो धीमी और स्थिर थी, मानो दिल की धड़कन तेज़ होने से रोकने की बहुत कोशिश कर रही हो। दीवारों पर ग्रीस और चिन्ह दोनों लगे हुए थे, कालिख और पुराने खून से उकेरे गए आधे-अधूरे पढ़े जा सकने वाले मंत्र। बेनिटो एक पुरानी कार के ढांचे से टिका हुआ था, एक हाथ छत पर लापरवाही से रखा हुआ था। उसकी आँखें शिकारी जैसी थीं: सुनहरी, बिना पलक झपकाए, और इंतज़ार करती हुई। उसके चारों ओर, आधा दर्जन शिफ्टर आराम से बैठे थे, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वे वास्तव में आराम से नहीं हैं। कोई बहुत धीरे-धीरे चाकू तेज़ कर रहा था। दूसरा अपनी उंगलियों को एक लय में चटका रहा था जो लगभग उलटी गिनती की तरह लग रही थी।

“वाह वाह,” बेनीटो ने मधुर लेकिन तीखी आवाज में कहा। “यह तो वही जादुई चुड़ैल और उसकी अराजक परछाई है।”

डेज़ी ने आलस भरे अंदाज़ में हाथ हिलाया। "मुझे भी तुम्हारी बहुत याद आई, बेनिटो।"
मैं मुस्कुराई नहीं। मेरे शरीर की हर नस तनाव में थी। आपको लगेगा कि बेनिटो और मैं सालों से एक-दूसरे को जानते हैं, लेकिन बात सिर्फ कुछ महीनों की थी, बंदरगाह पर तस्करी के एक नाकाम प्रयास से। हम किस्मत और जादू की मदद से पिशाचों के हमले से बच गए थे। तब से हमारे बीच एक अजीब तरह का सम्मान था। दोस्ती नहीं, भरोसा नहीं, बस एक तनाव भरा और अनकहा रिश्ता। हम सहयोगी नहीं थे, लेकिन दुश्मन भी नहीं थे।
मैंने कहा, "मैं पुराने घावों को कुरेदने नहीं आया हूँ। मैं एम्मा द्वारा बेची गई कोई चीज़ ढूंढ रहा हूँ।"
उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "क्या इसीलिए तुमने उसे मार डाला? उसके हाथों से बहुत सी चीजें गुजरी थीं। हमें क्यों परवाह करनी चाहिए?"
मैंने उसे नहीं मारा। क्योंकि उनमें से एक मेरी भी हो सकती थी।
तनाव के बीच एक आवाज़ आई, कंक्रीट पर बूटों की रगड़। मैं मुड़ा, और वह वहीं था। युवा वेयरवोल्फ। श्रीमती गिलमोर का भतीजा। काइल। उसकी आँखों में वही क्रोध था, जैसा उस दिन था जब मैंने उसे बीच हवा में ही रोक दिया था। उसके होंठ सिकुड़ गए। "यहाँ अपना चेहरा दिखाने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई!"
डेज़ी थोड़ा और करीब आ गई, सुरक्षात्मक मुद्रा में नहीं, बस तैयार। मेरा बायाँ हाथ कमर पर टंगी गुलेल पर टिका, आत्मरक्षा के लिए तैयार। मैंने अपना दायाँ हाथ जेब में डाला और सही सुरक्षा पत्थर को टटोला। मेरी उंगलियाँ उस पर कस गईं और मैं यह देखने के लिए प्रतीक्षा करने लगा कि आगे क्या होता है।
“उसने मुझे अपमानित किया,” काइल ने गुस्से में कहा। “मेरी चाची के सामने।”
बेनीटो ने उसे नहीं रोका। यही चेतावनी थी।
मैंने शांत भाव से कहा, "बेइज्जत होना बेहतर है, बजाय इसके कि मुझे चोट लगे। तुमने मुझ पर हमला किया। मैंने अपना बचाव किया। तुम आसानी से बच गए।"
उसका जबड़ा कस गया। मैं उसकी त्वचा के नीचे हलचल देख सकता था, बदलाव को दबाने के लिए उसका संघर्ष।
“उसने एम्मा की हत्या की,” वह और भी ऊँची आवाज़ में गुर्राया। “और अब हमें वजह पता चल गई है।”
मेरी आवाज एकदम ठंडी पड़ गई। "अगर मेरे पास कोई वजह होती, तो तुम सांस भी नहीं ले रहे होते कि उसका जिक्र कर सको।"
इससे उसका और बाकी सबका ध्यान उसकी ओर आकर्षित हो गया। चारों ओर सन्नाटा छा गया। बेनिटो हिला तक नहीं, लेकिन उसकी मुद्रा में हल्का सा बदलाव आया, मानो कोई धागा कस गया हो।
अंततः बेनिटो ने कहा, "वह बदला लेने नहीं आई है। वह जानकारी लेने आई है। और जब तक वह झूठ नहीं बोल रही है, तब तक वह मेहमान है।"
काइल बेनीटो के दिए अप्रत्यक्ष आदेश को समझ गया था। अब वह मुझ पर हमला नहीं कर सकता था। जब तक कि वह बेनीटो से चुनौती का सामना नहीं करना चाहता था। उसकी आँखों

में मुझे निराशा साफ दिख रही थी। उसने ज़मीन पर थूका और गुस्से में वहाँ से चला गया।
जब तक वह चला नहीं गया, मैंने सांस नहीं छोड़ी।
बेनीटो मेरी ओर मुड़ा, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। उसकी निगाहों में एक झलक थी, शायद सतर्कता भरी प्रशंसा। या फिर शांत सोच-विचार। "क्या तुम्हें युवा भेड़ियों को नाराज़ करने की आदत है?"
मैंने कहा, "सिर्फ वही लोग जो मुझ पर हमला करने की कोशिश करते हैं।"
बेनीटो ने फ्रिज के पास झुके एक दुबले-पतले लोमड़ी-रूपान्तर से नज़रें मिलाईं। फिर उसने एक शेल्फ की ओर इशारा किया जो जादुई चीज़ों, ताबीज़ों, पत्थरों और यहाँ तक कि ऐक्रेलिक शीटों के बीच दबे कुछ कच्चे सुरक्षा कवच से भरी हुई थी। रोशनी मंद थी, जिससे अव्यवस्था पर विकृत परछाइयाँ पड़ रही थीं। धूल हवा में ऐसे छाई हुई थी मानो पुराने जादू का अवशेष हो। और वहाँ वह था। एक टूटे हुए दर्पण और अगरबत्ती के डिब्बे के पीछे, मेरी ही एक रचना। नकल नहीं। मेरी अपनी। रक्त की स्याही से उकेरे गए चिह्न। सुरक्षात्मक आवरण के नीचे आधा छिपा हुआ मुख्य चिह्न। मैंने इसे तीन साल पहले वैलेंसिया में एक असफल काम के दौरान बनाया था। माना जाता था कि यह कलाकृति उस हादसे में नष्ट हो जाएगी, लेकिन स्पष्ट रूप से, किसी ने इसे बचा लिया था। मेरी उंगलियाँ शेल्फ के किनारे के पास मंडरा रही थीं, छू नहीं रही थीं। यादों का सैलाब तेज़ी से उमड़ आया, अँधेरा अनुष्ठान कक्ष, मंत्रों की ध्वनि जो मेरी त्वचा पर सैंडपेपर की तरह रगड़ खा रही थी, जलते हुए नमक की गंध। मैंने वह वार्ड आदेशों के तहत बनाया था। सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि नियंत्रण के लिए। उस समय जब मैं खुद उन्हीं में से एक था।
यादें अचानक मुझ पर टूट पड़ीं, जैसे मुझे बुलाया ही न गया हो। शिकारी पंथ के लोग खुद को इस नाम से नहीं पुकारते थे, बेशक। उनके नाम ज़्यादा सौम्य थे, जैसे 'द सर्कल', 'द साइलेंट ऑर्डर', 'द हैंड्स ऑफ बैलेंस'। लेकिन उनके प्रतीकों और वस्त्रों के नीचे कुछ और भी ठंडा, और भी क्रूर छिपा था। वे दर्द के ज़रिए अनुशासन सिखाते थे। अभाव के ज़रिए एकाग्रता। शरीर और आत्मा पर जादुई अनुष्ठानों की नक्काशी। मेरे बाएं कान के पीछे अभी भी वह निशान था, सर्पिल के आकार का, एक दाग़ जैसा प्रतीक। मेरा पहला सफल बंधन। उन्होंने हमें ऐसे कवच बनाना सिखाया था जो गला घोंट सकते थे, जला सकते थे, खामोश कर सकते थे। मैं उनमें से सर्वश्रेष्ठ में से एक था। तेज़, चतुर, आज्ञाकारी। जब तक मैं भाग नहीं गया।
मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ा, मेरी धड़कनें तेज़ हो रही थीं। "यह तुम्हें कहाँ से मिला?"
बेनीटो ने पलकें भी नहीं झपकाईं। "व्यापार के जरिए आया था। एम्मा ने इसे पिछली वसंत ऋतु में पहुंचाया था। उसने कहा था कि इसका पता नहीं लगाया जा सकता।"
जिसका कोई सुराग न मिल सके। यह झूठ एम्मा ने स्पष्ट रूप से एक से अधिक बार बोला था। और यही झूठ उसकी जान भी ले सकता था।
मुझे घबराहट होने लगी। अगर एम्मा चोरी की जादुई चीज़ें इधर-उधर ले जा रही थी, तो उसके पास अभिलेखागारों तक पहुँच रही होगी, शायद मुझसे भी ज़्यादा। शायद दर्जनों। कोई भूली हुई, खतरनाक जादूई चीज़ों का संग्रह बना रहा था। और अब मुझे पता चल गया था कि कम से कम एक चीज़ कहाँ पहुँची है।

मैंने कहा, “हमें बात करनी है। अभी।”
बेनीटो ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "तुम्हारे लिए इसकी क्या कीमत है?"
मैंने उसकी निगाहों में देखा। "तुम्हारे लिए तुम्हारे दल की क्या कीमत है?"
माहौल एकदम तनावपूर्ण हो गया। अनकहे परिणामों के बोझ से हवा भी तीखी महसूस हो रही थी।
खेल का स्वरूप बदल चुका था, और वे सभी यह बात जानते थे।
बेनीटो जरा भी नहीं हिचका। वह करीब आया, बाहें बगल में ढीली छोड़ीं, आवाज धीमी लेकिन शांत थी। "तुम्हारे पास मुझे यह समझाने के लिए तीस सेकंड हैं कि यह जबरन वसूली नहीं है। मेरे लोग धमकियों पर आसानी से प्रतिक्रिया नहीं देते।"
मैंने कहा, “मैं धमकी नहीं दे रहा हूँ। मैं चेतावनी दे रहा हूँ। तुम्हारी अलमारी में रखी वो कलाकृति? वो सिर्फ़ खोई नहीं है। उसे चुराया गया है। कोई, शायद एम्मा, या शायद वो लोग जिनके लिए वो काम करती थी, खतरनाक जादुई शक्तियों को मृत क्षेत्रों और तिजोरियों से निकाल रहे हैं। उन्हें नकली चिन्हों के तहत बेच रहे हैं। उनमें से एक ने उसे मार डाला। और अगर उन्हें लगा कि तुम्हें कुछ पता है, तो वे तुम्हारे पीछे भी पड़ेंगे।”
उसका जबड़ा कस गया। "तुम्हें यह नहीं पता।"
मैंने कहा, “मुझे पता है कि उन्होंने मुझे फंसाने की साजिश रची है। मुझे पता है कि एलायंस की नज़र इस शहर पर है। और मैं नकली चिन्ह को पहचानना जानता हूँ। उस सुरक्षा कवच पर मेरे हस्ताक्षर हैं। अगर वे यहाँ तक पहुँच गए, तो वे दस्तक नहीं देंगे। वे तुम्हारी जगह को जलाकर राख कर देंगे।”
उसके जबड़े की एक नस फड़क उठी। उसने लोमड़ी के रूप में बदलने वाले प्राणी की ओर देखा, फिर मेरी ओर।
“तुम्हें क्या चाहिए?” उसने पूछा।
मैंने कहा, "नाम। एम्मा ने जिन लोगों से संपर्क किया था, उनके नाम। उसने आपको जिन लोगों के नाम बताए, या जिनसे वह यहां मिली। मुझे उसके सारे दस्तावेज़ चाहिए, जो भी आपके पास हों।"
उसने इस पर विचार किया, उसकी निगाहें भावहीन थीं। "और मुझे क्या मिलेगा?"
मैंने कहा, “आपकी परिधि के लिए उन्नत सुरक्षा व्यवस्था। तीन परतें। गर्मी और रक्त का पता लगाने वाली, नकल-प्रतिरोधी। आपको अपग्रेड की ज़रूरत थी।”
डेज़ी ने धीमी आवाज़ में सीटी बजाई। "यह तो बहुत कीमती है।"
बेनीटो ने मुझसे नज़रें नहीं हटाईं। "तुम पहले काम करो।"
मैंने कहा, "आधा अभी। आधा जानकारी मिलते ही।"
उसने एक पल के लिए मेरी ओर देखा, फिर एक बार सिर हिलाया। "ठीक है। लेकिन अगर तुमने मुझे धोखा दिया तो..."
मैंने कहा, "मैं ऐसा नहीं करूंगा। क्योंकि अगर आने वाली आपदा के बारे में मेरा अनुमान सही निकला, तो अपने दल को बचाए रखने के लिए आपको भाग्य से कहीं अधिक चीजों की

आवश्यकता होगी।"
बेनीटो पीछे वाले कमरे की ओर मुड़ा। "फॉक्स," वह चिल्लाया। "बक्सा ले आओ।"
हम चुपचाप इंतज़ार करते रहे जब तक कि दुबला-पतला रूपांतरक एक धातु का बक्सा लेकर लौटा और उसे बेनिटो को सौंप दिया। उसने उसे बस इतना खोला कि मुझे चर्मपत्र का किनारा दिखाई दे, पुरानी स्याही की गंध आए और कुछ गहरा सा पदार्थ बाहर आने लगा।
उन्होंने कहा, "इनसे शुरुआत करो। फिर हम देखेंगे कि तुम्हें और कितनी जरूरत है।"
मैंने केस की ओर हाथ बढ़ाया।
कुछ देर बाद, मैं और डेज़ी गैराज के पीछे वाली गली में गए, जहाँ ठंडी ग्रीस और पुरानी गाड़ियों के धुएँ की तेज़ गंध फैली हुई थी। डेज़ी ने झट से सिगरेट जलाई और फिर मेरी तरफ देखा। “तुम वहाँ एकदम जम गए थे। ये तो तुम्हारी आदत नहीं है।”
मैं दीवार से टिककर, स्थिर साँसें ले रहा था। "वह अलमारी पर रखा हुआ वार्ड? मैंने उसे संस्था के लिए बनाया था।"
डेज़ी ने तुरंत कुछ नहीं कहा। "मुझे लगा था कि तुम इस बारे में बात नहीं करते।"
“मैं नहीं कर सकता। मैं नहीं कर सकता। पूरा नहीं।”
वह इंतजार करती रही।
मैंने कहा, “उन्होंने मुझे जेल बनाना सिखाया। लोगों के लिए जाल। जीवों के लिए। सजा देने के लिए बनाया गया जादू। वह सुरक्षा कवच? वह किसी चीज की रक्षा के लिए नहीं बनाया गया था। वह पिशाच की स्वतंत्र इच्छाशक्ति छीनने के लिए बनाया गया था। उसे वश में रखने के लिए। आज्ञाकारी बनाने के लिए।”
डेज़ी ने धीमी सी सीटी बजाई। "और तुम कामयाब हो गए?"
“मुझे करना पड़ा।” मैं रुका। “मुझे लगा कि वह चला गया है। मैंने यह सुनिश्चित किया कि वह चला गया है।”
उसकी निगाहें नरम पड़ गईं, दया से नहीं, बल्कि समझदारी से। "तो हम जितना मैंने सोचा था उससे कहीं ज़्यादा गहरे संकट में हैं।"
“हां,” मैंने कहा। “और अगर कोई मेरे द्वारा नष्ट की गई चीज़ों का पुनर्निर्माण कर रहा है, तो मैं अब सिर्फ एक संदिग्ध नहीं रह जाता।”
मैंने उसकी तरफ देखा, मेरी आवाज कांप रही थी। "मैं एक चेतावनी हूँ।"
डेज़ी ने अपनी सिगरेट की राख झाड़ी और कुछ देर तक मुझे निहारती रही। फिर, असंभव को भी सहजता से संभव कर दिखाने के अपने खास अंदाज़ में उसने कहा, "जानती हो, इतना बोझ ढोने के बावजूद तुम ऐसे चलती हो जैसे तुम्हें अब भी लगता हो कि धरती तुम्हारा कुछ एहसानमंद है।"
मैंने पलकें झपकाईं। "क्या यह तारीफ है?"
उन्होंने कहा, "यह तो बस जीवित रहने की जद्दोजहद है। और शायद थोड़ा प्रभावशाली भी।"
मैंने हंसने की कोशिश की, लेकिन हंसी फीकी निकली। "तुम्हें डर नहीं लगता?"
“तुम्हारे बारे में? नहीं। आने वाले समय के बारे में? हाँ।” उसने अपना कंधा मेरे बगल वाली दीवार से टिका दिया। “लेकिन मैंने इतने राक्षस देखे हैं कि मुझे पता है कि जो आग से बचकर निकल

जाते हैं, उन्हें अक्सर ज़रूरत पड़ने पर उसे फिर से जलाना आता है।”
मैंने तिरछी नज़र से उसकी ओर देखा। "तो बस इतना ही? तुम बस... यहीं रुक रही हो?"
“खुद को इतना महत्व मत दो। मुझे जवाब चाहिए, और तुम ही वो अहम सुराग हो।”
मैं लगभग मुस्कुरा ही दिया था। बस थोड़ा सा।
लेकिन फिर डेज़ी की आवाज़ थोड़ी धीमी हो गई।
“हम उन्हें रोकेंगे,” उसने कहा। “जो कोई भी इन सब के पीछे से सब कुछ नियंत्रित कर रहा है, जो कुछ भी तुम बचकर निकले हो उसे फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है—हम उन्हें रोकेंगे। क्योंकि अगर वे फिर से इस तरह के जादू का इस्तेमाल करने को तैयार हैं, तो वे सिर्फ तुम्हारे लिए ही खतरा नहीं हैं।”
मैंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, "वे सबके लिए खतरा हैं।"
डेज़ी ने अपनी सिगरेट का आखिरी टुकड़ा नाली में फेंक दिया। "बिल्कुल सही।"

हम गैराज से दो ब्लॉक भी आगे नहीं बढ़ पाए।

गली संकरी थी, हल्की रोशनी थी, और किनारे-किनारे बंद कैफे और मुरझाए फूलों के गमले लगे थे। हम एक खाली पैदल मार्ग पार कर रहे थे कि तभी मुझे कुछ महसूस हुआ—हवा में एक बदलाव, इतना सूक्ष्म जैसे बोलते-बोलते सांस रुक गई हो। दुनिया की सतह के नीचे कुछ अजीब और गलत चीज़ सरक गई।

“रुको,” मैंने सहज ही कहा, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। पत्थरों पर एक झिलमिलाहट फैल गई। दुनिया अचानक एक भयानक मोड़ के साथ साफ दिखाई देने लगी, और शक्ति की एक लहर मेरे जूतों के तलवों से होकर गुज़र गई। मेरे सुरक्षा कवच चीख उठे, प्रतिक्रियात्मक जादू मेरी त्वचा पर भड़क उठा।

डेज़ी एक हाथ में चाकू लिए नीचे झुक गई, उसकी आँखें बेतहाशा इधर-उधर देख रही थीं। "यह सब क्या था?"

“हम पकड़े गए,” मैंने हांफते हुए कहा। मेरी निगाहें पत्थर में बुने हुए चमकते धागों पर टिक गईं। “यह मेरा ही है।”

उसने मेरी तरफ पलकें झपकाईं। "क्या तुमने इसे बनाया है?"

“कई साल पहले की बात है। कोई मेरे पुराने पैटर्न का दोबारा इस्तेमाल कर रहा है।”

जलती हुई आग की लपटों की तरह फुटपाथ से चिन्ह चमक उठे, सर्पिल, कांटे और बांधने वाले हुक टिमटिमाते लाल-सुनहरे रंग में उकेरे गए थे। मैंने तुरंत ही उस क्रम को पहचान लिया। न केवल शैली, बल्कि इरादा भी। मेरा ही काम, विकृत। यह संस्करण केवल एक जाल नहीं था, बल्कि एक शक्ति सोखने वाला यंत्र था। शक्ति को सोखने, भागने के रास्ते बंद करने और पूरी प्रक्रिया को रिकॉर्ड करने के लिए बनाया गया था।

यह ठंडे तार की तरह मेरी रीढ़ की हड्डी में लिपट गया, और मेरे सिर के निचले हिस्से में दहशत पैदा कर दी। एक अदृश्य पट्टा, जो जीवित था और कसता जा रहा था।

डेज़ी ने दांत पीसते हुए, बढ़ते हुए बंधन से जूझते हुए कहा, "क्या आप इसे निष्क्रिय नहीं कर सकते?"

"मैं इसे वापस नहीं बना सकता, जिसने भी इस संस्करण को बनाया है उसने ढहने वाली परत में गड़बड़ी की है।"

"मतलब?"

"अगर मैं इसे उलटने की कोशिश करूंगा, तो इससे एक के बाद एक कई गड़बड़ियां हो जाएंगी और हम दोनों जलकर खाक हो जाएंगे।"

उसका चेहरा पीला पड़ गया। "तो हम सचमुच मुसीबत में फंस गए हैं?"

“नहीं,” मैंने गहरी सांस लेते हुए कहा। “मुझे सिंक्रोनाइज़ेशन पूरा होने से पहले ही इसे तोड़ना होगा।”

मैंने अपना आकर्षण त्याग दिया, जादू बेकाबू होकर फैल गया। हवा में एक झनझनाहट हुई। गर्मी और सुरक्षा की किरणें बिजली की नसों की तरह मेरी त्वचा पर नाचने लगीं। मैंने अपने भीतर गहराई तक हाथ बढ़ाया और खींचा। फुसफुसाते हुए आदेश से मैंने बंधन चिन्ह को तोड़ दिया। जादू एक झटके के साथ मेरे भीतर से निकला, सुरक्षा रेखाओं को चकनाचूर कर दिया। ज़मीन टेढ़ी-मेढ़ी चापों में जगमगा उठी, पत्थर उस ऊर्जा के विस्फोट से झुलस गए। जाल चीख उठा, मुझे रोकने के लिए बेताब था, लेकिन मैं पहले ही उसे पार कर चुकी थी। दबाव ऐसे टूटा जैसे कोई हड्डी वजन के नीचे टूट रही हो। फिर, सन्नाटा छा गया। डेज़ी मेरे बगल में लड़खड़ाते हुए सीधी खड़ी हुई, हवा में अभी भी चिंगारियां बिखेर रहे जादू के धुंध में उसकी आंखें झपकीं।

"वो तो..." उसने अपना सिर हिलाया, मानो उसके पास कहने के लिए शब्द ही न हों। "वो तो बहुत डरावना था। और एक तरह से खूबसूरत भी।"

मैंने उसकी ओर देखा, उसकी छाती अभी भी तेजी से ऊपर-नीचे हो रही थी। "तुम ठीक हो?"

"मैं? तुमने तो फुटपाथ को चीर डाला और सड़क को किसी पवित्र जलते हुए प्रतीक की तरह चमका दिया। मैं ठीक हूँ। क्या तुम ठीक हो?"

मैंने उसे सिर हिलाकर सहमति दी। "यह बीत जाएगा। बस थोड़ा सा जादुई असर है।"

उसने तुरंत कुछ नहीं कहा। बस मुझे घूरती रही, मानो मुझे एक नए नजरिए से देख रही हो। "तुमने आखिरी पल तक सब कुछ अपने अंदर दबाए रखा, है ना? जब मैं अभी भी यह समझने की कोशिश कर रही थी कि सही रास्ता क्या है, तब तक तुमने उस जाल को पूरी तरह से सुलझा लिया था।"

मैंने कहा, "मैंने इसे बनाया था। मुझे पता था कि इससे कितना दर्द हो सकता है। मुझे पता था कि यह कितनी जल्दी ढह जाएगा। मेरे पास अनुमान लगाने का समय नहीं था।"

डेज़ी ने धीमी, प्रशंसा भरी सीटी बजाई। "मुझे पता था कि तुम अच्छे हो। लेकिन वाह! यह तो कमाल था। तुमने न सिर्फ जाल तोड़ा, बल्कि उसे पूरी तरह से नष्ट कर दिया। मानो उसका अस्तित्व ही न हो।"

मैंने कोई जवाब नहीं दिया। मुझमें अहंकार नहीं था, बस मजबूरी थी। लेकिन डेज़ी के शब्दों ने मेरे दिल को सुकून दिया। एक उम्मीद की किरण जगी, न सिर्फ़ अपनी क्षमताओं पर, बल्कि उस चीज़ पर भी जो मैंने न बनने का फ़ैसला किया था। हम धमाके के केंद्र से लड़खड़ाते हुए बाहर निकले, मेरी छाती ज़ोर-ज़ोर से धड़क रही थी, उंगलियों से धुआँ निकल रहा था। जले हुए पत्थरों की गंध हवा में फैली हुई थी, जिसमें ओज़ोन और जलते हुए चिह्नों की महक मिली हुई थी।

डेज़ी के बूट फुटपाथ से रगड़ खा गए। "हे भगवान!" उसने कहा। "यह जादू नहीं था। यह तो विध्वंस था।"

मैं अभी जवाब नहीं दे सका। उस घटना का दर्द अभी भी मेरे सीने में गूंज रहा था। उस जादू ने मुझे जितना नुकसान पहुंचाया था, मैं उसे स्वीकार नहीं करना चाहता था। तभी मुझे महसूस हुआ, किसी की निगाहें हम पर टिकी हैं। परछाई में एक हल्का सा बदलाव, हलचल इतनी धीमी कि स्वाभाविक नहीं लग रही थी। मैंने ऊपर देखा। सड़क के उस पार एक छत पर एक आकृति खड़ी थी। आसमान के सामने उसकी परछाईं धुंधली सी दिख रही थी, कोट हवा में लहरा रहा था।

पीली त्वचा। आंखें दो अंगारों की तरह धीमी जल रही थीं। पिशाच। और उसके हाथ में एक क्रिस्टल लेंस था। फोकस किया हुआ। स्थिर। रिकॉर्डिंग कर रहा था। वह फिल्म बना रहा था।
मैंने कर्कश आवाज में कहा, "डेज़ी, हमारी स्थिति खतरे में है।"
उसने मेरी निगाहों का पीछा किया और धीमी आवाज़ में कहा, "तुम मज़ाक कर रहे हो क्या?"
वह जाल महज एक जाल नहीं था। वह एक उकसावा था। एक साजिश थी।
“वे देखना चाहते थे कि तुम क्या करोगे,” डेज़ी ने ठंडी आवाज़ में कहा। “और अब उन्हें सब पता चल गया है। टेप पर।”
पिशाच पलक झपकते ही गायब हो गया, जितनी तेजी से सोचा भी नहीं जा सकता था।
मेरी मुट्ठियाँ कस गईं। मैंने कहा, "कोई मेरा बयान रिकॉर्ड करवाना चाहता था। कोई मेरी क्षमताओं का सबूत चाहता था।"
डेज़ी मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई, उसकी निगाहें तीखी थीं। "और अब तो सारी अलौकिक दुनिया तुमसे पूछने लगेगी कि तुम किस तरफ हो।"
मैंने तुरंत जवाब नहीं दिया। मेरी धड़कन अभी भी अनियमित थी, जादू की गड़गड़ाहट मेरे अंगों से दूर होती जा रही थी, जैसे गरज दूर जाकर गायब हो जाती है। "वे मुझे सबके सामने लाना चाहते हैं," मैंने आखिरकार कहा। "वे शक्ति का प्रदर्शन करना चाहते हैं—इसलिए नहीं कि वे इससे डरते हैं। बल्कि इसलिए कि वे इसे हासिल करना चाहते हैं।"
डेज़ी ने भौंहें चढ़ा लीं। "खरीदारी?"
"हाउस कोरविनी ने मुझे एक प्रस्ताव दिया। आत्मा को बांधने वाला बंधन। वे चाहते हैं कि मैं ऐसा बंधन बनाऊं।"
उसका चेहरा एकदम ठंडा पड़ गया। "तुमने मना कर दिया?"
"बेशक मैंने मना कर दिया।"
डेज़ी उस छत की ओर देखती रही जहाँ से पिशाच गायब हो गया था। "और अब ये? उन्होंने तुम्हें फंसाया ताकि दिखा सकें कि अगर वे तुम्हें अपना बना लें तो तुम क्या कर सकते हो।"
मैंने कहा, "उन्हें साथी नहीं चाहिए। उन्हें हथियार चाहिए। एक ऐसा हथियार जिसका कोई नाम हो, कोई किंवदंती हो, और जिस पर पट्टे के कोई निशान दिखाई न दें।"
डेज़ी ने अपनी बाहें मोड़ लीं। "तो क्या हुआ, वे वैम्पायर अभिजात वर्ग में भर्ती के लिए फिल्म रीलें भेज रहे हैं?"
"शायद ऐसा पहले से ही हो रहा है।" मैंने टूटी हुई पत्थर की सड़कों पर एक नज़र डाली, जिनसे अभी भी धुआँ चेतावनी भरी साँस की तरह ऊपर की ओर उठ रहा था।
"वे सोचते हैं कि अगर वे मुझ पर काफी दबाव डालेंगे, तो मैं टूट जाऊंगा। या झुक जाऊंगा।"
“क्या तुम ऐसा करोगे?” डेज़ी ने धीमी आवाज़ में पूछा।
“नहीं,” मैंने कहा। “लेकिन उन्हें लगता है कि मैं हताश हो जाऊँगा। और हताश लोग ऐसे सौदे कर बैठते हैं जिनका उन्हें बाद में पछतावा होता है।”
डेज़ी ने धीरे से सिर हिलाया। “तो फिर हम उनसे आगे रहेंगे। हम पता लगाएंगे कि इसके पीछे कौन है। और हम इसे तब तक खत्म कर देंगे जब तक उन्हें यह न लगे कि तुम बिकने वाले हो।”

मैंने उसकी ओर रुख किया, मेरे सीने में अभी भी उस प्रतिक्रिया का दर्द था, उस सच का दर्द जो मैंने खुलकर बोल दिया था। "डेज़ी, तुम मेरी मदद क्यों कर रही हो?"

उसने तुरंत जवाब नहीं दिया। बस अपने हाथ कोट की जेबों में डाले और सड़क को ऐसे देखने लगी जैसे भूतों को गिन रही हो।

अंत में उसने कहा, "मैंने तुमसे कहा था। तुम ही हो वो जलता हुआ सुराग।"

मैंने उसे एक नजर से देखा।

उसने आंखें घुमाईं। "ठीक है, मान लिया। तुम ही इकलौती हो जो इस बात को लेकर झूठ नहीं बोलती कि हम सब कितने बुरे हाल में हैं। यह बात लोगों की सोच से कहीं ज़्यादा मायने रखती है।"

मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "बस इतना ही?"

डेज़ी हिचकिचाई, फिर तिरछी नज़र से मेरी तरफ देखा। “तुम उनसे बच गए। उस संगठन से। सबसे बुरे दौर से। और फिर भी तुम उनके जैसा न बनने का चुनाव करके घूमते हो। यही बात तुम्हें एक ऐसे तरीके से खतरनाक बनाती है जिसकी लोग उम्मीद नहीं करते।”

उसकी आवाज़ थोड़ी नरम हो गई, बस इतनी कि उसका असर और गहरा हो जाए। “मैंने बहुत से टूटे हुए लोगों को देखा है। तुम? तुमने तो पिंजरा ही तोड़ दिया। मैं इस बात का सम्मान करती हूँ।”

वह खामोशी एक बार फिर हमारे बीच छा गई, गहरी और सच्ची।

अंततः मैंने कहा, "धन्यवाद।"

वह मुस्कुराई। "मुझ पर भावुक मत हो, सैन्ज़। हमें अभी भी एक साजिश का पर्दाफाश करना है और कुछ पिशाचों को नाराज करना है।"

अध्याय तेरह

हम सुबह की धुंध का फायदा उठाकर चुपके से सुरक्षित ठिकाने पर लौट आए। मेरी उंगलियों में अभी भी जादू का असर महसूस हो रहा था, और हर सुरक्षा घेरा, जिसके पास से मैं गुज़रा, मानो उसे पता हो कि मैंने क्या किया है, गूंज रहा था। मैं सोया नहीं था। सोना नहीं चाहता था। सो नहीं सका। फिलहाल तो सुरक्षित था। डेज़ी ने केस को छोटी मेज़ पर रख दिया और जवाबों के लिए तरस रही औरत की तरह उसके अंदर की चीज़ों को खंगालने लगी।

"यह बहीखाता," उसने बुदबुदाते हुए पुराने चर्मपत्र और मुहरबंद पन्नों को पलटा। "उसने सब कुछ दर्ज किया है। नाम, परिवार, व्यापार, सब कुछ। यह... व्यवस्थित है। ज़रूरत से ज़्यादा व्यवस्थित।"

मैं उसके पीछे खड़ा हो गया और उसके कंधे के ऊपर से झाँका। लिखावट एम्मा की थी, अलंकृत और घमंड से भरी हुई। हर पन्ना कुछ हद तक स्वीकारोक्ति और कुछ हद तक बीमा पॉलिसी जैसा था।

मैंने कहा, "उसे हमेशा दिखावा करना पसंद था। यहां तक कि टैटू बनवाने में भी।"

लेकिन जैसे-जैसे नामों की सूची बढ़ती गई, मेरे मन में बेचैनी बढ़ती गई। मुझे लगा कि मुझे जवाब चाहिए। लेकिन उस बहीखाते की हर पंक्ति मुझे किसी नए भूत की तरह लग रही थी जो मेरी पीठ पर रेंग रहा हो। पन्ने दर पन्ने ग्राहकों के नाम लिखे थे, और अचानक, वहाँ खून से स्याही से खुदा हुआ एक पिशाची कुलीन चिन्ह, मोम से उकेरा हुआ एक रूप बदलने वाले परिवार का चिह्न, और उनके नीचे, सांकेतिक संदर्भ थे जिन्हें मैं कुछ ही सेकंड में समझ सकता था।

वह ऐसे लोगों के साथ काम कर रही थी जो इतने शक्तिशाली थे कि उन्हें ना कहना नामुमकिन था, और इतने अहंकारी थे कि उन्हें छुपाना भी मुश्किल था।

डेज़ी ने वार्ड के एक लेन-देन के पास रखे नोटों की एक लड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा, “यह हाउस कोरविनी से जुड़ा है। यहाँ, इस डिलीवरी में एक मिमिक रून जड़ा हुआ था। और यह वाला... धिक्कार है। सलामांका का एक दुष्ट समूह। क्या उन्हें पिछले साल ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया था?”

“ब्लैकलिस्ट किया गया और चुपचाप बरी कर दिया गया। राजनीति।”

जैसे-जैसे हम आगे पढ़ते गए, वैसे-वैसे मामले और भी पेचीदा होते गए। ऐसे सुरक्षा कवच जिनका अस्तित्व ही नहीं होना चाहिए था। खून के समझौते, मानसिक दमनकारी उपाय, दबाव की परतें, सब कुछ निजी तौर पर किया गया था। सब कुछ एहसान और सुरक्षा के बदले चुकाया गया था। यह सिर्फ़ लापरवाही नहीं थी। यह जानबूझकर किया गया था। मैं काउंटर से टिक गया, जी मिचला रहा था। हर नाम जो हमने उजागर किया, वह एक संभावित संदिग्ध था। हर लेन-देन एक मकसद था। मैंने कहा, "मुझे लगा था कि उसके हत्यारे को ढूंढने से मामला सुलझ जाएगा। लेकिन यह... इसमें हर कोई शामिल है। हर किसी के पास उसे चुप कराने का कोई न कोई कारण था।"

डेज़ी ने कोई बहस नहीं की। उसकी चुप्पी ने सब कुछ कह दिया। वह आरामकुर्सी पर बैठ गई, बहीखाता अभी भी उसकी गोद में खुला था। दीवारों पर लगे अलार्म हल्के से बज उठे, मानो उन्हें इस बात का एहसास हो गया हो कि हम किस बात को छिपा रहे हैं।

“यह सिर्फ बुरा कारोबार नहीं है। यह ब्लैकमेल करने का एक तरीका है। वह सिर्फ जादू नहीं कर रही थी। वह इस बात पर नज़र रख रही थी कि जादू कहाँ जाता है।”

मैंने सुन्न होकर कहा, "वह एक नक्शा बना रही थी, जिसमें यह दिखाया गया था कि कौन क्या इस्तेमाल कर रहा है और अगर वे नियम तोड़ते हैं तो उन्हें कैसे दंडित किया जाए।"

और अब यह आपके पास है।

मैंने धीरे से सिर हिलाया। “नहीं। अभी तो मैंने इसे अपने पास रखा है। लेकिन अगर यह बात फैल गई, अगर लोगों को लगा कि मैं इसका इस्तेमाल करने वाला हूँ?”

"वे तुम्हें मार डालेंगे," डेज़ी ने सीधे-सीधे कहा।

मैं ज़रा भी नहीं हिचकी। मुझे पहले से ही पता था। सच्चाई मेरे पेट में भारीपन लिए बैठी थी। एम्मा निर्दोष नहीं थी, लेकिन वह इस तरह मरने की हकदार भी नहीं थी। और जिसने भी उसे मारा था, उसने घबराहट में ऐसा नहीं किया था। उन्होंने एक संदेश देने के लिए ऐसा किया था। साफ-सुथरा, पेशेवर और सोची-समझी साजिश। ये सभी निशानियाँ उन लोगों की हैं जो अपने मकसद को लेकर गंभीर हैं। और अब सुराग कई दिशाओं में इशारा कर रहे थे। पिशाच, भेड़िये, चुड़ैलें, बागी एजेंट। इसमें कोई हैरानी नहीं कि एलायंस ने मुझे अपने निशाने पर ले रखा था।

मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "मैं उन्हें कभी नहीं ढूंढ पाऊंगी। इस गड़बड़ में तो बिल्कुल नहीं। खासकर तब जब वे सब किसी न किसी अपराध के दोषी हैं।"

डेज़ी ने बहीखाता बंद कर दिया। उसके हाथ स्थिर थे। "वे इसी बात का इंतज़ार कर रहे हैं। कि तुम इतना परेशान हो जाओगी कि खोदना बंद कर दोगी।"

मैंने उसकी ओर देखा। "और तुम?"

डेज़ी मुस्कुराई, लेकिन उसकी मुस्कान उसकी आँखों तक नहीं पहुँची। "मैं आसानी से हार नहीं मानती। और मैं कभी रुकती नहीं।"

इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, बहीखाते के पन्नों के बीच से कुछ फिसलकर ज़मीन पर गिर गया। एक तस्वीर। मैंने उसे उठाया। वह पुरानी और मुड़ी हुई थी। उस पर एक ऐसा चिन्ह भी अंकित था जिसे मैंने वर्षों से नहीं देखा था, अर्धचंद्र और वृत्त का वह चिह्न जिसका उपयोग संगठन 'निगरानी विषयों' को दर्शाने के लिए करता था। तस्वीर में एम्मा किसी ऐसे व्यक्ति के बगल में खड़ी थी जिसे मैं नहीं पहचानती थी। पुरुष। मुंडा हुआ सिर। चौड़े कंधे। और उनके पीछे, मुश्किल से दिखाई दे रहा था, एक अनुष्ठान कक्ष का भीतरी भाग। उसी प्रकार का कक्ष जिसका उपयोग संगठन करता था। मेरी सांस अटक गई। मैंने तस्वीर के पीछे हाथ बढ़ाया और उसे पलट दिया। निर्देशांकों की एक पंक्ति। और एक तारीख।

डेज़ी थोड़ा आगे झुकी। "यह एक सुराग है, है ना?"

मैंने धीरे से सिर हिलाया। "यह और भी बुरा है। यह एक ऐसा संबंध है जिसके अस्तित्व के बारे में मुझे पता ही नहीं था।"

उसने आंखें सिकोड़कर पूछा, "किसे?"
मैंने कहा, "मेरे लिए। और शायद एम्मा की मौत का कारण भी यही था।"
मैंने तस्वीर को फिर से पलटा और निर्देशांकों को इस तरह देखा जैसे वे अपने आप किसी सुरक्षित स्थान में बदल जाएँ। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वे मॉन्टसेनी पहाड़ों के भीतर एक सुनसान, एकांत, प्राचीन सुरक्षा कवच से सुरक्षित और पूरी तरह से नेटवर्क से बाहर स्थित जगह की ओर इशारा कर रहे थे। ठीक वैसी जगह जहाँ संगठन तब जाया करता था जब वे नहीं चाहते थे कि उन्हें कोई खोजे।
डेज़ी मेरे पीछे-पीछे चक्कर लगा रही थी, उसके बूट कालीन पर चुपचाप चल रहे थे। "अगर एम्मा वहाँ किसी से मिल रही थी, तो वह सिर्फ़ संगठन से जुड़ी नहीं थी। उस पर नज़र रखी जा रही थी। शायद उसका इस्तेमाल किया जा रहा था।"
“या शायद वह किसी और भी बुरी चीज़ का हिस्सा थी,” मैंने कहा। “अगर उसने पाला बदल लिया, अगर उसने उन्हें धोखा दिया, या अगर वह अंदर किसी की मदद कर रही थी...”
यह सोचकर ही मुझे घिन आने लगी।
डेज़ी ने टहलना बंद कर दिया। “हमें उस जगह की जाँच करनी होगी। जल्द ही। इससे पहले कि जिसने भी वह तस्वीर छोड़ी है, उसे पता चले कि वह तुम्हारे पास है।”
मैंने तस्वीर को सावधानी से बहीखाते में वापस रख दिया, ध्यान रखा कि वह मुड़े नहीं। मेरी उंगलियां एक पल के लिए थोड़ी कांप उठीं। “तो चलिए चलते हैं,” मैंने कहा। “कल। सुबह होते ही।”

अध्याय चौदह

मॉन्टसेनी के जंगल ने हमारा स्वागत नहीं किया। वह हमें देखता रहा। पेड़ एक-दूसरे के बहुत करीब झुके हुए थे, उनकी शाखाएँ ऊपर पुरानी हड्डियों की तरह गुंथी हुई थीं। जैसे-जैसे हम अंदर जाते गए, दुनिया और शांत होती गई, न पक्षियों का चहचहाना, न हवा, बस हमारे जूतों की चरमराहट और मेरे जासूसी यंत्र की हल्की सी गूंज। सन्नाटा चारों ओर से भारी और अस्वाभाविक रूप से घेर रहा था, मानो कोई साँस बहुत देर तक रोकी रही हो।

डेज़ी ने बुदबुदाते हुए कहा, "ऐसा लगता है जैसे जंगल हमें वहां से भगाना चाहता है।"

“शायद करते हैं।” मैंने पेड़ों की कतार के साथ एक हल्की सी झिलमिलाहट की ओर इशारा किया, बस एक लहर, जैसे डामर पर गर्मी। “यह वार्ड की सीमा है। आकर्षण को छुपाए हुए। पुराना।”

“ऑर्डर पर काम?” उसने पूछा।

मैंने सिर हिलाया। “गहरी परतें। किसी ने इस जगह को भुलाए रखने के लिए बहुत मेहनत की है।”

सीमा पार करना मानो ठंडे कोहरे में उतरने जैसा था। जादू मेरी त्वचा से चिपक गया, चिपचिपा और धातु जैसा। इसका स्वाद जंग और यादों जैसा था, मानो किसी चीज़ को ज़िंदा दफ़न कर दिया गया हो।

मेरे बगल में बैठी डेज़ी कांप रही थी। "यह किसी कब्रिस्तान जैसा लग रहा है।"

"यह है।"

हमने तस्वीर के पीछे खुदे निर्देशांकों का अनुसरण करते हुए एक घुमावदार ढलान पर चढ़ाई की, जब तक कि जंगल एक असामान्य रूप से गोल खुले मैदान में नहीं बदल गया, मानो आग या किसी अनुष्ठान से बना हो। उसके केंद्र में एक अधखंडित चैपल झुका हुआ था, जो काई से ढका हुआ था और समय के साथ जर्जर हो चुका था। पेड़ों की जड़ें पत्थर की नींव को भेद रही थीं। खुले मैदान के किनारे पर काले झुलसे हुए निशान मकड़ी के जाले की तरह फैले हुए थे, जो चारों ओर फैलती हरियाली से लगभग छिपे हुए थे।

“यहाँ कुछ हुआ है,” डेज़ी ने धीमी आवाज़ में कहा। “कुछ भयानक।”

“यह तो किसी धार्मिक आदेश पर बना है,” मैंने आधे मिट चुके चिह्नों से खुदी हुई एक टूटी-फूटी पत्थर की सीढ़ी के पास झुकते हुए कहा। “यह एक धार्मिक स्थल है। एक पवित्र स्थान।”

“खोखला?” डेज़ी ने दोहराया।

“जादुई अवशेषों को मिटाने के लिए संरक्षित स्थान। इरादों को छुपाने के लिए। यादों को दफनाने के लिए। आप यहां कोई जादू करते हैं, और धरती भूल जाती है कि ऐसा कभी हुआ भी था।”

उसने गहरी साँस छोड़ी और नज़रें मैदान पर घुमाईं। "हत्या के लिए एकदम सही जगह।"

पत्थर का दरवाज़ा खोलते ही चरमरा उठा। अंदर की हवा किसी दीवार की तरह टकराई, नम, बासी, एक ऐसी खामोशी से भरी हुई जो प्राकृतिक दुनिया में नहीं पाई जाती थी। मेरे सुरक्षा

कवच मेरी त्वचा पर फड़फड़ाने लगे, बेचैनी से। कमरा संकरा और गोलाकार था। आधा मंदिर, आधा पिंजरा। इसकी दीवारें थोड़ी अंदर की ओर झुकी हुई थीं, जिससे ऐसा लग रहा था मानो चारों तरफ से दबा हुआ हो। यह जगह दमन और अलगाव के लिए बनाई गई थी। दीवारों पर संकेंद्रित वृत्तों में मंत्र उकेरे गए थे, जो रक्षात्मक, बंधनकारी और बलि का प्रतीक थे। फर्श के सबसे करीब वाले चिन्ह पुराने और दरारों से भरे थे। ऊपर वाले? नए। इतने ताज़े कि उनमें से खून निकल रहा था। जली हुई राख फर्श पर कालिख की तरह फैली हुई थी, जिसे केवल एक जोड़ी पैरों के निशान से ही छुआ जा सकता था। कोई यहाँ आया था। कोई ऐसा जो जानता था कि कहाँ कदम रखना है।

डेज़ी एक टूटी हुई सुरक्षा रेखा के पास घुटनों के बल बैठ गई और अपनी उंगलियों से उस पर बनी टेढ़ी-मेढ़ी नक्काशी को सहलाने लगी। “किसी ने इसमें गड़बड़ी की है। अभी हाल ही में। इन कटों को देखो, ये समय के साथ नहीं बने हैं। कोई नहीं चाहता था कि यह जादू पूरा हो।”

“या फिर वो इसे किसी के मिलने से पहले ही मिटाना चाहती थी।” मैं उसके बगल में झुककर धूल का ढेर झाड़ने लगी। तभी मेरा हाथ किसी सख्त, धातु जैसी चीज़ से टकराया।

मैंने धूल हटाई और मुझे बिखरी हुई नकली आकृति दिखाई दी। उसका क्रिस्टल कोर बीच से फट गया था, लेकिन उस पर बनी आकृति अभी भी हल्की चमक रही थी। "जिस किसी ने भी इसे बनाया था, वह किसी और का रूप धारण करने की कोशिश कर रहा था।"

“कौन?” डेज़ी ने पूछा।

“मुझे अभी पता नहीं है। लेकिन इस तरह की नकल? यह आम स्तर की नहीं है। यह किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा की गई है। उस तरह की नकल जो संगठन सिखाया करता था।”

वह चुप हो गई।

टूटी-फूटी वेदी में एक कागज़ का टुकड़ा दबा हुआ था, जो एक ऐसे जादुई मंत्र से सुरक्षित था जो अब लगभग निष्क्रिय था। मैंने हाथ बढ़ाकर उसे धीरे से बाहर निकाला। एक डायरी का पन्ना। एम्मा की लिखावट नहीं थी। मोटे अक्षरों में। पुरुष की लिखावट। मैंने लिखावट पढ़ी, "वह अभी तैयार नहीं है। लेकिन कवच अभी भी टिका हुआ है। अगर हम उसे वैलेंसिया नोड तक ले जा सकें, तो उसे निकालना संभव है।" मैं पन्ने को घूरता रहा, मेरा गला भर आया। "निकालना," मैंने फुसफुसाया। "जैसे स्मृति को खींचना। या इससे भी बुरा—पहचान चुराने वाला जादू।"

डेज़ी ने ऊपर देखा, उसकी भौंहें तन गईं। "क्या कोई उसे बदलने की कोशिश कर रहा था?"

“नहीं। वे उसका इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे थे। उसे खोखला करने की कोशिश कर रहे थे। उसके चेहरे, उसके नाम, शायद उसकी शक्ति का भी इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे थे।”

डेज़ी धीरे-धीरे खड़ी हुई, उसके चेहरे पर उदासी छा गई। "किस तरह का जादू इसकी इजाज़त देता है?"

मैंने कहा, "ऐसा जो पहले आपके अंदर कुछ तोड़ दे।"

दूर वाली दीवार के पास, मुझे पुरानी राख में आधा दबा हुआ एक टूटा हुआ दर्पण का टुकड़ा मिला। उसके किनारे पर, पुराने खून से खुदा हुआ, एक नाम आंशिक रूप से मिटाया गया था -

सिवाय आखिरी कुछ अक्षरों के।
परिचित। बहुत ज्यादा परिचित।
मेरा असली नाम।
डेज़ी ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और मुझे सहारा दिया। "सांज़।"
मैं उससे नज़रें नहीं हटा सका। "मुझे पता है।"
हवा का एक झोंका चला। नहीं, कुछ और। शक्ति की एक हल्की सी आहट, मानो कोई पुराना जादू जाग उठा हो। कक्ष की हवा बदल गई। केंद्र में एक चमकती हुई झिलमिलाहट बनने लगी, पहले धीरे-धीरे धड़कती हुई, फिर एक स्त्री की आकृति में बदल गई। एम्मा। असल में वह नहीं, एक प्रतिध्वनि। समय में जमी हुई एक स्मृति। वह झिलमिला उठी, उसकी छवि किनारों से टूट रही थी। उसकी आवाज़ लड़खड़ाती हुई सुनाई दी: "वह आ रहा है... मुझे नहीं पता था... यह मेरी मर्ज़ी नहीं थी... उसने कहा था कि तुम..." प्रकाश भड़क उठा। स्मृति के चारों ओर बने प्रतीकों में एक चेतावनी भरी आहट।
मैंने आगे बढ़ते हुए कहा, "रुको।"
लेकिन बहुत देर हो चुकी थी।
एक तीखी आवाज गूंजी। गूंज हजारों प्रकाश और धुएं के कणों में बिखर गई, जैसे ही विलोपन सुरक्षा कवच सक्रिय हुआ।
“धिक्कार है!” डेज़ी चिल्लाई। “उन्होंने उसे सिर्फ मारा ही नहीं, बल्कि मिटा दिया। जैसे वह कोई खोखला धागा हो।”
मैं वहीं जम गया, खाली कमरे में वे शब्द गूंजते रहे।
“उन्होंने मुझे इस तरह के मंत्र बनाना सिखाया। लेकिन यह? यह तो किसी उच्च पदस्थ व्यक्ति ने किया है। किसी ऐसे व्यक्ति ने जिसे मेरी ही तरह प्रशिक्षित किया गया हो।”
डेज़ी ने मेरी तरफ देखा, उसके चेहरे के भाव समझ से परे थे। "तुम्हें लगता है कि यह तुम्हारे अतीत का कोई व्यक्ति है?"
मैंने कहा, "मुझे नहीं लगता। मुझे पता है।"
मैं आगे बढ़ा और ज़मीन पर बने आखिरी प्रतीक के किनारे को छुआ। वह बहुत गर्म था, हद से ज़्यादा गर्म। दर्द आग की तरह मेरी बांह में फैल गया।
जादू का पलटवार मुझ पर ज़ोरदार प्रहार हुआ, ठंडी, बिजली जैसी पीड़ा मेरी रीढ़ की हड्डी में दौड़ गई। मेरा शरीर धड़ाम से दीवार से टकराया। उस जाल की गूंज मेरे खून में समा गई थी। एक आखिरी सुरक्षा कवच। यह एक संदेश भी था और एक अभिशाप भी। उन्हें पता था कि मैं यहाँ आऊँगी। मेरी साँसें तेज़ हो गईं। मेरे शरीर की हर कोशिका चीख उठी।
डेज़ी ने मुझे ज़मीन पर गिरने से पहले ही पकड़ लिया। "सांज़!"
दर्द के बावजूद मैंने पलकें झपकाईं, मेरी दृष्टि धुंधली हो रही थी।
“ऐसा कौन करेगा भला?” उसने गुस्से से पूछा।
मैंने उसकी ओर से परे टूटे हुए प्रतीक की ओर देखा। उस खरोंच वाले दर्पण की ओर। उस स्थान की ओर जहाँ कभी एम्मा की आवाज़ गूंजती थी।

मैंने कहा, "कोई ऐसा व्यक्ति जो अपना शुरू किया हुआ काम पूरा करना चाहता है। और उसका काम अभी खत्म नहीं हुआ है।"

अध्याय पंद्रह

मोंटजुइक के नीचे की सुरंगें किसी नक्शे पर नहीं थीं। वे किले की पहाड़ी के नीचे भूली हुई नसों की तरह फैली हुई थीं, पुराने प्रतिरोध बंकरों, तस्करों के ठिकानों और गृहयुद्ध के बचे हुए फांसी के तहखानों से होकर गुजरती थीं। पत्थर हर चीख को याद रखते थे। हर राज़ को। और अब, वे फिर फुसफुसा रहे थे। प्रवेश द्वार एक जंग लगा हुआ दरवाज़ा था जो एक बंद पड़े ट्राम स्टेशन के ढांचे के पीछे छिपा हुआ था। टूटी हुई टाइलों की दीवारों पर काई जमी हुई थी, और हमारे ऊपर संत जॉर्ज का एक पुराना भित्तिचित्र उखड़ता हुआ ऐसा लग रहा था जैसे उन्होंने अपना आखिरी ड्रैगन खो दिया हो। डेज़ी ने एल बोर्न में एक आधे-फे जेबकतरे से खरीदी हुई एक चाबी से दरवाज़ा खोला। यह ताबूत के ढक्कन की तरह चरमराया। गंध ने सबसे पहले मुझे जकड़ा। यह ओजोन, जलती हुई जड़ी-बूटियों और किसी पुरानी चीज़ का मिश्रण था, जैसे किसी बंद चर्च में बहुत देर तक रखी हुई धूप।

"इसमें हताशा और अत्यधिक महंगी औषधियों की बू आ रही है," डेज़ी ने बुदबुदाते हुए कहा।

हम बार्सिलोना के एक ऐसे भूमिगत हिस्से में उतरे जिसके अस्तित्व के बारे में ज़्यादातर स्थानीय लोगों को पता ही नहीं था, एक ऐसी जगह जहाँ गोथिक क्वार्टर की छाया सूरज की रोशनी से भी कहीं ज़्यादा गहरी थी। काला बाज़ार गुप्त विद्या और अवैध महत्वाकांक्षाओं से भरा हुआ था। गुंबददार छतों पर लालटेनें लहरा रही थीं, उनकी लौ जादुई अग्नि से नीली थी। कैनवास के तंबुओं और टूटते पत्थरों पर कैटलन लिपि में मंत्र चमक रहे थे। विक्रेता जादुई जैमोन, बोतलों में बंद स्मृतिवर्धक पेय और रोमन खंडहरों के नीचे से खोदी गई प्राचीन वस्तुएँ बेचते हुए दबी आवाज़ में मंत्र बुदबुदा रहे थे। हम एक ऐसे स्टॉल के पास से गुज़रे जो शापित लॉटरी टिकट बेच रहा था और दूसरे स्टॉल पर असली फ्लेमेंको की बोतलें बिक रही थीं, असली फ्लेमेंको, वो फ्लेमेंको जो खून और भूतों को झकझोर देता था।

यह एक जासूसी अभियान था। हम यहाँ एक नाम की तलाश में आए थे, एक जादुई जालसाज़ जो नकली चिह्नों, पहचान के पर्दों और अनुष्ठानिक लबादों का व्यापार करता था। शायद उसी ने वह नकली प्रतीक बनाया हो जो हमें मॉन्टसेनी में मिला था। शायद वही जानता हो कि एम्मा की मृत्यु कैसे हुई, और जो मुझे भी मिटाना चाहता हो। उसका स्टॉल किसी नशे में धुत कारीगर के बुखार वाले सपने जैसा लग रहा था। ढेर सारे पन्ने डगमगाते टावरों की तरह रखे थे, कुछ पर स्याही से लिखावट अपने आप ही फड़फड़ा रही थी। टूटे हुए कटोरे में क्रिस्टल आपस में चहचहा रहे थे, जो हर बार किसी के पास आने पर फुफकारते थे। धुएँ से बना एक तैरता हुआ पंखा ऊपर धीरे-धीरे चल रहा था, लेकिन बासी, रासायनिक आवेश से भरी हवा को ठंडा करने में नाकाम था। जालसाज़ दुबला-पतला, काँटेदार था और उसने आधा दर्जन जगहों से झुलसा हुआ एप्रन पहन रखा था। वह असफल मंत्रों और चमकते हुए प्रतीक के टुकड़ों से भरी मेज पर झुका हुआ था, उसकी आँख से अलग उसका एक आँख का चश्मा झपक रहा था, मानो किसी जादुई लेंस पर किसी ऐसी चीज़ का कब्ज़ा हो जिसकी अपनी राय हो।

“तुम ग्राहक नहीं हो,” उसने बिना ऊपर देखे कहा। उसकी आवाज़ कागज़ फटने जैसी लग रही थी। “तुम मुसीबत हो।”

डेज़ी थोड़ा झुकी और अपनी एक कोहनी उसके अव्यवस्थित काउंटर पर टिका दी। "मुसीबत से ज़्यादा फ़ायदा होता है।"

आखिरकार उसने हमारी तरफ देखा। उसकी निगाह डेज़ी को पार करते हुए सीधे मुझ पर पड़ी। या यूँ कहें कि उस कांच के टुकड़े पर जो मैंने दो उंगलियों के बीच पकड़ रखा था।

उसके चेहरे के भाव बदल गए, दिलचस्पी बेचैनी में बदल गई। "यह तुम्हें कहाँ से मिला?"

मैंने कहा, "मोंटसेनी, किसी ने इस नकली प्रतीक का इस्तेमाल किसी अनुष्ठान स्थल को फंसाने के लिए किया था।"

उसने अपनी पतली उंगलियों से मेरे हाथ से उसे छीन लिया, घूमकर दूर चला गया और तीन अलग-अलग भाषाओं में खुद से बड़बड़ाने लगा। “मेरा...नहीं। मेरे पर आधारित। संशोधित। बेरहमी से किया गया काम। रक्त-कोडित। प्रवर्धित एंकर परतें...बेवकूफ! तुम खुशकिस्मत हो कि राख नहीं हो।”

उसने एक शेल्फ से गर्मी से मुड़ी हुई एक मोटी किताब उठाई, फिर अपनी मेज के नीचे एक डिज़ाइन बहीखाता और गाढ़ी काली स्याही की एक शीशी ढूंढी जो गोंद की तरह बह रही थी। "यह मैंने नहीं बनाया," उसने अंत में कहा। "लेकिन मुझे पता है किसने बनाया है। वह छह महीने पहले आई थी। उसने बदले में कांच के टुकड़े और खामोशी दी। खुद को चालाक समझती थी। वह हताश थी, मेरी दुकान पर आने वाले ज्यादातर लोगों की तरह।"

मैंने तीखे स्वर में पूछा, "कौन?"

वह झिझका। उसके हाथ धीमे हो गए। उसकी एक आँख पर लगा चश्मा घबराहट में एक बार झपका। और फिर हमारे पीछे की भीड़ हिल गई। एक आवाज़ हवा में गूंजी, कोमल और नज़दीक से, मानो किसी श्राप की तरह मेरी गर्दन को छू गई।

“फिर से नमस्कार... अज़ीज़ा।”

मेरा दिल बैठ गया। वो नाम जो मैंने संगठन से भागने के बाद से नहीं सुना था। वो नाम जो सुरक्षा घेरे में दफ़न था, अभिलेखों से मिट गया था, नमक, राख और जादू की आग से मेरी स्मृति से जला दिया गया था। अब उसे सुनना ऐसा था मानो अतीत से तराशी गई तलवार से वार किया गया हो। मैं घूमा, हाथ ऊपर उठे हुए थे, मेरी गुलेल भरी हुई थी और दुश्मन पर वार करने के लिए तैयार थी।

मैं जम गया।

वहाँ कोई नहीं था। कोई आकृति नहीं। कोई चेहरा नहीं। बस हवा में एक लहर सी उठी, जो प्रकट होते ही गायब हो गई।

मेरे अंदर भयंकर भय का विस्फोट हुआ। मैंने खुद को छिपाने के लिए जितने भी सुरक्षा कवच बनाए थे, वे सब चीख उठे। मेरी सुरक्षा व्यवस्था टूटे हुए बांध की तरह बिखर गई। मेरे सुरक्षा कवच चिंगारियां बनकर मेरी त्वचा पर कांपने लगे, मानो स्रोत की तलाश कर रहे हों।

डेज़ी ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे शांत किया। "वैल—क्या हुआ?"

मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "उन्होंने मेरा नाम लिया। मेरा असली नाम।"
जाली नोट बनाने वाले ने शीशी गिरा दी। वह एक तीखी आवाज़ के साथ चकनाचूर हो गई, और काली स्याही खून की तरह उसके नोटों पर फैल गई। बाज़ार में सन्नाटा छा गया था। लोग बस इतना ही मुड़े कि देखने का नाटक कर सकें, जबकि कुछ लोग निकास द्वारों की ओर ऐसे बढ़ गए मानो उन्हें किसी तूफान की आशंका हो। डेज़ी की नज़रें भीड़ पर घूम रही थीं, उसकी उंगलियाँ बगल में फड़फड़ा रही थीं। फिर उसकी निगाह एक खंभे के पास एक झिलमिलाहट पर टिक गई, एक मायावी जादू जो धुंध की तरह जगह को विकृत कर रहा था।
“वहाँ,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “वो झिलमिलाहट। वे ढके हुए हैं।”
इससे पहले कि मैं कुछ प्रतिक्रिया दे पाता, वो चमकती हुई आकृति तेजी से निकल गई। वे फुर्तीले और सटीक थे। मेरी ही तरह उन्हें भी बचाव के दांव-पेचों का प्रशिक्षण दिया गया था।
“जाओ,” उसने गुस्से से कहा। “अभी जाओ।”
हम भागे। बाज़ार हमारे चारों ओर धुंधला होता चला गया, रंग-बिरंगी दुकानें रंग और खतरे की लकीरों में तब्दील हो गईं। हवा में जादू की झनझनाहट थी, मानो लहरों की तरह हमारा पीछा कर रही हो। एक जादू मेरे कंधे के पास चमका और मेरी सुरक्षा कवच ने उसे ठीक समय पर रोक लिया, जिससे वह बुझ गया। हम जलते फेफड़ों और धड़कते दिलों के साथ सुरंग में घुस गए। क्योंकि काले बाज़ार में किसी ने मुझे सिर्फ़ भेद ही नहीं दिया था। उन्होंने मेरा वो नाम ले लिया था जिसे मैं दफ़नाने की कोशिश कर रहा था। और इसका मतलब था कि वे सिर्फ़ देख नहीं रहे थे। वे शिकार कर रहे थे।
हम तब तक दौड़ते रहे जब तक कि बाज़ार की सुरंगें पोबल-सेक के दक्षिणी किनारे से परे जर्जर पुरानी मेट्रो लाइनों में तब्दील नहीं हो गईं। हम एक बंद पड़े स्विचिंग स्टेशन में घुस गए, जो इतने पुराने सुरक्षा कवच से सील था कि वे जीवाश्म बनने लगे थे। जैसे ही हमने दहलीज पार की, मैंने अपनी जादूई शक्ति का पर्दा गिरा दिया और दीवार से टिककर गिर पड़ी। डेज़ी ने तीन त्वरित संकेतों से हमारे पीछे प्रवेश द्वार को सील कर दिया और मेरी ओर मुड़ी। "तुम ठीक हो?"
मेरा दिल अभी भी शांत नहीं हुआ था। मेरी जादुई शक्ति मेरी त्वचा पर ऐसे भिनभिना रही थी, जैसे गुस्से में भरे ततैया।
"वे मेरा नाम जानते थे, डेज़ी। कोई छद्म नाम नहीं, कोई उपनाम नहीं। मेरा नाम।"
वह मेरे बगल में बैठ गई, उसकी सांसें अभी भी तेज़ चल रही थीं। "हाँ। मैंने सुना। और मैंने तुम्हारा चेहरा देखा। वह सदमा नहीं था, वह आघात था।"
मैंने सिर हिलाया, पहले तो मैं इतनी सुन्न थी कि बोल नहीं पा रही थी। दर्द बहुत गहरा था। "मुझे लगा था कि मैंने इसे दुनिया से मिटा दिया है। कि मैंने अपने पुराने स्वरूप से जुड़ी हर चीज़ को तोड़ दिया है। सबसे बुरा हिस्सा नाम नहीं था। बल्कि यह था कि मैं अब भी उसी नाम से जानी जाती थी।"
डेज़ी एक जंग लगे ब्रेकर पैनल से टेक लगाकर खड़ी हो गई। "तुम्हें लगता है कि जालसाज़ ने तुम्हें धोखा दिया?"
मैंने सिर हिलाया। “नहीं। वह बहुत डरा हुआ था। जिसने भी यह फुसफुसाया, वह पहले से ही

देख रहा था। और वह चाहता था कि मुझे पता चले। मुझे डराना चाहता था। हमें यह पता लगाना होगा कि वह मिमिक रून कॉपी वास्तव में किससे आई थी।"

मैंने अपने चारों ओर सुरक्षा घेरा मजबूत करने के लिए हवा में एक सुरक्षा कवच बनाया। एहतियात के तौर पर। क्योंकि आज रात एक ऐसी बात साबित हो गई जिस पर मैंने यकीन न करने की बहुत कोशिश की थी: कोई सिर्फ मुझे मारना नहीं चाहता था। वे अज़ीज़ा को मिटाना चाहते थे। और इसका मतलब था कि आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता भागना बंद करना था। उसके बाद जो सन्नाटा छाया, वह बहुत नाजुक था। हम पुराने स्विचिंग स्टेशन के धुंधले, चिन्हों से जगमगाते अंधेरे में बैठे थे, हममें से कोई ज्यादा कुछ नहीं बोल रहा था। डेज़ी एक सुरक्षा कवच बनाने वाले चाकू की धार साफ कर रही थी। मैं अपने जूते की नोक से धूल भरी कंक्रीट पर कुछ चिन्ह बना रहा था, अपने दिमाग में चल रहे शोर को शांत करने की कोशिश कर रहा था। सन्नाटा हमारे बीच फैला हुआ था, पुराने भूतों और नए डर से भरा हुआ।

"तुमने सिर्फ नाम ही नहीं, बल्कि और भी बहुत कुछ छिपाया है," उसने आखिरकार कहा।

मैंने ऊपर नहीं देखा। "आप क्या जानना चाहते हैं?"

“मैं जानना चाहती हूँ कि यह मामला कितना गंभीर है,” उसने धीमी लेकिन स्थिर आवाज़ में कहा। “मैं जानना चाहती हूँ कि जिस व्यक्ति पर मैं भरोसा करती आई हूँ, क्या वही व्यक्ति आज भी मेरे सामने बैठा है।”

यह बात मुझे चुभी, क्योंकि मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। हमारे थोड़े समय के साथ में मैंने बहुत कुछ बता दिया था और यह उम्मीद करना उचित नहीं था कि कोई मेरी पिछली बातों को समझे और यह जाने कि मैंने इतने लंबे समय तक खुद को एक उपकरण की तरह इस्तेमाल होने क्यों दिया। मुझे अपने अतीत पर बहुत पछतावा था और बहुत सी बातों का प्रायश्चित करना था।

मैंने कहा, "मुझे झूठ बोलना सिखाया गया था। गायब हो जाना। वह नाम किसी ऐसे व्यक्ति का था जिसे मुझे जीवित रहने के लिए दफनाना पड़ा।"

डेज़ी ने कुछ देर तक मेरी तरफ देखा, फिर नज़रें हटा लीं। "वह नाम किसी ऐसे शक्तिशाली व्यक्ति का था जो काला बाजार में लोगों को डराकर चुप करा सकता था।"

मैंने उस बात को हमारे बीच ही रहने दिया। मेरा गुस्सा भड़क उठा। मैंने कहा, "तुम ऐसे बर्ताव कर रहे हो जैसे सिर्फ मैं ही कुछ छिपा रही हूँ।"

वह घबरा गई। "माफ़ कीजिए?"

“डेज़ी, तुम्हारे पास भी राज़ हैं। तुम किस तरह का जादू इस्तेमाल करती हो? तुमने उस लबादे की झिलमिलाहट को पल भर में कैसे भेद दिया? यह तो आम जादू नहीं है।”

उसके होंठ एक पतली रेखा में सिमट गए। "हम सबके अंदर कुछ न कुछ भूत होते हैं। जब तुम्हारे भूत मानो दीवारों को चीरते हुए बाहर निकल रहे हों, तो तुम मेरे भूत को मेरे खिलाफ इस्तेमाल करने का हक नहीं रखते।"

“तो फिर इसे एकतरफा मत समझो,” मैंने कहा। “हम दोनों इस बात पर सहमत थे कि यह भरोसे का मामला नहीं है। यह अस्तित्व का मामला है।”

उसने नज़रें फेर लीं, जबड़े कसे हुए। "यह अभी भी एक अस्थायी साझेदारी है।"

“बिल्कुल सही,” मैंने कहा। “तुम्हारे उस रहस्यमय उपकारक की वजह से। यही एकमात्र कारण है कि तुम अभी भी यहाँ हो। इसलिए चलो अब यह दिखावा करना बंद करें कि हम दोनों में से कोई भी बेदाग है।”

हम फिर से खामोशी में बैठ गए, लेकिन यह खामोशी खाली नहीं थी। इससे मुझे बेचैनी होने लगी। जब आखिरकार मैंने उसकी आँखों में देखा, तो मैंने कहा, "मैं तुम्हें इसमें घसीटना नहीं चाहता था।"

“तुमने नहीं किया। मैंने दखल दिया। लेकिन अब मुझे सच जानना है, सैन्ज़। सिर्फ़ वो बातें नहीं जो तुम्हें लगता है कि मैं समझ सकती हूँ।” वह दीवार से टिक गई और मेरे बोलने का इंतज़ार करने लगी।

मैं सोच रही थी कि कितना बताऊँ। मैं पहले ही ज़्यादातर लोगों से ज़्यादा बातें बता चुकी थी। हम ज़्यादा देर अकेले नहीं रहे। हवा में ठंडक की एक हल्की सी लहर दौड़ गई, उसके बाद सड़न की गंध आई। पिशाच दूत ने उस सुरक्षित स्थान में ऐसे कदम रखा मानो उसके लिए सुरक्षा कवच खुल गया हो। शायद खुल ही गया था। डेज़ी सबसे पहले खड़ी हुई, उसका एक हाथ उसके खंजर के पास था। मैं धीरे-धीरे उठी, मेरी धड़कन पहले ही तेज़ हो रही थी। मैंने अपना गुलेल निकाला और दूत पर निशाना साधा। उसकी नज़रें मेरे हाथों पर टिकी थीं। उसने शिष्टाचार की कोई परवाह नहीं की।

उन्होंने कहा, "संसद अधीर हो रही है। उन्हें प्रगति का वादा किया गया था।"

मैंने उठते हुए कहा, "मैंने तुमसे कहा था, जिस आत्मा को बांधने वाले बंधन की तुम मांग कर रहे हो, वह कोई मामूली चीज नहीं है। यह एक सजा है।"

उनकी नजर हमारे पीछे लगे मजबूत सीलों पर पड़ी। "और फिर भी, आप लोग व्यस्त रहे हैं।"

डेज़ी कंधे सीधे करके आगे बढ़ी। "वह तुम्हारी कठपुतली नहीं है।"

दूत उसकी ओर मुड़ा, और पहली बार सचमुच उसकी ओर देखा। उसने धीरे से, सोच-समझकर अपना सिर झुकाया। "और फिर भी वह निर्माण करती है। छुपकर।"

डेज़ी ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। "तुम्हें लगता है कि दबाव से लोग बेहतर प्रदर्शन करते हैं?"

उसने हल्की, शिकारी जैसी मुस्कान दी। "मुझे लगता है कि दबाव से उनकी असलियत सामने आ जाती है।"

मैं उनके बीच में आ गया। “बस करो। अपने सदन को बता दो कि उन्हें कुछ मिलेगा। लेकिन कब मिलेगा, यह मैं तय करूंगा।”

उन्होंने मुझे गौर से देखा, नहीं, मेरा आकलन किया। “एक प्रदर्शन होगा। तीन रातों में। सदन आपसे प्रोटोटाइप या योजना लाने की अपेक्षा करता है। आपसे अकेले आने की उम्मीद है।”

और अगर मैं ऐसा न करूं तो?

उनकी मुस्कान उनकी आंखों तक नहीं पहुंची। "फिर दूसरे लोग आएंगे। और वे दस्तक नहीं देंगे।"

उसने जवाब का इंतजार नहीं किया। वह पलक झपकते ही परछाई और ठंड के साये में गायब हो गया।

उसके जाते ही मैंने डेज़ी की ओर मुड़कर कहा, मेरी सांसें थम सी गई थीं। "तुम्हें बीच में नहीं

आना चाहिए था।"
"जब वे तुम्हें पकड़ने की कोशिश करेंगे तो मैं वहां खड़ी नहीं रहूंगी," उसने गुस्से से कहा।
"जितने लंबे समय से मैं पिशाचों से निपट रहा हूँ, उतने समय से तुम सुरक्षा कवच भी नहीं बना रहे हो।"
"शायद ऐसा ही हो," उसने तनाव भरी आवाज़ में कहा, "लेकिन तुम ठीक से सोच नहीं रहे हो। वे तुम्हें बेवकूफ बना रहे हैं, और तुम उन्हें ऐसा करने दे रहे हो।"
हम चुपचाप खड़े रहे, उसकी मौजूदगी की ठंडक एक ऐसे खतरे की तरह मंडरा रही थी जिसे हम दोनों स्वीकार नहीं करना चाहते थे। हममें से कोई भी पीछे नहीं हटा। पिशाच के गायब होने के बाद, डेज़ी कमरे में ऐसे चक्कर लगाती रही जैसे कोई तूफान बहुत छोटी जगह में बंद हो। उसके बूट कंक्रीट पर धीरे से घिस रहे थे, लेकिन उसकी चुप्पी किसी भी चीख से कहीं ज़्यादा तेज़ थी।
"तुम इसे कर लोगे, है ना?" उसने आखिरकार बीच रास्ते में रुकते हुए कहा।
मैंने कोई जवाब नहीं दिया।
“इसीलिए उन्होंने कहा कि आप व्यस्त रहे हैं। क्योंकि आप वाकई व्यस्त रहे हैं। आपने तो शुरुआत भी कर दी है।”
मैंने अपनी आवाज को स्थिर रखते हुए कहा, "मैं अपनी रक्षा कर रहा हूँ।"
“सांज, तुम एक आत्मा को बांधने वाला कवच बना रहे हो। मैं जानना चाहता हूँ कब। इतने समय में मैं शायद ही कभी तुम्हारे पास से हटा हूँ। तुम सामग्री का इंतजाम नहीं कर सकते थे, जिसका मतलब है कि ये तुम्हारे पास हमेशा से मौजूद थीं।”
“मैं एक जाल बना रही हूँ। जो भी मुझे मिटाने की कोशिश कर रहा है, उसके लिए। पिशाचों को लगता है कि यह उनके लिए है, लेकिन मैं इसे उन्हें नहीं दूंगी।” मैंने उसे यह नहीं बताया कि वह सही कह रही थी। मैंने हमेशा इन सामग्रियों को इस उम्मीद में संभाल कर रखा था कि शायद कभी इनका इस्तेमाल न करना पड़े, लेकिन मैंने इन्हें हमेशा छुपा कर रखा था, बस एहतियात के तौर पर।
डेज़ी ने उपहास किया, लेकिन उसकी आवाज़ में उपहास से ज़्यादा पीड़ा झलक रही थी। “तुम आग से खेल रहे हो। इससे भी बुरा, तुम उनका खेल खेल रहे हो। क्या तुम्हें पता भी है कि एक बार शुरू करने के बाद तुम रुक भी पाओगे या नहीं?”
“क्या सच में?” मैंने झल्लाकर कहा। “तुम भी राज़ छिपा रही हो, डेज़ी। आधे समय तो तुम मुझसे एक कदम आगे रहती हो, और बाकी आधे समय तुम ऐसे पीछे मुड़कर देखती रहती हो जैसे कोई तुम्हें भी देख रहा हो।”
वह गुस्से से मेरी ओर मुड़ी, उसकी आँखें आग बबूला थीं। "तुम अभी यह करना चाहते हो?"
मैंने कहा, "मैं अकेली नहीं हूँ जो अपने पुराने रूप को छुपा रही हूँ। शायद मुझे ईमानदारी की माँग करने का अधिकार नहीं है, लेकिन ऐसा मत दिखाओ कि तुम यहाँ दान के लिए आए हो।"
उसका जबड़ा कस गया। "मैं यहाँ इसलिए हूँ क्योंकि मुझे लगा कि तुम बचाने लायक हो।"
उन शब्दों ने मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा गहरा घाव किया।
“लेकिन शायद तुम बस एक ऐसे इंसान हो जिसने अपने पिंजरे से भाग निकलने के बाद भी

पिंजरे बनाना कभी बंद नहीं किया।" उसने सिर हिलाया। उसने जवाब का इंतज़ार नहीं किया। बस मुड़ी, अपने पलंग पर लेट गई और दीवार की तरफ मुँह करके खड़ी हो गई। मैं टिमटिमाती रोशनी में अकेला खड़ा था, जादू और यादों का बोझ चारों तरफ से मुझे दबा रहा था।

मैंने तब तक इंतज़ार किया जब तक डेज़ी बेचैनी भरी नींद में सो नहीं गई, फिर मैंने अपनी जैकेट से चांदी की नक्काशी वाले कागज़ का टुकड़ा निकाला। प्रोटोटाइप अभी पूरा नहीं हुआ था। लेकिन मैंने इसे शुरू कर दिया था। न तो हाउस के लिए, न ही एलायंस के लिए। सिर्फ़ अपने लिए। क्योंकि जो भी मेरा पीछा कर रहा था, वह मेरी जादूई शक्ति को जानता था, और मुझे कुछ नया चाहिए था। कुछ ऐसा जिसकी उन्होंने कल्पना भी न की हो। एक तैरते हुए प्रतीक की चमक में, मैंने अपनी कलम को ड्रैगनबोन की राख और तांबे के मिश्रण में डुबोया। एक रेखा। फिर दूसरी। एक ऐसा कवच जो खुद से भी राज़ छुपा सके। दया के वेश में एक हथियार। कुछ ऐसा जो सिर्फ़ अज़ीज़ा ही बना सकती थी।

मुझे नींद नहीं आई। मैं रात भर जागती रही। डेज़ी के करवट बदलने और कमरे में सन्नाटा छा जाने के बाद भी, हवा घुटन भरी लग रही थी, मेरी त्वचा तनाव से भरी हुई थी। मैं अकेली उस प्रकाशस्तंभ के पास बैठी रही, दीवारों पर फैलती परछाइयों को देखती रही। इसने मुझे उस संगठन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अनुष्ठानिक कक्षों की याद दिला दी, धुंधले, गोलाकार, जिनमें इतनी ही रोशनी होती थी कि आप अपने अपराधबोध को प्रतीकों में लिख सकें। मैंने अपने घुटनों को अपनी छाती से लगा लिया। सांस लेने की कोशिश की। संगठन के लिए मैंने जितने भी मंत्र गढ़े, जितने भी चिन्ह मैंने किसी और के दर्द पर उकेरे, वे सब सोच-समझकर किए थे। और भागने के बाद भी, मैं इसमें माहिर होती जा रही थी। मैंने पिंजरे बनाना बंद नहीं किया था। भागने के बारे में यही एक बात है जो कोई आपको नहीं बताता। आप अपने औजार अपने साथ ले जाते हैं। शायद इसीलिए मैंने लोगों को दूर रखा। इसीलिए मैंने डेज़ी को कभी पूरी तरह से अपने करीब नहीं आने दिया। क्योंकि कोई आपको जितना ज्यादा जानता है, उतना ही आसानी से वह आपके उन हिस्सों को देख पाता है जो कभी ठीक से ठीक नहीं हुए। वे हिस्से जिनके चारों ओर आपने खुद को सिर्फ जीवित रहने के लिए मोड़ा। और शायद मैं अकेले रहने के लायक ही था क्योंकि वही एकमात्र ऐसी जगह थी जहाँ मैं किसी और को चोट नहीं पहुँचा सकता था। प्रकाश की किरणें टिमटिमा रही थीं, मेरे द्वारा छोड़ी गई स्याही की झिलमिलाहट को पकड़ रही थीं। चर्मपत्र पर बनी रेखाएँ किसी प्रश्न की तरह मुड़ी हुई थीं, जिसका उत्तर मिलना बाकी था।

सुबह तनावपूर्ण थी, लेकिन हमने ऐसा दिखावा किया कि सब कुछ ठीक है और हम वापस शहर की ओर चल दिए।

भोर होते ही हमें शव मिला। भूमिगत नेटवर्क में खबर फैल चुकी थी कि एल रावल में किसी की लाश मिली है, और घटनास्थल के आसपास का जादू किसी जानी-पहचानी सी गंध से भरा था। कुछ ज़्यादा ही जानी-पहचानी। डेज़ी के एक परिचित, एक चुड़ैल जो मनोरंजन और लाभ के लिए हिंसक मौतों पर नज़र रखती थी, ने हमारे सुरक्षित ठिकाने पर एक फुसफुसाहट वाला मंत्र भेजा। जब तक हम पहुँचे, अपराध स्थल को अनौपचारिक रूप से खाली कर दिया गया था। न कोई उत्सुक दर्शक, न कोई गठबंधन। बस खून, जलने के निशान और सन्नाटा।

सबसे पहले मुझे जो गंध महसूस हुई, वो थी तांबे की, जली हुई रोज़मेरी की, और टूटे हुए जादू की तीखी चुभन। ऐसी चुभन जो गले में अटक जाए और वहीं रह जाए। शव एक बंद कैफे और भित्तिचित्रों से सजे हॉस्टल के बीच एक जर्जर मेहराब के नीचे पड़ा था। उसके चारों ओर अजीब तरह से परछाइयाँ मंडरा रही थीं।

क्रिस्टीना क्रूज़।

मैं उसे जानती थी। अच्छी तरह से नहीं, लेकिन इतना तो जानती थी। उसने दो साल पहले मुझसे एक सुरक्षात्मक कवच खरीदा था। एक अच्छा कवच। मुझे उसकी चौड़ी मुस्कान, उसके घबराए हुए सवाल, और जब मैंने उसे बंधन का पत्थर सौंपा था तब उसके हाथों का हल्का सा कांपना याद था। और अब वह बढ़ती हुई सूची में एक और नाम थी।

डेज़ी शव के पास घुटनों के बल बैठ गई और दस्ताने पहने हाथ से मिट्टी को सहलाने लगी। उसने ज़मीन पर बने जले हुए निशानों को गौर से देखा। "यह एम्मा के निशान जैसा नहीं है।"

“नहीं,” मैंने कहा। “लेकिन यह एक संदेश है।”

रूण अनुक्रम को बदल दिया गया था, खुरदरी, भद्दी रेखाएँ खींची गई थीं जो मेरी रेखाओं जैसी दिखती थीं। इस बार यह कोई नकल नहीं थी। यह एक जालसाजी थी जो सीधे मुझ पर निशाना साध रही थी। कोई उसे मारना चाहता था। लेकिन वे मुझे भी दोषी ठहराना चाहते थे। और अब वह बढ़ती हुई सूची में एक और नाम थी।

“वार्ड की संरचना का पता लगाने के लिए खून का इस्तेमाल किया गया था,” डेज़ी ने अपने नोट्स पर नज़र डालते हुए बुदबुदाया। वह फिर से जली हुई रेखाओं के पास बैठ गई, उसकी भौंहें सिकुड़ी हुई थीं। “यह क्रिस्टीना के हस्ताक्षर से मेल खाता था, लेकिन इसे देखो? यही तुम्हारा ट्रिगर चिह्न है।”

मैं उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया और रेखाओं को ध्यान से देखने लगा। वे अव्यवस्थित थीं, लेकिन स्पष्ट थीं। मैंने उस विशेष चिह्न का प्रयोग एक या शायद दो बार, समय-आधारित सुरक्षा कवच के लिए किया था। यह एक अस्पष्ट चिह्न था, जिसे मैंने फ्रीलांस काम के दौरान खुद विकसित किया था। यह ऐसी चीज नहीं थी जो संयोग से सामने आ जाए।

“वे मुझे फिर से फंसाने की कोशिश कर रहे हैं,” मैंने गुस्से में कहा, मैं बहुत थकी हुई थी। “लेकिन वे और भी बेखौफ होते जा रहे हैं।”

डेज़ी ने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। उसके हाथ सावधानीपूर्वक अवशेषों में से गुज़रे और उसने जले हुए क्रिस्टल का एक छोटा टुकड़ा उठाया। उसने उसे प्रकाश में देखा और फिर धीमी सी फुफकार भरी। "किसी ने इससे सुरक्षा कवच को स्थिर करने की कोशिश की है। यह साधारण जालसाजी नहीं है। यह जादू-टोना है जिसका उद्देश्य तुम्हारी छाप की नकल करना है।"

मैंने धीरे से सांस छोड़ी। “यह मॉन्टसेनी साइट जैसी बारीकी से नहीं बनाया गया था। यह ज़्यादा भद्दा है। ज़्यादा लापरवाही से। कोई जल्दबाज़ी कर रहा है।”

"या फिर वे चाहते हैं कि आप इसे देखें," डेज़ी ने कहा। "वे आपको उकसाना चाहते हैं।"

मैंने शव को दोबारा देखा। क्रिस्टीना इस लायक नहीं थी। वह शांत, दयालु और सामाजिक हलकों में कम ही शामिल रहती थी। एक ऐसी चुड़ैल जो चुपचाप रहती थी। मेरा गुस्सा भड़क उठा। मुझसे संबंध होने के कारण उसे मरना नहीं चाहिए था। मैंने अपने ग्राहकों के बारे में सोचा, उनके नाम पलटते हुए श्रीमती गिलमोर पर मेरी नज़र पड़ी। क्या अगला नंबर उनका होगा?

मैंने कहा, "कोई सिर्फ मेरी नकल नहीं कर रहा है। वे इसे और आगे बढ़ा रहे हैं।"

डेज़ी ने जबड़े कसकर उस दृश्य को फिर से देखा। "क्या तुम्हें अब भी लगता है कि यह एक ही हत्यारा है?"

“मुझे लगता है कि हम किसी ऐसे व्यक्ति से निपट रहे हैं जो नकली सबूत गढ़ने में सक्षम है, लेकिन अराजकता फैलाने में भी माहिर है। यह सबूत मिटाने की बात नहीं है, बल्कि शोर मचाने की बात है। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि मैं किसी न किसी तरह इसमें फंस जाऊं।” और यह कारगर साबित होगा। यहां तक कि गठबंधन भी इन संकेतों को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था। मैं सोच रहा था कि वे मुझे पूछताछ के लिए कब दोबारा बुलाएंगे। मुझे सलाखों के पीछे जाने से पहले हत्या का मामला सुलझाना ही था। अगर वे इतना सब करने में सक्षम हैं, तो वे मुझे किसी बंद जगह पर खत्म करने में भी सक्षम होंगे।

डेज़ी ने मेरी तरफ देखा और पूछा, "तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?"

“समय कम है। चलो सुरक्षित ठिकाने पर चलते हैं और इस उलझन को सुलझाने की कोशिश करते हैं।” मेरे पेट में डर बैठ गया। मुझे यकीन नहीं था कि मैं इसे सुलझाने के लिए काफी तेज़ हो पाऊँगा, लेकिन मुझे कोशिश करनी ही थी।

सेफहाउस में वापस आकर, मैंने एम्मा के पास से मिली बहीखाता खोली और क्रिस्टीना के नाम का मिलान एक लेन-देन से किया। एक छोटा सा सुरक्षा कवच। साधारण सा। उस पर लिखी तारीख? वही हफ़्ता जब हाउस कोरविनी के नाम पर खून का कर्ज़ दर्ज था। मैं बहीखाता पलटता रहा। दो पन्ने बाद, एक ऐसा चिन्ह जिसे मैं पहचान नहीं पाया, तीन बार दोहराया गया। एक बार एम्मा के नाम के बगल में। एक बार क्रिस्टीना के नाम के बगल में। और एक बार मेरे नाम के बगल में। यह चिन्ह मुझे पूरी तरह से समझ नहीं आया। लेकिन जिस तरह से यह अंदर की ओर घूमता हुआ, दबाव रेखाओं और अन्य प्रतीकों का एक धीमा, कसता हुआ कुंडल, मेरी आँखों के पीछे एक खुजली पैदा कर रहा था। मानो इसे याद रखने के लिए ही बनाया गया हो, भले ही आप

याद न रखना चाहें। मैं इसे समझने की कोशिश में भौंहें सिकोड़ने लगा। जितना ज़्यादा मैं इसे देखता, उतना ही मेरा सिर दर्द करने लगा, आखिरकार मुझे नज़रें हटानी पड़ीं। हम सेफहाउस के कंक्रीट के फर्श पर पालथी मारकर बैठे थे, बहीखाता हमारे बीच था, पन्नों पर चिन्हों की रोशनी टिमटिमा रही थी।

मैंने धीरे से कहा, “मैंने ऐसी ही संरचनाएँ देखी हैं। लेकिन आम उपयोग में नहीं। यह शैली पूर्व-मानक सुरक्षा प्रणाली है। वैसी ही जैसी वाचा युद्धों के दौरान इस्तेमाल की जाती थी। खंडित, परतदार, जैसे किसी केंद्रक के चारों ओर ढालें हों। यह जानबूझकर बनाई गई है। इसका एक उद्देश्य है।”

डेज़ी थोड़ा झुकी। “यह बीच वाला हिस्सा। यह महज़ सजावट के लिए नहीं है। यह एक महत्वपूर्ण स्लॉट है।”

मैंने कहा, "यह रक्त का एक गुप्त चिन्ह है। प्रत्येक चिन्ह एक विशिष्ट जादुई पहचान से जुड़ा हुआ है। ये लोगों को चिह्नित कर रहे हैं। उनका रिकॉर्ड रख रहे हैं।"

मेरा खून जम गया।

मैंने जोर से कहा, “कोई हमें आपस में जोड़ रहा है। सिर्फ चुड़ैलों को मारना ही नहीं। वे जानबूझकर कड़ियों को जोड़ रहे हैं।”

डेज़ी की सांस अटक गई। "एक रजिस्ट्री।"

“नहीं,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा। “एक लक्ष्य सूची।”

हमारे आस-पास के पन्ने जादुई माहौल में कांपते हुए प्रतीत हो रहे थे। मैंने एम्मा की प्रविष्टि खोली। फिर क्रिस्टीना की। फिर अपनी। सब पर निशान लगे थे। सब पर लाल स्याही से घेरा बना हुआ था जो अभी तक फीकी नहीं पड़ी थी।

“उन पर नज़र रखी जा रही है,” डेज़ी ने धीरे से कहा। “सिर्फ़ एम्मा और क्रिस्टीना पर ही नहीं। इस चिन्ह से जुड़े हर व्यक्ति पर।”

मैंने गुस्से से सिर हिलाया। "और जिसके पास वह कोड है? ट्रिगर उसी के हाथ में है।"

यह एहसास बहुत गहरा था। यह कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। यह कोई मामूली बदला या अलग-थलग प्रतिशोध नहीं था।

कोई खास जादुई क्षमताओं वाली चुड़ैलों का शिकार कर रहा था, और इसके बाद जो भी होगा वह हम तक ही सीमित नहीं रहेगा।

मैंने कहा, “हमें यह पता लगाना होगा कि यह निशान किसने बनाया है। और जल्दी। इससे पहले कि वे सूची से नाम मिटाना खत्म कर दें।”

अध्याय सत्रह

मैंने जगह का चुनाव बहुत सोच-समझकर किया था, एस्टासियो डी फ्रांसा के नीचे एक सुनसान ट्रेन प्लेटफॉर्म, जो लंबे समय से बंद था और नौकरशाही की पेचीदगियों में घिरा हुआ था। परछाइयाँ गहरी, बीती हुई बीते समय की याद दिलाती थीं। एक ऐसी जगह जिसे गुम हो जाना तय था। एक ऐसी जगह जिसे अपवित्र करने में वे ज़रा भी नहीं हिचकिचाते। यह मेरी योजना के लिए एकदम सही थी। नकली सुरक्षा कवच। लगभग असली जैसे। मैंने जानबूझकर खामियों वाला एक अनुष्ठान स्थल बनाया, बंधन चिह्न बहुत हल्के थे, लंगर इतने कम अंतर से लगे थे कि पैटर्न जल्दबाजी में बना हुआ लगे। इसे असली दिखना था, लेकिन जल्दबाजी में बनाया हुआ। जैसे मैं हताश था। जैसे मैंने आखिरकार कोई गलती कर ही दी हो।

डेज़ी चुपचाप और तनाव में मदद कर रही थी। लड़ाई का तनाव हवा में मंडरा रहा था, मानो हर काम में चिंगारी सी पैदा कर रहा हो। हमने ज़्यादा बात नहीं की। बस कंधे से कंधा मिलाकर काम करते रहे, मानो बहुत सी मृत महिलाओं का बोझ अपने कंधों पर लिए जाल बिछा रहे हों। मैंने पहले चुप्पी तोड़ी। "तुम्हें लगता है कि मैं ऐसा करने के लिए राक्षस हूँ?"

वह रुकी, उसके हाथ में एक सुरक्षा-पत्थर था। "नहीं," उसने कहा। "मुझे लगता है कि तुम डरे हुए हो। और गुस्से में भी। और शायद ये दोनों भावनाएँ तुममें दूसरों की तुलना में ज़्यादा तीव्र हैं।"

मैंने उसकी ओर देखे बिना कहा, "मैंने तुम्हें रुकने के लिए नहीं कहा था।"

“नहीं,” उसने सहमति जताते हुए कहा। “लेकिन आपने मुझे जाने के लिए भी नहीं कहा था।”

मैंने उसकी तरफ देखा। "क्या यही तुम्हारा मुझे माफ करने का तरीका है?"

उन्होंने कहा, "यह हमारे जीवित रहने में मदद करने का मेरा तरीका है। क्षमा करना एक लंबी बातचीत है।"

हम काम करते रहे। अब उसकी हरकतें स्थिर थीं। करीब आ रही थीं।

"क्या आपको यकीन है कि वे इसे स्वीकार करेंगे?" उसने अंत में पूछा।

मैंने वार्डस्टोन की प्रतिध्वनि की जाँच की। “उन्होंने मुझे फंसाने के लिए बहुत ज़्यादा मेहनत की है। वे जानना चाहते हैं कि मैं क्या बना रहा हूँ और वे सूंघते हुए ज़रूर आएंगे।”

उसने सिर हिलाया, उसकी आँखों में उदासी छाई हुई थी। "तो चलो उन्हें कुछ ऐसा देते हैं जिससे उनका दम घुट जाए।"

घंटे बीतते गए। हम पास ही एक सीलबंद सुरंग में छिपे रहे, दीवार पर खुदे हुए एक जादुई मंत्र के ज़रिए अनुष्ठान स्थल को देखते रहे। सुरंग में फफूंद और पुराने मंत्रों की गंध आ रही थी। एक चूहा एक बार वहां से भागा, फिर अपना इरादा बदल लिया। इंतज़ार हम पर भारी पड़ रहा था। मैं डेज़ी की ऊर्जा को अनकहे विचारों से स्पंदित होते हुए महसूस कर सकता था। "क्या तुमने कभी यहां से चले जाने के बारे में सोचा है?" उसने धीरे से पूछा।

मैंने अपनी निगाहें उस जादुई घेरे पर टिकाए रखीं। "हर समय।"

आप ऐसा क्यों नहीं करते?

मैंने कहा, "क्योंकि जो लोग मर चुके हैं, वे ऐसा नहीं कर सकते। और इसके लिए किसी को तो जवाबदेह होना ही होगा।"

उसके बाद वह चुप रही। फिर हलचल हुई। एक नकाबपोश आकृति पास आई। दुबली-पतली, फुर्तीली, आत्मविश्वासी, लेकिन सतर्क। वे ऐसे चल रहे थे जैसे उन्हें सुरक्षा कवच का ज्ञान हो। जैसे वे मंत्रों से ज़्यादा मौन पर भरोसा करते हों। सुरक्षा कवच में हल्की सी गूंज हुई, फिर झिलमिलाहट हुई। जादू की एक लहर हवा में दौड़ गई, मानो किसी ने बंद दरवाजे पर बहुत ज़ोर से दबाव डाला हो।

मैंने धीरे से कहा, "वे बाहरी परत की जांच कर रहे हैं। प्रामाणिकता की तलाश कर रहे हैं।"

डेज़ी ने भौंहें चढ़ा लीं और आँखें सिकोड़ लीं। "वो प्रतिक्रिया समय, ये तो प्रशिक्षित है। क्या ये सैन्य प्रशिक्षण है?"

“नहीं,” मैंने कहा, और मुझे अचानक एहसास हुआ। “गठबंधन।”

वह आकृति झुकी, नकली कवच का निरीक्षण किया और सुरक्षा पत्थर की ओर हाथ बढ़ाया। इससे पहले कि वे उसे छू पाते, उन्होंने एक ऐसा जादू कर दिया, जो मैंने वर्षों से नहीं देखा था। विशिष्ट, सटीक, पुराने निशानों से भरा हुआ, जो मैंने अपने शिकारी दिनों के बाद से नहीं देखे थे। दुष्ट एजेंट। सुरक्षा कवच राख के एक झटके में ढह गया। कोई विस्फोट नहीं, बस एक शांत विफलता। जानबूझकर और नियंत्रित।

मेरा खून जम गया।

हवा आधे पल के लिए झिलमिला उठी, ओजोन और जली हुई ऋषि की गंध सुरंग में फैल गई। लबादा ओढ़े हुए व्यक्ति की नज़रें पलक झपकते ही ओझल हो गईं, लबादा आग की रोशनी में कागज़ की तरह लहरा रहा था। एक पल पहले वह वहाँ था। अगले ही पल, धूल और सन्नाटा छा गया।

"वे जानते थे कि यह नकली है," डेज़ी ने स्तब्ध होकर कहा, अभी भी खाली पड़े अनुष्ठान स्थल को उस खिड़की से घूर रही थी।

“नहीं,” मैंने अपनी बात सुधारते हुए सपाट स्वर में कहा। “वे मुझे जानते थे।”

मैं दीवार से पीछे हट गया, उन प्रतीकों की चमक मेरे चेहरे पर गहरी लकीरें बना रही थी। मेरा पेट मरोड़ उठा। जिसने भी किया था, उसने जाल को ठीक उसी तरह निष्क्रिय कर दिया था जैसे मैं करता। वही प्रशिक्षण। वही सहज प्रवृत्ति। वही खास निष्क्रिय करने का तरीका, हमारी पुरानी कोठरी का वही खास हमला करने का तरीका। उसने मेरी तरफ देखा, उसकी आँखों में चिंता ऐसे छा गई जैसे तूफ़ान के बादल मंडरा रहे हों। "सांज़... इसका क्या मतलब है?"

मैंने कहा, "इसका मतलब है कि वे हममें से ही एक थे। संगठन के सदस्य। शिकारियों में से एक।"

डेज़ी की आवाज़ में सच्चाई का तीखापन झलक रहा था। "तो फिर हम सिर्फ एक बागी एजेंट से ही नहीं निपट रहे हैं।"

“नहीं,” मैंने कहा। “हम मेरे ही किसी व्यक्ति से निपट रहे हैं।” सच्चाई मेरे कंधों पर राख की तरह जम गई। मैं सुरंग की दीवार से टेक लगाकर बैठ गया, मेरी धड़कन अभी भी अनियमित थी।

मेरे द्वारा बनाए गए चिह्न हमारे चारों ओर धीरे-धीरे गूंज रहे थे, उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि उन्हें मात दे दी गई है। दरकिनार कर दिया गया है। उनसे कहीं बेहतर हैं। मैंने अपनी मुट्ठियाँ कस लीं। मैं किसी चीज़ को मुक्का मारना चाहता था।

डेज़ी मेरे बगल में बैठ गई, उसका घुटना मेरे घुटने से छू गया। पहले से भी ज़्यादा नज़दीक। हमारे बीच की दूरी अब संशय भरी नहीं थी, बस उदासी छाई हुई थी। काफी देर तक हमारे बीच कोई बात नहीं हुई। सन्नाटा तनाव और समझ से भर गया। फिर उसने कहा, "तुम सही थे।"

मैंने उसकी तरफ देखा।

“यह सिर्फ तुम्हारे बारे में नहीं है। यह इससे कहीं बड़ा मामला है। और मैं... मैं तुम्हारे द्वारा पहुंचाए जा सकने वाले नुकसान पर इतना अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा था कि तुम्हारे आसपास हो रहे नुकसान को देख ही नहीं पाया।”

मैंने धीमी आवाज़ में स्वीकार किया, “मैंने नुकसान पहुंचाया है। लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करना चाहता।”

उसने सिर हिलाया। "अच्छा। तो चलिए यह सुनिश्चित करते हैं कि जो भी यह कर रहा है वह आगे और कोई नुकसान न पहुंचा सके।"

हमने समय बर्बाद नहीं किया। जादू के असर को मिटाने वाले चिन्ह से बचा हुआ निशान हल्का था, लेकिन इतना ताजा था कि उसका पता लगाया जा सके। मैंने अपनी कोट की जेब से एक मुड़ा हुआ ट्रैकिंग ताबीज़ खोला और उसे उस जादुई आवृत्ति पर सेट किया जिसका उन्होंने इस्तेमाल किया था। चिन्ह एक कंपास रोज़ की तरह खिल उठा, जिसकी केंद्र रेखा पूर्व की ओर मुड़ी हुई थी।

“गॉथिक क्वार्टर की ओर,” डेज़ी ने धीरे से कहा। “आकृतियाँ।”

मैंने कहा, "मैं वहीं भाग जाता। वहां घना, जादुई अवरोध, कई परतों वाले सुरक्षा मंत्र थे। ऐसी जगह जहां आप गायब हो सकते हैं।"

हम सुरंगों से तेज़ी से आगे बढ़े, एक बंद कैफे के पीछे वाले निकास द्वार की ओर चढ़ते हुए। मेरा शरीर तनाव से कांप रहा था, मेरे सुरक्षा कवच कसकर बंधे हुए थे और टूटने के लिए तैयार थे। डेज़ी मेरे साथ कदम मिलाकर चल रही थी, उसकी आँखें लगातार घूम रही थीं, और उसके हाथ चाकूओं से कभी दूर नहीं थे। हम गोधूलि बेला के किनारे पर पहुँचे, बार्सिलोना सुनहरी रोशनी से जगमगा रहा था और नारंगी धुंध में डूबा हुआ था। गॉथिक क्वार्टर सामने दिखाई दे रहा था। और कहीं उसके भीतर, मेरा एक पुराना भूत इंतज़ार कर रहा था। पगडंडी हमें घुमावदार गलियों से ले गई जो पुराने सुरक्षा पत्थरों और रहस्यों से भरी हुई थीं। जादू हवा में गीली राख की तरह लिपटा हुआ था, घना, बासी और लोहे जैसी मीठी गंध वाला। मेरा ट्रैकर ताबीज एक बार स्पंदित हुआ, फिर एक किताबों की दुकान के पीछे छिपे लोहे के गेट के पास मंद पड़ गया। उस पर लगे सुरक्षा कवच जटिल, पुराने ज़माने के प्रतीक थे, सुंदर और क्रूर।

मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "एम्मा यहाँ थी।" मैं उसकी जादुई शक्ति को महसूस कर सकती थी, हल्की और बिखरी हुई, लेकिन वास्तविक।

डेज़ी का हाथ उसके खंजर पर मंडरा रहा था। "यह तो किसी पंथ से जुड़ा काम है, है ना?"

मैंने सिर हिलाया। “यह संगठन जादुई निशान छोड़ता है। और यह निशान उससे मेल खाता है।”
हमने सुरक्षा घेरा तोड़कर जबरदस्ती अंदर प्रवेश किया। संकरी गलियारे में फफूंद और रक्त-जादू के अवशेषों की दुर्गंध फैली हुई थी। अंत में एक अनुष्ठान कक्ष था जो फीके लाल झंडों और टूटे हुए नमक के घेरों से सजा हुआ था। बुझी हुई मोमबत्तियाँ समय के भूतों की तरह फर्श में समा गई थीं। वेदी पर एक पत्र रखा था। मुड़ा हुआ, जिस पर संगठन का चिह्न लगा हुआ था। मुहर तोड़ते समय मेरी उंगलियाँ काँप रही थीं।
अंदर रखा हुआ चर्मपत्र पतला था, किनारों से घिसा हुआ था। लिखावट औपचारिक, संयमित और परिचित थी।
उस पर लिखा था, अज़ीज़ा।
तुम चले गए, लेकिन तुम कभी गए ही नहीं।
वे तुम्हें लगातार देखते रहते थे।
एम्मा ने आपसे संपर्क करने की कोशिश की। उसे लगा कि वह नुकसान की भरपाई कर सकती है। लेकिन आप बेहतर जानते हैं।
खुद को पुलिस के हवाले कर दो। वरना वे तुम्हारे छोड़े हुए अवशेषों को साफ करते रहेंगे।
उस पर हस्ताक्षर नहीं थे। लेकिन मैं शैली पहचान गया था। जानता था कि धमकियाँ किस तरह खेद जताने का बहाना होती हैं। यह संगठन के किसी उच्च अधिकारी की ओर से आया था। कोई ऐसा व्यक्ति जो मुझे मेरे पुराने रूप में जानता था। डेज़ी मेरे बगल में खड़ी थी, मेरे कंधे के ऊपर से पढ़ रही थी। "वे तुम्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं।"
“वे मुझे बहकाने की कोशिश कर रहे हैं।” मैंने धीरे-धीरे और सावधानी से पत्र को मोड़ा। “वे अज़ीज़ा को अपनी शर्तों पर वापस चाहते हैं, या फिर बिल्कुल नहीं।”
बाहर, सड़क एकदम शांत और धुंधली थी, सुनहरी रोशनी धीरे-धीरे नीली रोशनी में घुल रही थी।
“उन्होंने वह पत्र जानबूझकर छोड़ा था ताकि वह मिल जाए,” डेज़ी ने कहा। “उन्हें पता था कि तुम सुराग का पीछा करोगे।”
मैंने कहा, "वे चाहते हैं कि मैं ऐसा करूं। वे मुझे खुद को प्रकट करने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। मुझे मजबूर करना चाहते हैं। या मुझे भागने पर मजबूर करना चाहते हैं।"
लेकिन तुम चुनाव नहीं लड़ रहे हो।
मैंने उसकी आँखों में देखा। "इस बार नहीं।"
क्योंकि यह शातिर एजेंट जो भी था, जिसने भी एम्मा से क्रिस्टीना और फिर मुझ तक पहुंचने वाले तार बुने थे, वह एक लंबी साजिश रच रहा था। और मैं इस चाल में फंसना नहीं चाहता था।

अध्याय अठारह

आधी रात को बुलावा आया। चमकीले गार्नेट जैसी आँखों वाला एक कौआ सुरक्षित ठिकाने की बालकनी पर आकर बैठा, उसके पैर में चाँदी के धागे से एक स्क्रॉल बंधा हुआ था। उस पर हाउस कोरविनी का चिन्ह बना हुआ था। पक्षी मुझे ऐसे घूर रहा था मानो उसे मेरे सारे कर्म पता हों। डेज़ी ने सबसे पहले स्क्रॉल पढ़ा। "अब वे कुछ नहीं पूछ रहे हैं।"

मुझे पहले से ही पता था। कागज़ पर बुनी हुई विवशता को महसूस किया जा सकता था। एक फंदे के आकार का निमंत्रण। हम ग्लैमर और दृढ़ता से लिपटे पिशाचों के गढ़ में पहुँचे। तिबिदाबो के पास आधा खंडहर हो चुका मठ एक मकबरे की तरह खड़ा था, जिसके पत्थर चाँदनी और जादू से जगमगा रहे थे। सुरक्षा कवच हवा में गूंज रहे थे, घने कोहरे की तरह और शहर की आधी उम्र से भी पुराने। दूत केंद्रीय प्रांगण में, हवा में सरसराते चाँदी के पत्तों वाले पेड़ के नीचे इंतज़ार कर रहा था।

उन्होंने कहा, "आपने हमें बहुत इंतजार करवाया।"

मैंने जवाब दिया, "मैं तो पीछा किए जाने में व्यस्त था।"

वह मुस्कुराया, लेकिन उसकी मुस्कान उसकी आँखों तक नहीं पहुँची। "तो फिर तुम गंभीरता को समझते हो।"

वह मुझे किसी कक्ष या अनुबंध की मेज पर नहीं ले गया। बस एक वेदी और एक तलवार।

“एक बाध्यकारी समझौता,” उसने कहा। “पुराना जादू। खून से प्रमाणित।”

डेज़ी तनाव में आगे बढ़ी। "उसने किसी भी बात पर सहमति नहीं दी है।"

"मैं करूँगा।"

वे दोनों मेरी ओर मुड़े। मुझे अपने सारे झूठ, हर भागने की कोशिश, हर समझौते का बोझ महसूस हो रहा था। अपराधबोध मेरी पसलियों को जकड़ रहा था। मैं उस पंथ से भागी थी। उनके नियंत्रण, उनके रक्त समझौतों और दिमागी तौर पर तोड़ देने वाले अनुष्ठानों से बचने के लिए भागी थी। लेकिन अब मैं यहाँ थी, फिर से अपना खून अर्पित कर रही थी। खुद को वफादारी से नहीं, बल्कि डर और अस्तित्व के बंधन से बाँध रही थी। मैंने कहा, "मैं तुम्हें एक प्रोटोटाइप दूँगी, लेकिन मैं घुटने नहीं टेकूँगी।"

दूत ने अपना सिर झुकाया। "खून का एक कतरा, गुलामी नहीं।"

तलवार ठंडी थी। घाव मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा साफ़ था। मेरा खून वेदी पर गिरा, और उस पर बने प्रतीक लाल-सुनहरे रंग में चमक उठे। भय, शक्ति, आवश्यकता और शर्म से भरा एक समझौता।

हम भोर होने से पहले ही सुरक्षित ठिकाने पर लौट आए। मेरे शरीर में अभी भी समझौते के जादू का झुनझुनाहट थी, पुराने खून का स्वाद मेरे मुँह में तांबे जैसी कड़वाहट लिए पछतावे की तरह था। डेज़ी ने पूरे रास्ते मुझसे बात नहीं की थी। मैंने वह खाली कागज़ खोला जो उन्होंने मुझे दिया था, ड्रैगन की खाल से बना कागज़ जिसमें छिपे हुए जादू थे। उस तरह का कागज़ जिसमें ऐसे

मंत्रों को संग्रहित किया जाता था जिन्हें प्रयोग करना बहुत खतरनाक होता था। उस तरह का कागज़ जिसका इस्तेमाल पंथ के भीतरी पवित्र स्थान में किया जाता था। उस परिचित कागज़ को देखकर मेरे गले में पित्त सा उमड़ आया।

डेज़ी दरवाजे के पास खड़ी थी, उसने अपनी बाहें मोड़ रखी थीं। "क्या तुम सच में इसे बनाने जा रहे हो?"

मैंने कहा, "मैं दिखावा करूंगी।" लेकिन मुझे खुद भी इस बात पर पूरा यकीन नहीं था।

क्योंकि सच्चाई तो यही थी: मुझे पता नहीं था। एक असली आत्मा-बंधन कवच मुझे ताकत दे सकता था। मुझे ज़िंदा रख सकता था। उन्हें रोक सकता था। या फिर यह संतुलन बिगाड़ सकता था और मुझे वह सब बना सकता था जो मैं बनने से बचने के लिए संघर्ष कर रही थी। मैंने एक प्रतीक-लालटेन जलाई और बुनियादी रेखाओं से शुरुआत की। अदृश्यता मैट्रिक्स। स्मृति-बंधन सर्पिल। विचार, इरादे और स्वयं को बांधने वाले प्रतीक। हर स्ट्रोक के साथ, मैंने महसूस किया कि मेरे हाथ स्थिर होते जा रहे हैं, और मेरा दिल और भी गहरा डूबता जा रहा है। मुझे कभी इस कला पर गर्व था। अब ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपने लिए ही पिंजरा बना रही हूँ।

डेज़ी ने ज़्यादा कुछ नहीं कहा। वह बस चुपचाप और ध्यान से मेरे सामने बैठी रही। यह देखने के लिए इंतज़ार कर रही थी कि मैं अपने किस पहलू को बढ़ावा दूँगी। हथियार बनाने वाले पहलू को, या उनका इस्तेमाल करने से डरने वाले पहलू को।

रेखाचित्र बनाते-बनाते मेरे हाथ में अकड़न आ गई और तब तक वह स्क्रॉल आधा भर चुका था। मेरी रेखाएँ एकदम सही थीं। लेकिन उनकी सटीकता बेमिसाल थी। मैं सुरक्षित ठिकाने के सुरक्षित पिछले कमरे के बीचोंबीच बैठा था, जहाँ पत्थर की नंगी दीवारें कई परतों वाले मौन मंत्रों से ढकी थीं, और फर्श पर पुराने मंत्रों के धुंधले चाक के गोले खुदे हुए थे। हवा में थकावट भरी थी। मेरी लालटेन धीमी-धीमी टिमटिमा रही थी, जिससे तिरछी परछाइयाँ बन रही थीं और हर साँस के साथ कमरा छोटा लगता जा रहा था। मैंने अपनी उंगलियों से स्याही पोंछी, मेरी साँसें अनियमित थीं। मंत्रों की संरचना के भारी वजन और गर्मी से स्क्रॉल के किनारे थोड़े मुड़ गए थे। मेरे मंत्रों के अत्यधिक उपयोग से उनमें झनझनाहट हो रही थी। मेरा रक्त समझौता दूसरी धड़कन की तरह धड़क रहा था। मेरा हर अंग कच्चा महसूस कर रहा था, शक्ति और अपराधबोध से भरा हुआ।

मैं दीवार से टेक लगाकर बैठ गया और आँखें बंद कर लीं, सन्नाटे के बोझ को खुद पर हावी होने दिया। मेरे पीछे का पत्थर ठंडा और स्थिर था, लेकिन मेरे अंदर उठ रहे तूफान को शांत करने के लिए काफी नहीं था।

“क्या मैं उन्हीं की तरह बन रही हूँ?” मैंने धीमी आवाज़ में पूछा। मेरी आवाज़ काँप रही थी।

डेज़ी ने ऊपर देखा। "नहीं। तुम वही बन रही हो जिससे वे डरते हैं।"

“लेकिन मुझे डर भी लग रहा है,” मैंने कहा। “मुझे डर है कि मैंने उन्हें छोड़ दिया, और अब मैं उन्हीं का दूसरा रूप धारण कर रही हूँ। मुझे डर है कि मैं खुद को जंजीरों में जकड़ने के नए-नए तरीके खोज रही हूँ।”

वह मेरे पास आकर बैठ गई। उसकी आवाज़ धीमी थी। "अच्छा। इसका मतलब है कि तुम अभी

भी इंसान हो।"
मैंने अपना सिर हिलाया। “किस तरह का इंसान आत्माओं को इस तरह तराशना जानता है? कौन खून और सत्ता का व्यापार मुद्रा की तरह करता है?”
फिर सन्नाटा छा गया। ऐसा लगा जैसे दीवारें खुद सुन रही हों। मैंने भाग जाने के बारे में सोचा। उस पत्र को जलाने के बारे में सोचा। खुद को पुलिस के हवाले कर देने के बारे में सोचा, बस सब कुछ खत्म करने के बारे में। लेकिन इनमें से कोई भी विकल्प नहीं था। अब और नहीं। उस समझौते के साथ नहीं। उन नामों के साथ नहीं जो पहले से ही सूची में दर्ज थे।
मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "उन्होंने मेरे लिए बचने का कोई रास्ता नहीं छोड़ा है।"
"तो फिर हम एक बना लेंगे," डेज़ी ने कहा।
लेकिन मैंने जवाब नहीं दिया। क्योंकि उस चुप्पी में, मैंने खुद को डरने दिया।
क्योंकि जो मैं बना रहा था, शायद वही मेरी जान बचा ले।
या मुझे तोड़ दो।

अध्याय उन्नीस

बार्सिलोनेटा के पास स्थित पुराना मछली बाजार लंबे समय से वीरान पड़ा था, उसकी लोहे की जालीदार छत जंग खाकर टूट चुकी थी, और नमक व समय के कारण फर्श में दरारें पड़ गई थीं। ऊपर आसमान में सीगल चीखते हुए उड़ रहे थे, मानो उन्हें पता हो कि कुछ होने वाला है, वे नीचे गोता लगा रहे थे और पानी के ऊपर चक्कर लगा रहे थे। हम गली के उस पार एक पुरानी ईंटों से बनी इमारत की दूसरी मंजिल पर दुबके बैठे थे, इतनी ऊंचाई पर कि नीचे टूटी हुई कांच की खिड़कियों के अंदर देख सकें। जादुई दूरबीन से मैंने दो परिचित आकृतियों को देखा, वे ग्राहक जिन्हें मैंने कभी छोटे सुरक्षा कवच बेचे थे, खुले लोडिंग कक्ष में कदम रखते हुए। उनमें से एक ने धुएं की तरह चमकने वाला जादुई लबादा पहना हुआ था, दूसरे के पास एक ब्रीफकेस था जिस पर चमकते लाल रंग में सुरक्षा चिन्ह खुदे हुए थे। इस तरह के ब्रीफकेस का इस्तेमाल केवल खतरनाक जादू को ले जाने के लिए किया जाता था।

मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "वे सौदे कर रहे हैं। कुछ बड़ा सौदा।"

डेज़ी चुपचाप, तनावग्रस्त होकर मेरे बगल में सरक गई। उससे स्टील और नींबू जैसी गंध आ रही थी। उसकी तलवार की मूठ पर उसकी उंगलियों के जोड़ सफेद पड़ गए थे।

मैंने अपनी जैकेट के कॉलर में सिले हुए श्रवण यंत्र को छुआ। आवाज़ें धीरे-धीरे और सावधानी से सुनाई देने लगीं। एक नाम स्पष्ट सुनाई दिया। एम्मा।

मेरी सांस अटक गई। "वे उसे जानते थे। शायद उससे कुछ खरीदते भी थे।"

अचानक एक जादुई स्पंदन से मेरे रोंगटे खड़े हो गए। हवा घनी हो गई, जैसे गर्मी के तूफान से पहले होती है। मैंने नीचे देखा और ठीक उसी समय ब्रीफकेस को खुलते हुए देखा, और अंदर की चमक तेज हो गई।

“नहीं,” मैंने धीमी आवाज़ में कहा। मेरी आँखें चौड़ी हो गईं। “यह…”

धमाका चीख की तरह हुआ। बाज़ार के बीचोंबीच से लाल-गर्म रोशनी की एक लहर फूट पड़ी। कांच चकनाचूर हो गया। लोहा मुड़ गया। एक खामोश गर्जना से इमारत का अगला हिस्सा अंदर की ओर ढह गया। मैंने डेज़ी का हाथ पकड़ा और जैसे ही हमारी खिड़कियां टूटीं, मैंने अपने चारों ओर एक सुरक्षा कवच बना लिया। गर्मी और ईंटों के टुकड़े कमरे में बिखर गए, लकड़ी को चूर-चूर कर दिया और हमें ज़मीन पर गिरा दिया। मेरे कंधे में तेज दर्द हुआ। मेरे कान बजने लगे और मुझे खून का स्वाद महसूस हुआ। आग का गोला गली से लुढ़कता हुआ आसमान में ऊपर की ओर उठा, बार्सिलोना के क्षितिज को नारंगी लपटों और जादुई धुएं से रंग दिया। जब मुझे होश आया, तो इमारत चरमरा रही थी मानो वह फिर से खड़ी होने की कोशिश कर रही हो। डेज़ी का हाथ मेरे सीने पर था, वह एक सुरक्षात्मक पत्थर को नीचे दबा रही थी ताकि मलबा हमें कुचल न दे।

"हम ज़िंदा हैं," उसने हांफते हुए कहा। "मुश्किल से।"

धुएं से सीढ़ियाँ भर गईं। जलती हुई लकड़ी और झुलसे हुए कंक्रीट की गंध मेरे फेफड़ों में भर

गई।
मुझे खांसी आई, आंखों के सामने अंधेरा छा गया। “उन्होंने हमें फंसाया। यह कोई सौदा नहीं था, यह एक जाल था।”
डेज़ी ने मुझे उठने में मदद की। ज़मीन धूल और खून से लथपथ थी। कहीं दूर, खतरे की घंटियाँ बजने लगी थीं, शहर की नहीं, बल्कि जादुई, जिनकी शक्ति इतनी अधिक थी कि नश्वर प्राणी उन्हें अनदेखा नहीं कर सकते थे।
“उन्हें गवाह चाहिए थे,” उसने कहा। “वे तुम्हें मारना चाहते थे। या फिर तुम पर दोष मढ़ना चाहते थे।”
मैंने टूटी हुई खिड़की से बाहर देखा। नीचे आग भयंकर रूप से भड़क रही थी। दूर से लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। और इन सबके पीछे, मुझे वही जादुई स्पंदन महसूस हुआ जिसने हमारे सुरक्षित ठिकाने को छुआ था।
वे करीब आ रहे हैं।
हम गोथिक क्वार्टर के तीन तल नीचे दबी एक जर्जर रसायन शास्त्र की दुकान में शरण लिए, जिसकी दहलीज पर एक सजीव ताला लगा था और एक ऐसा जादू था जिससे वहां हमेशा अजवायन, जले हुए कोयले और पछतावे की गंध आती रहती थी। दुकान का मालिक, ओरि नाम का एक सेवानिवृत्त जादूगर, ने कोई सवाल नहीं पूछा। उसने हमें अपने कालीनों पर खून बहाने और अपने बर्तनों में श्राप देने दिया, फिर हमारे पीछे दरवाजे बंद कर दिए। धमाके के बाद से डेज़ी ने ज्यादा कुछ नहीं कहा था। लेकिन उसका गुस्सा गर्मी की लहरों की तरह उससे निकल रहा था। जब मैंने अपने कंधे पर बचे हुए झुलसे हुए निशानों को छुआ, तो आखिरकार वह बोली।
"वे आपको फंसाने की कोशिश कर रहे हैं, और यह कारगर साबित हो रहा है।"
"मुझे पता है।"
तो चलिए बोर्ड को पलट देते हैं।
मैंने ऊपर देखा। उसकी आँखें लाल थीं, बाल झुलसे हुए थे। लेकिन वह स्थिर लग रही थी। तैयार।
हमने टूटी रोटी और सुरक्षात्मक चर्मपत्र पर बैठकर योजना बनाई। मैं अवैध रूप से इस्तेमाल होने वाले, खतरनाक और गैरकानूनी, सिगिल दर्पण का उपयोग करके ब्रीफकेस द्वारा छोड़े गए जादुई अवशेषों का पता लगाऊंगा। एक समस्या थी। यह प्लाज़ा रीयाल के नीचे स्थित गठबंधन के गुप्त ठिकाने में बंद था। हमें अंदर घुसना होगा।
“और उसके बाद?” डेज़ी ने पूछा।
मैंने कहा, "हम गलत सूचना फैलाते हैं। उन्हें यह सोचने पर मजबूर करो कि मैं प्रोटोटाइप समय से पहले ही उपलब्ध करा रहा हूं। उन्हें आने दो।"
“और फिर हम उन्हें जला देते हैं।” उसकी आवाज़ लोहे जैसी सख्त थी।
रात स्याही की तरह छा गई। हम शहर के नीचे बनी सुरंगों से चुपचाप, साँस की तरह खामोश होकर आगे बढ़े, जासूसी बिंदुओं से बचते हुए और सोते हुए चिह्नों के बीच से रास्ता बनाते हुए। जादुई शराब के तहखाने के नीचे छिपा हुआ तहखाना जगमगा रहा था, जिसकी रखवाली घूमता

हुआ त्रि-चिह्न कर रहा था। डेज़ी ने यांत्रिक तालों को खोला जबकि मैंने रक्षकों से फुसफुसाते हुए, उन्हें बस उतनी ही सच्चाई बताई जिससे हम अंदर जा सकें। अंदर, हवा शांत और ठंडी थी, जादू से संरक्षित। अलमारियों में सीलबंद ग्रंथ, शापित हथियार और बंदी बनाए गए मंत्र रखे थे। हमें मखमल से सजे एक बक्से में दर्पण मिला जिस पर पुराने संगठन का चिन्ह बना हुआ था। एक चेतावनी। मैं उनसे तंग आ चुका था। मैंने उसे छुआ, और मेरे हाथ में एक जानी-पहचानी पीड़ा दौड़ गई। दर्पण पर बना चिह्न बम से मेल खाता था।

हम लगभग सुरक्षित निकल ही गए थे कि तभी एक दबाव मंत्र सक्रिय हो गया और सामने की गली रोशन हो गई। वे तेज़ी से आए। दो हमलावर। मुखौटे, लबादे, छोटी तलवारें। डेज़ी ने तूफ़ान की तरह लड़ाई लड़ी, तरह-तरह के जादू और हथियारों का इस्तेमाल करते हुए। मैंने अपना गुलेल निकाला और उन पर सुरक्षा कवच फेंके। वे मुड़कर और घूमकर मेरे हमलों से खुद को बचाने लगे। उनमें से एक ने हाथ उठाकर मेरी तरफ कुछ फेंका। इससे पहले कि वह मेरे सीने पर लगता, मैं ज़मीन पर झुक गया और वह मेरे पीछे की दीवार से टकरा गया।

मैंने अपने पीछे छोड़े गए विदाई उपहार पर नजर डाली, जो गली की दीवार पर उकेरा गया एक चिन्ह था।

मैं जम गया।

मेरी प्रतिक्रिया देखकर डेज़ी ने पूछा, "क्या हुआ?"

"यह मेरे गुरु का निशान था।"

"इसका क्या मतलब है?"

"मुझें नहीं पता।"

ओरी की दुकान में वापस आकर, मैं फर्श पर बैठ गया, दर्पण मेरी गोद में था और मेरे हाथ कांप रहे थे।

पत्थर की दीवार पर खुदा हुआ वो चिन्ह मेरे दिमाग में बार-बार गूंज रहा था। ये कोई साधारण संगठन का प्रतीक नहीं था। ये सेराफिन का निजी चिन्ह था, उस महिला का जिसने मुझे प्रशिक्षित किया था। जिसने मुझे एक हथियार की तरह पाला-पोसा था।

मैंने कहा, "उन्होंने इसे व्यक्तिगत मामला बना दिया है।"

डेज़ी ने गाल से खून पोंछते हुए सिर हिलाया। "तो हम इसे व्यक्तिगत मामला बना देते हैं।"

मैंने उसकी तरफ देखा। "वे सबसे ज्यादा किस बात से डरते हैं?"

उसने जरा भी संकोच नहीं किया। "तुम।"

मैं थकी हुई थी, लेकिन आत्मविश्वास से मुस्कुराई। "तो चलिए उन्हें डरने लायक कुछ देते हैं।"

अध्याय बीस

हमने एल पोब्लेनू के बाहरी इलाके में एक जले हुए गिरजाघर के खंडहरों के पास बैठक आयोजित की। उसके घंटाघर के कंकालनुमा अवशेष आकाश को छू रहे थे, पत्थर झुलसकर काले पड़ गए थे और कंटीली झाड़ियाँ उसकी टूटी हुई मेहराबों से लिपटी हुई थीं। खोखली खिड़कियों से हवा सरसराती हुई ऐसे बह रही थी मानो समय में खोई हुई फुसफुसाती प्रार्थनाएँ हों। आधा असली और आधा नकली, वह मूल दस्तावेज़ एक रहस्यमयी रोशनी से भरे गुप्त कक्ष में बंद था और मेरी पीठ पर किसी बलि की भेंट की तरह कसकर बंधा हुआ था। मैं अपने हर कदम के साथ उसकी धड़कन महसूस कर सकता था, वह प्रतिक्रियाशील, सतर्क और लगभग जीवित थी। उसमें से हल्की-हल्की ओजोन, जले हुए चर्मपत्र और किसी पुरानी चीज़ की गंध आ रही थी जिसका नाम मैं नहीं बता सकता था।

डेज़ी, टूटे-फूटे घंटाघर की ऊँची मीनार पर बैठी थी, जो अब तक बचा हुआ था। उसके हाथ में एक लंबी दूरी तक मार करने वाला मिसाइल लॉन्चर था जो तैयार था और हल्की नीली रोशनी से जगमगा रहा था। अपनी इस ऊँचाई से, उसे मुख्य हॉल में मौजूद हर परछाई साफ़ दिखाई दे रही थी।

मैं गिरजाघर के खंडहरों के बीचोंबीच अकेला खड़ा था, चारों ओर टूटी हुई बेंचें और राख बिखरी हुई थी, मेरे जूतों के नीचे की पत्थर की ज़मीन पर टूटी हुई पंक्तियाँ खुदी हुई थीं जो कभी आस्था का प्रतीक थीं। अब उनमें एक जाल छिपा था।

वे आधी रात से ठीक पहले आए। चार लबादा ओढ़े हुए लोग, खामोशी से आगे बढ़ रहे थे, उनके बूटों की सरसराहट काली संगमरमर पर सुनाई दे रही थी। मुख्य महिला ने सेराफिन का चिन्ह मुकुट की तरह धारण किया हुआ था, जो चांदी के धागे से उसकी छाती पर बुना हुआ था।

मैं भागा नहीं। मेरे पास भागने के लिए कोई जगह ही नहीं बची थी।

पहला जादू बाईं ओर से आया। बैंगनी आग की एक हल्की सी चमक। यह तेज़ और घातक थी। मैंने मुड़कर, अपनी गुलेल की एक झटके और एक गतिज सुरक्षा पत्थर से उसे रोक दिया। झटके से मेरी बांह में एक ज़ोरदार झटका लगा, जैसे कोई बिजली का तार मांसपेशियों और हड्डियों को चीर रहा हो। ऊपर से, डेज़ी ने एक गड़गड़ाहट का निशान छोड़ा। जैसे ही वह टकराया, आकाश सफेद-नीला हो गया, एक नकाबपोश हमलावर का आकर्षण चकनाचूर हो गया और वह टूटे हुए पत्थरों पर लड़खड़ाता हुआ गिर पड़ा।

फिर बाकी लोग उमड़ पड़े।

वे सख़्त गठन में आगे बढ़े, तलवारें खींची हुई थीं, जादू की गड़गड़ाहट गुस्से में भरे ततैयों के छत्ते की तरह गूंज रही थी। मैंने उनकी रणनीति पहचान ली थी। मैं इस तरह की रणनीति से बुरी तरह प्रभावित था। यह कारगर, क्रूर और हमारे शरीर में समाई हुई थी, जब हमने अदृश्य और निर्दयी होने का प्रशिक्षण लिया था। आग की एक लपट मेरे गाल को छूकर गुज़री। मैं झुक गया और पल्स फ्लेयर के धमाके से पलटवार किया, प्रकाश और ध्वनि एक ज़बरदस्त शक्ति में समाहित

हो गए। इसने उनमें से एक को सीने पर वार किया और उसे ज़मीन पर पटक दिया।
दूसरी वाली ज़्यादा तेज़ थी। उसने फ्लेयर को चकमा दिया, झपट्टा मारा और लगभग मेरे कंधे की हड्डी तक को चीर दी।
"सांज़!" डेज़ी की कर्कश और फटी हुई आवाज़ कम्युनिकेशन स्टोन पर चीखी। "वे तुम्हें यहाँ से भगाना चाहते हैं, तुम्हें झुंड में इकट्ठा करना चाहते हैं!"
"मुझे पता है!" मैंने दांत पीसते हुए, ढहे हुए खंभे के चारों ओर घूमते हुए चिल्लाया। "उन्हें करने दो!"
हम गिरजाघर के मैदान के किनारे पहुँच गए, जहाँ मैंने सदियों पुरानी जली हुई मिट्टी और नमक के नीचे असली जाल छिपा रखा था। जैसे ही मैंने पर्दा हटाया, हवा में एक तीखापन छा गया, और धरती पर खुदे हुए चिन्ह, मेरे खून से खुदी हुई रेखाएँ, जो केवल एक ही आवृत्ति पर केंद्रित थीं: व्यवस्था की प्रतिध्वनि।
जादू का प्रज्वलन ऐसे हुआ मानो पत्थर से धातु को फाड़कर अलग कर दिया गया हो।
दो हमलावर बीच रास्ते में ही गिर पड़े, उनकी अपनी ही शक्ति उन पर विपरीत बल के विस्फोट के रूप में वापस आ गिरी। एक चीख उठा क्योंकि एक बंधनकारी चिह्न उसकी छाती पर जल उठा। दूसरा असंतुलित होकर चुपचाप ढेर हो गया, अत्यधिक शक्ति के कारण बेहोश हो गया।
केवल सेराफिन ही बची थी।
वह आगे बढ़ी, बिल्कुल अविचलित, हड्डियों और सोने से बना मुखौटा टूटी हुई चांदनी में चमक रहा था। अचानक हवा के झोंके से उसका लबादा फड़फड़ाया, लेकिन उसकी मुद्रा में कोई बदलाव नहीं आया। उसने दस्ताने वाला एक हाथ उठाया और इशारा किया।
"घर वापस आ जाओ, अज़ीज़ा," उसने कब्र जैसी शांत और ठंडी आवाज़ में कहा। "तुम हमेशा हमारी ही रहोगी।"
उन शब्दों ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया। मैं उसके द्वारा खींचे जा रहे हर धागे को, उसके द्वारा छोड़े गए हर घाव को महसूस कर सकती थी। मेरी सांस अटक गई। मेरे अंदर की भावनाएं इतनी तीव्र रूप से तन गईं कि दर्द होने लगा।
और पहली बार मैंने सच को खुलकर सामने आने दिया।
मैं कभी तुम्हारी नहीं थी।
और फिर मैंने आत्मा को बांधने वाले उस प्रोटोटाइप को सीधे वार्ड के केंद्र में फेंक दिया।
उसमें विस्फोट हो गया।
हिंसक ढंग से नहीं, बल्कि शानदार ढंग से, प्रकाश आग और स्मृति की तरह खिल उठा, रात को दीप्तिमान शांति में डुबो दिया। चिन्ह चमक उठे। टूटा हुआ गिरजाघर किसी दिव्य वस्तु की हड्डियों की तरह जगमगा उठा।
जब धुआं छटा, तो मैं अभी भी जल रहे प्रतीकों के बीच अकेला खड़ा था।
सेराफिन लड़खड़ा गई, उसकी आंखों में आधी रोशनी थी, मास्क बीच से फट गया था। सालों में पहली बार वह डरी हुई लग रही थी।
गिरजाघर से ऐसी आवाज़ आई मानो वह गिरने ही वाला हो, लेकिन सेराफिन भागी नहीं। वह

धीरे-धीरे सीधी खड़ी हुई, उसका मुखौटा बीच से फटा हुआ था, उसकी एक आँख क्रोध से चमक रही थी। खून, असली था या जादुई, मैं बता नहीं सकता था, उसकी ठुड्डी से बह रहा था, हाथीदांत को लाल रंग से रंग रहा था।

मेरे पैरों के नीचे की ज़मीन काँप उठी। मैंने हवा में बदलाव को महसूस किया, इससे पहले कि मैं उसे देख पाती, उसने जादू कर दिया था।

"तुम्हें लगता है तुमने कुछ जीत लिया है?" उसने फुफकारते हुए कहा।

उसके हाथ के एक झटके से, हमारे नीचे कुछ आकृतियाँ अचानक प्रकट हो गईं, ऐसी आकृतियाँ जिन्हें मैंने नहीं बनाया था।

डेज़ी ने ऊपर से चिल्लाकर मुझे चेतावनी दी, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। सेराफ़ाइन ने अपना जाल बिछा रखा था। उसने जो मंत्र बुलाए थे, वे पुराने थे, दर्द और यादों से भरे हुए। वे हवा में ही आकार लेने लगे, गिरजाघर के खंडहरों में आग की लपटों की तरह फैलते चले गए। मैंने समय रहते अपने हाथ ऊपर उठाकर एक सुरक्षात्मक घेरा बना लिया ताकि वे मुझे चीर न दें।

जादू टकराया, उसका वार एक ठंडी, सटीक तलवार की तरह था; मेरा वार एक जंगली, धड़कते ढोल की तरह। ध्वनि से पत्थर चटक गए। प्रकाश ने रात के आकाश को चीर दिया।

डेज़ी नियंत्रित ढंग से टावर से नीचे गिरी, उसके हाथ में मौजूद सिगिल चाकू चमक रहे थे, जो मंत्र के पैटर्न के किनारे को काट रहे थे। इससे मुझे ज़रूरी पल मिल गए। मैं दहाड़ा और तेज़ी से आगे बढ़ा, और सेराफिन के कंधे पर एक बंधनकारी ग्लाइफ बना दिया। वह चीखी, दर्द से नहीं, बल्कि गुस्से से। उसका हाथ झटक कर बाहर निकला, और मैंने महसूस किया कि उसका नाम उसकी ज़बान पर एक ऐसे अभिशाप के रूप में उभरा, जिसका स्वाद घर और नफ़रत जैसा था।

हमने उसे नहीं मारा। वह अफरा-तफरी में गायब हो गई, अपने एक घायल साथी को अपने साथ घसीटती हुई। लेकिन वह अपने पीछे कुछ छोड़ गई, मेरे शिष्य के आकार का एक जलने का निशान। भ्रष्ट। टूटा हुआ। यह एक संदेश और एक वादा था।

डेज़ी ने मुझे वापस उठने में मदद की, जादू के तनाव से उसकी अपनी बाहें भी कांप रही थीं।

मैंने भारी स्वर में कहा, "उसका काम अभी खत्म नहीं हुआ है।"

“नहीं,” डेज़ी ने आँखें सिकोड़ते हुए जवाब दिया। “लेकिन हम भी नहीं हैं।”

हम भागे नहीं। इसके बजाय, मैंने उस चीज़ की ओर रुख किया जिससे संगठन सबसे ज़्यादा डरता था, यानी भेद खुल जाना।

कुछ ही घंटों में, मैंने एक ऐसा मंत्र रचा जिसने मेरी आवाज़ के चारों ओर सत्य का एक चिन्ह लपेट दिया, एक ऐसा चिन्ह जो न केवल शब्दों को, बल्कि यादों को भी समाहित कर लेता था। डेज़ी और मैंने एम्मा के बहीखाते की कच्ची गवाही, चिन्ह के निशान और प्रोटोटाइप के टुकड़ों को शहर के हर जादुई केंद्र तक प्रसारित कर दिया। छतों पर जादुई भित्तिचित्र खिल उठे। भूमिगत जादू-टोने के नेटवर्क हमारे सत्य से जगमगा उठे। संदेश सीधा था: संगठन वापस आ गया था। वे अपनों का शिकार कर रहे थे। और मैं अब भागने वाली नहीं थी।

इसका तुरंत ही विरोध शुरू हो गया।

जिन रूपान्तरों ने कभी मुझसे मुंह मोड़ लिया था, उन्होंने मुझसे संपर्क साधा। चुड़ैलों ने मुझे शरण दी, जिसकी मैंने कभी मांग नहीं की थी। लॉरी और जॉर्ज ने कम दरों पर अपने बाज़ार संसाधन उपलब्ध कराए। यहां तक कि एक पिशाच संदेशवाहक ने यह खबर दी कि कोर्विनि परिवार अब "अपने गठबंधनों का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।"

एलायंस के एजेंटों ने सवाल पूछना शुरू कर दिया। वही एजेंट जो मुझे पूछताछ कक्ष में ले गया था, पास से गुजरा और मुझे आधिकारिक तौर पर बताया कि एम्मा डेंच की हत्या में अब मुझे संदिग्ध नहीं माना जा रहा है। उसका रिश्तेदार नहीं आया।

मैं छिपना छोड़ चुका था।

गॉथिक क्वार्टर की ओर देखने वाले एक पार्किंग डेक के ऊपर डेज़ी मेरे बगल में खड़ी थी। बार्सिलोना की रात तनाव से जगमगा रही थी।

“अब क्या?” उसने पूछा।

मैंने अपने और सेराफिन के चिन्ह से खुदे हुए एक सुरक्षा-पत्थर को खोला। आधा प्रकाश, आधा छाया।

मैंने कहा, "मैं अपना अंतिम प्रस्ताव रखता हूँ। या तो उसकी शर्तें मानो या मेरी।"

आपको क्या लगता है कि वह किसे चुनेगी?

मैंने उदास मुस्कान के साथ कहा, "उसे यह मौका नहीं मिलेगा।"

***** *****

वैलेंटिना सैन्ज़ की दुनिया में कदम रखने के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आपको उनसे मिलकर अच्छा लगा होगा और आप उनके अगले रोमांच में उनके साथ जुड़ना चाहेंगे। किताबों से जुड़ी खबरों और अपडेट्स के लिए www.fatimafayez.com/subscribe/ पर मेरे न्यूज़लेटर के लिए साइन अप करें। डेड वुल्फ के साथ इस श्रृंखला को जारी रखें:
डेड वुल्फ - वैलेंटिना सैन्ज़ पुस्तक 2 (यूएस संस्करण) डेड वुल्फ - वैलेंटिना सैन्ज़ पुस्तक 2 (यूके संस्करण) डेड वुल्फ - वैलेंटिना सैन्ज़ पुस्तक 2 (सीए संस्करण) डेड वुल्फ - वैलेंटिना सैन्ज़ पुस्तक 2 (ऑस्ट्रेलिया संस्करण)

लेखक के बारे में

फातिमा फायेज़ की अन्य पुस्तकें यहां देखें:
www.fatimafayez.com
मुफ्त कहानियों और किताबों के अपडेट के लिए उनके न्यूज़लेटर की सदस्यता लें:

www.fatimafayez.com/subscribe/